जबलपुर
शनिवार, 23 मई 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष -7
वर्ष : 21, अंक : 23
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 42
न्यून. 31

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

जैव-विविधता है भारतीय सभ्यता की आत्माः भूपेंद्र यादव

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत की प्राचीन नदी सभ्यताओं में नर्मदा का विशेष स्थान है। प्रदेश में अमरकंटक और पातालकोट धरती पर ईश्वर का दिया सबसे बड़ा उपहार है। जैव-विविधता हमारी भारतीय सभ्यता की मूल आत्मा है, इन्हें बनाए रखना ही हमारा संकल्प है, हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस पर हम सभी संकल्प लें कि जिसे हम बना नहीं सकते, कम से कम उसे बिगाड़ें तो नहीं। धरती पर उपलब्ध जैव-विविधता से हमें भोजन, दवाई और जीवन मिलता है। दुनिया में हम धरती का 2.4 प्रतिशत भू-भाग रखते हैं। भारत में 36 हजार समृद्ध वनस्पतियां हैं, लेकिन यह वैश्विक स्तर पर केवल 8 प्रतिशत के आसपास है।

शास्त्रों में कहा गया है कि 10 तालाबों के बराबर एक पुत्र

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस पर दुनिया के देश जलवायु परिवर्तन पर चर्चा कर रही है। जैव-विविधता के संरक्षण से भावी पीढ़ियों के पर्यावरण को बचाया जा सकता है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि 10 तालाबों के बराबर एक पुत्र है। 10 पुत्र के बराबर एक वृक्ष है। हमारा देश जैव-विविधता के संरक्षण में दुनिया का नेतृत्व करता है।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आईआईएफएम में राज्यस्तरीय कार्यक्रम एवं चीता संरक्षण वर्कशाप में की सहभागिता

रेस्क्यू व्हीकल को हरी झंडी दिखाते सीएम एवं केंद्रीय मंत्री

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय वन मंत्री यादव ने एबीएस एंड-टू-एंड वेब पोर्टल का किया शुभारंभ

मप्र वैश्विक वन्यजीव संरक्षण का सबसे बड़ा और वैज्ञानिक 'रोल मॉडल' बनकर उभरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जैव-विविधता में हमारा प्रदेश, देश में एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में विकसित किया जा रहा है। हमारे पास 'टाइगर स्टेट', 'लेपर्ड स्टेट', 'चीता स्टेट', 'वल्चर स्टेट', 'घड़ियाल स्टेट', 'वुल्फ स्टेट' का टाइटल है। सालों पहले देश की धरती से चीते लुप्त हो चुके थे। हम देश की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के रूप में पहचाने जाने वाले चीतों को प्रदेश की धरती में वापस ले आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस के अवसर पर भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम एवं चीता संरक्षण वर्कशाप को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि मप्र में 5 हजार से अधिक वनस्पतियां, करीब 500 पक्षियों की प्रजातियां और 180 से अधिक मछलियों की प्रजातियां मौजूद हैं। अब तो मप्र के जंगलों में 100 से ज्यादा हाथी भी विचरण कर रहे

प्रदेश में अब कुल 53 चीते

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र को चीता स्टेट बनने का गौरव देने के लिए केन्द्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि चीतों ने पालपुर कूनो और गांधी सागर अभयारण्य को अपना घर मान लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब कुल 53 चीते हैं।

inh
छत्तीसगढ़ एवं गोवा/गोवा का सर्वाधिक लोकप्रिय पैकेज देखें
TATA PLAY पैकेज रु. 1155 | airtel पैकेज रु. 366

IPL आज का मुकाबला
एलएसजी पीबीकेएस
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

केंद्रीय कार्यालयों में 28 को होगी ईद-उल-अजहा की छुट्टी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के त्योहार पर होने वाले अवकाश की तारीख

में बदलाव किया है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब दिल्ली और देशभर के सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में 27 मई के स्थान पर 28 मई 2026 को सार्वजनिक छुट्टी रहेगी। इस्लाम धर्म में ईद-उल-अजहा का विशेष महत्व है, जिसे त्याग और कुर्बानी का त्योहार माना जाता है। यह हजरत इब्राहिम की खुदा के प्रति अटूट आस्था की याद में मनाया जाता है। मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा करने के बाद कुर्बानी देते हैं।

बाघ ने 4 महिलाओं पर बोला हमला, उतारा मौत के घाट

चंद्रपुर। महाराष्ट्र का चंद्रपुर जिला एक बार फिर इंसानों और वन्यजीवों के बीच बढ़ते खूनी

संघर्ष का गवाह बना है। जिले के सिंदेवाही तहसील के अंतर्गत आने वाले गुंजेवाही इलाके में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां के जंगलों में घात लगाए बैठे एक बाघ ने तेंदूपत्ता तोड़ने गई चार महिलाओं पर जानलेवा हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। ये महिलाएं रोजमर्रा की तरह सुबह गांव के पास स्थित घने जंगल में तेंदूपत्ता लेने के लिए गई थीं। तभी झाड़ियों में छिपे बाघ ने उन पर अचानक हमला बोल दिया।

जबलपुर हाईकोर्ट का आदेश : दिल्ली एम्स के डॉक्टरों की टीम भोपाल आकर करेगी दोबारा पोस्टमार्टम

सीबीआई पता लगाएगी ट्विशा की मौत का सच

जबलपुर जिला कोर्ट में समर्थ के सरेंडर के दौरान एक घंटे तक रही गहमागहमी, बार काउंसिल ने उसका लाइसेंस सस्पेंड किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर/भोपाल

- समर्थ ने जबलपुर जिला कोर्ट में शुक्रवार शाम को सरेंडर किया। उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। शनिवार को उसे भोपाल की कोर्ट में पेश किया जाएगा

भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले में शुक्रवार को कई बड़े घटनाक्रम सामने आए। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश के बीच, जबलपुर हाईकोर्ट ने शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराने का ऐतिहासिक आदेश दिया है। वहीं, मृतका के पति समर्थ सिंह ने जबलपुर जिला कोर्ट में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। शुक्रवार को गृह विभाग की अधिसूचना के बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ने सीबीआई को इस मामले से जुड़े अपराध, साक्ष्य, दुष्प्रेरण और अन्य पहलुओं की जांच की अनुमति भी दे दी है। जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस एके सिंह की एकलपीठ ने ट्विशा शर्मा के पिता नवनिधि शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दिल्ली एम्स के डायरेक्टर को तत्काल एक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह टीम भोपाल एम्स में मृतका का दोबारा पोस्टमार्टम करेगी। ट्विशा के पिता ने याचिका में कहा था कि उनकी बेटी की 12 मई की रात भोपाल स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी।

मप्र सरकार की ओर से मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश

समर्थ सिंह इस अंदाज में आया

- उधर, समर्थ ने 9 दिन बाद जबलपुर जिला कोर्ट में किया समर्पण, इधर, समर्थ के वकील ने केस छोड़ा
- समर्थ ने हाईकोर्ट से वापस ली अग्रिम जमानत की याचिका, शनिवार सुबह पुलिस भोपाल कोर्ट में पेश करेगी

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और महाधिवक्ता ने कहा कि सरकार को दोबारा पोस्टमार्टम से कोई आपत्ति नहीं

पति समर्थ ने हाई कोर्ट से जमानत अर्जी वापस ली थी

शुक्रवार दोपहर समर्थ सिंह ने वकील ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली थी। इससे पहले वकील जयदीप कौरव ने बताया था कि समर्थ सरेंडर करना चाहता है। उन्होंने समर्थ के सरेंडर को लेकर कोई स्पष्ट वजह भी नहीं बताई थी।

गिरिबाला के वकील केस से हटे

गिरिबाला सिंह के वकील जॉर्ज कार्लो से जब ट्विशा शर्मा की मौत को लेकर सवाल पूछे गए तो वह नाराज हो गए। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी और सवालों पर आपत्ति जताई।

गिरिबाला के कॉल डिटेल जांच की भी मांग

परिजनों ने भोपाल जिला अदालत में एक अलग परिवाद भी दायर किया है। इसमें गिरिबाला सिंह की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच कराने और त्विषा की मौत के बाद दो दिनों तक किन-किन नंबरों पर बातचीत हुई, इसकी जानकारी जुटाने की मांग की गई है।

सास की अग्रिम जमानत रद्द करने की याचिका पर 25 मई को सुनवाई

गिरिबाला सिंह

मृतका ट्विशा की सास और रिटायर्ड जिला व सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत को रद्द करने के लिए राज्य सरकार और मृतका के पिता ने याचिका लगाई थी। इस पर कोर्ट ने गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर 25 मई 2026 तक जवाब मांगा है। वहीं, भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि गिरिबाला सिंह को बयान दर्ज कराने के लिए तीन बार नोटिस दिया गया, लेकिन उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया।

10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का शेड्यूल जारी

1 जून को अधिसूचना... 18 जून को मतदान, शाम को काउंटिंग

- पूरी चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक कंप्लीट कर ली जाएगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश में होने वाले राज्यसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया। चुनाव आयोग ने 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया। गुजरात-मध्यप्रदेश समेत 10 राज्यों की 24 सीटों पर चुनाव 18 जून 2026 को कराया जाएगा। इसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती भी होगी। राज्यसभा के जिन 24 सदस्यों का कार्यकाल जून और जुलाई 2026 में खत्म हो रहा है, उनकी सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। इन चुनावों के लिए अधिसूचना 1 जून 2026 को जारी होगी। उम्मीदवार 8 जून तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे, जबकि 9 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी।

मप्र की 3 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की जिन तीन सीटों का कार्यकाल 21 जून 2026 को समाप्त हो रहा है, उनमें भाजपा के जॉर्ज कुरियन और सुमेर सिंह सोलंकी, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दिग्विजय सिंह शामिल हैं। विधानसभा में भाजपा के मजबूत संख्या बल को देखते हुए पार्टी दो सीटों पर मजबूत स्थिति में मानी जा रही है, जबकि कांग्रेस अपनी एक सीट बचाने की रणनीति पर काम कर रही है।

इन राज्यों में सीटें खाली

इन चुनावों में आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक और मिजोरम की सीटें शामिल हैं। सबसे ज्यादा चार सीटें आंध्र प्रदेश और गुजरात से खाली हो रही हैं। वहीं कर्नाटक से भी चार राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो रहा है। जिन प्रमुख नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह और पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा का नाम भी शामिल है। राजस्थान से राजेंद्र गहलोत, नीरज डांगी और रवनीत सिंह की सीटें भी खाली हो रही हैं।

अब फिर 'टैपर टैंट्रम प्लेबुक नीति'

आरबीआई डॉलर बेच रु. संभालेगा, ब्याज बढ़ाएगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- विदेशी निवेशकों से डॉलर जुटाएगी सरकार

रुपए की लगातार गिरती हुई कीमत को देखते हुए अब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस संकट से बचने के लिए अपना पुराना दाव खेलने का मन बना लिया है। आरबीआई अब रुपए को संभालने के लिए साल 2013 में आर्थिक संकट के दौरान अपनाए गए तरीकों को फिर से इस्तेमाल कर सकता है।

पुलिस में तबादले पर नए नियम

अब एक थाने में 5 साल से ज्यादा नहीं टिकेंगे पुलिसकर्मी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- डीजीपी ने जारी किया कड़ा आदेश

मध्य प्रदेश में नई तबादला नीति 2026 को मंजूरी मिलने के बाद, मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर को लेकर बेहद कड़े और नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा जारी इस आदेश के बाद अब कोई भी पुलिसकर्मी किसी एक थाने में लंबे समय तक नहीं जम सकेगा।

छाई कॉकरोच जनता पार्टी

फॉलोअर्स 19 मिलियन के पार, जांच एजेंसियां सक्रिय

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- विदेशी फंडिंग या राष्ट्र विरोधी ताकतों का हाथ

सोशल मीडिया की दुनिया में इन दिनों एक अनोखा इंटरनेट सेंसेशन धूम मचा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फॉलोअर्स का आंकड़ा 19 मिलियन (1.9 करोड़) के पार पहुंच चुका है। खुफिया ब्यूरो (आईबी) को अंदेशा है कि यह महज एक मीम पेज या मजाक नहीं है, बल्कि सिस्टम से निराश युवाओं को सड़क पर लाकर देश में अराजकता फैलाने का एक बड़ा माध्यम बन सकता है।

700 साल बाद भोजशाला में बदला इतिहास

मुस्लिम समाज ने विरोध में बांधी काली पट्टी दुकानें बंद, 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात

नमाज नहीं, पहली बार हुई सिर्फ 'अखंड पूजा'

धार। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा भोजशाला को मंदिर घोषित किए जाने के बाद, शुक्रवार को वहां करीब 700 साल में पहली बार जुमे पर नमाज नहीं हुई और सिर्फ पूजा-अर्चना की गई। भोज उत्सव समिति ने परिसर में वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित कर दर्शन-पूजन कराया और कारसेवकों के परिजनों का सम्मान किया।

जबलपुर में 43 डिग्री की गर्मी के बीच एनसीसी कैंप

50 से अधिक कैडेट्स बीमार, 7 आईसीयू में पुलिस और डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

भीषण गर्मी और लू लगने की आशंका जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

अस्पताल में भर्ती बच्चे

यहां आयोजित एनसीसी के एक प्रशिक्षण शिविर में अचानक 50 से अधिक कैडेट्स की तबीयत बिगड़ गई। इनमें से 20 छात्राओं सहित 21 बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि 7 कैडेट्स को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। यह घटना डुमना रोड स्थित ट्रिपल आईटीडीएम परिसर में चल रहे 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर की है, जहां विभिन्न जिलों से आए करीब 450 कैडेट्स हिस्सा ले रहे हैं। मामले में गंभीर लापरवाही और फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है। कैडेट्स का कहना है कि शहर में 43 डिग्री तापमान और भीषण लू होने के बावजूद उन्हें लगातार कड़ी धूप में ट्रेनिंग दी जा रही थी। इसके अलावा, गुरुवार रात के डिनर में पनीर की सब्जी खाने के बाद कई बच्चों को अचानक चक्कर, उल्टी-दस्त और कमजोरी की शिकायत होने लगी, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग शुरुआती तौर पर इस बीमारी की मुख्य वजह भीषण गर्मी और लू को मान रहे हैं।

दस दिन तक पीक पर रहेगा गर्मी का असर

प्रदेश के 41 जिलों में लू की चेतावनी, नौगांव में 46.8 और खजुराहो में 46.4 डिग्री पारा

25 से नौतपा...पर, पहले ही नौतपा जैसे हालात... हालांकि दर्जन भर जिलों में गिरा 2 डिग्री तापमान, लू के थपेड़े पड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में नौतपा के पहले ही गर्मी अपना असर दिखा रही है। नौतपा शुरु होने के बाद गर्मी का असर चरम पर होगा। पिछले दो दिनों से अधिकतर शहरों का पारा 44 डिग्री सेल्सियस के ऊपर जा रहा था, जबकि शुक्रवार को इसका असर कुछ कम हुआ है। अधिकतर शहरों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस के नीचे बना हुआ है। ऐसे में पिछले दो दिनों के दौरान करीब दो डिग्री तक तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि, शुक्रवार को नौगांव में 46.8 और खजुराहो में डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है।

तेज धूप से अपना बचाव करती युवतियां

दिन का तापमान 43 से 45 डिग्री के आसपास

मौसम विभाग ने शुक्रवार को प्रदेश के 41 जिलों में लू की चेतावनी जारी की है, जबकि निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना और सतना में लू का रेड अलर्ट है। जबकि 21 जिले ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, उमरिया, शहडोल, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में ऑरेंज अलर्ट है।

तीन दिन थोड़ी राहत फिर तपेगा नौतपा

मौसम वैज्ञानिक दिव्या ई सुरेंद्रन का कहना है कि 25 मई तक पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर बना रहेगा, जिससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है। इन 9 दिन में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी, यहां तापमान 45 से 46 डिग्री तक जा सकता है।

देश के कई हिस्से भारी गर्मी से जल रहे स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी जारी की

उत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्य हीटवेव से झुलस रहे, देशभर में 300 से ज्यादा मामले सामने आए, फिलहाल राहत की उम्मीद नहीं दिख रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में बढ़ती गर्मी के बीच हीटस्ट्रोक के मामलों में तेजी देखी जा रही है। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश में मार्च से मई के बीच 300 से ज्यादा संदिग्ध हीटस्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 1 मार्च से 19 मई तक कुल 325 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए। इनमें से करीब एक-तिहाई मामले मई की शुरुआत के बाद सामने आए। हीटस्ट्रोक शरीर के जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाने पर होने वाली गंभीर स्थिति है। इसमें चक्कर आना, उल्टी, भ्रम, बेहोशी, दौरे पड़ना और अंगों के काम करना बंद करने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। समय पर इलाज नहीं मिलने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकता है।

आंध्र प्रदेश प्रशासन ने लोगों को 5 घंटे न निकलने को कहा

आंध्र प्रदेश प्रशासन ने लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस दौरान हीटवेव और अत्यधिक तापमान अपने चरम पर रहता है।

कई राज्यों में पानी की भी समस्या

भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 22 से 27 मई के बीच दिल्ली और उत्तर भारत के कई हिस्सों में हीटवेव से लेकर गंभीर हीटवेव जैसी स्थिति बन सकती है। स दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में हीटस्ट्रोक के दो मरीज भर्ती किए गए हैं और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। देश के कई हिस्सों में तेज गर्मी के कारण अस्पतालों में डायरिया और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। वहीं गुजरात जैसे राज्यों में पानी की कमी की समस्या भी सामने आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार,मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक होने और सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री ज्यादा रहने पर हीटवेव घोषित की जाती है। अगर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाए तो स्थिति और गंभीर मानी जाती है।

उत्तर प्रदेश में 48 डिग्री तक पहुंचा तापमान

स्थानीय मीडिया के अनुसार इस साल अब तक का सबसे अधिक तापमान उत्तर प्रदेश के बांदा में दर्ज किया गया, जहां पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछले साल मार्च से जून के बीच देश में 7,000 से ज्यादा संदिग्ध हीटस्ट्रोक के मामले और 14 मौतें दर्ज हुई थीं। वहीं 2024 की इसी अवधि में 40,000 संदिग्ध मामले और 110 मौतें सामने आई थीं।

डब्ल्यूएचओ ने सावधानी बरतने की सलाह दी

डब्ल्यूएचओ के मअनुसार हीटवेव के दौरान शरीर में कुछ खास लक्षण दिखाई दें तो तुरंत सावधानी बरतनी चाहिए। इनमें चक्कर आना, अत्यधिक कमजोरी और थकान महसूस होना, बेचैनी या घबराहट होना, तेज प्यास लगना और सिर या पेट में दर्द शामिल हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि ये संकेत शरीर में पानी की कमी और अत्यधिक गर्मी के प्रभाव को दर्शाते हैं। बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को सबसे ज्यादा खतरा रहता है।

खबर संक्षेप

पंजाब में बैलेट पेपर से होंगे निकाय चुनाव

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने 26 मई को पंजाब में होने वाले नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में ईवीएम के बजाय मतपत्रों के माध्यम से मतदान कराने के फैसले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया है। इस याचिका में राज्य चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई थी।

घरेलू विवाद में 2बच्चों की हत्या कर खुद दी जान

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शुक्रवार को एक दंपती ने पारिवारिक विवाद के चलते कथित तौर पर अपने 2 नाबालिग बच्चों की हत्या कर दी और उसके बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एएसपी सुखानंदन राठौर ने बताया कि यह घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र के आर्य नगर की है।

बस-ऑटो की भिड़ंत में 6 लोगों की मौत

गंजम। ओडिशा के गंजम जिले में शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसा हुआ।एक बस और ऑटो रिक्शा के बीच टक्कर हो गई। इसमें 6लोगों की जान चली गई और 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। पुलिस ते अनुसार मृतकों में दो नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं। सभी मृतक और घायल एक ही गांव के बताए जा रहे हैं।

डब्ल्यूएफआई को लगाई फटकार,फोगाट को राहत

नई दिल्ली। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फटकार लगाई। डब्ल्यूएफआई ने पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। कोर्ट ने केंद्र से कहा कि विशेषज्ञों की टीम बनाकर विनेश की स्थिति का मूल्यांकन करे और यह सुनिश्चित किया जाए कि वह ट्रायल में हिस्सा ले सकें।

नैनी में दो कारों में भिड़ंत में 3 की मौत

नैनी। यहां लेप्रोसी चौराहा और रेलवे डॉट पुल के बीच रीवा मार्ग पर शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार एक्सयूवी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर लांघते हुए दूसरी पटरी पर जा रहे मारुति कार से टकरा गई। हादसे में कार सवार पिता और उसके 2 पुत्रों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पुत्री के साथ बहन और बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गए।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण और सामाजिक गतिशीलता पर कहा

अदालत ने कहा कि उन्हें अब आरक्षण से बाहर निकलना चाहिए

अगर अभ्यर्थी के माता-पिता आईएएस हैं तो उनके बच्चों को आरक्षण क्यों मिले?

क्रीमी लेयर पर सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी

न्यायमूर्ति नागरत्ना और भुइयां की पीठ ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आरक्षण और सामाजिक गतिशीलता के मुद्दे पर महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। पिछड़े वर्गों में क्रीमी लेयर को मिलने वाले आरक्षण लाभ से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल उठाया कि जिन परिवारों ने शिक्षा और आर्थिक रूप से प्रगति कर ली है, क्या उनके बच्चों को भी आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर दोनों माता-पिता आईएएस अधिकारी हैं तो फिर उनके बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता शशांक रतनू ने कहा कि लोगों को उनकी सैलरी की वजह से नहीं, बल्कि उनके सामाजिक दर्जे के आधार पर बाहर किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रुप-ए कर्मचारियों को बाहर किया गया है और ग्रुप-बी कर्मचारियों को भी बाहर किया जाता है।

पीढ़ी दर पीढ़ी आरक्षण मांगते रहे तो समाज बाहर नहीं निकल पाएगा

इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक गतिशीलता आती है। ऐसे में अगर अगली पीढ़ी भी आरक्षण मांगती रहेगी तो समाज कभी इससे बाहर नहीं निकल पाएगा। उन्होंने कहा कि यह भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है।जस्टिस नागरत्ना ने आगे कहा कि छात्रों के माता-पिता अच्छी नौकरियों में हैं, अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके बच्चे फिर भी आरक्षण चाहते हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि उन्हें अब आरक्षण से बाहर निकलना चाहिए।

ईडब्ल्यूएस और क्रीमी लेयर के बीच अंतर हो: वकील

अधिवक्ता रतनू ने अदालत से कहा कि इस मुद्दे पर गहराई से विचार किए जाने की जरूरत है और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और क्रीमी लेयर के बीच अंतर होना चाहिए। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ईडब्ल्यूएस में सामाजिक पिछड़ापन नहीं होता, बल्कि केवल आर्थिक पिछड़ापन होता है। रतनू ने कहा कि इसी वजह से क्रीमी लेयर के मानदंड ईडब्ल्यूएस की तुलना में अधिक उदार होने चाहिए। अगर दोनों को एक समान मान लिया जाएगा, तो दोनों के बीच कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

गुजरात का मामला: चौंकाने वाले आदेश से उठते है सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम सुनवाई के दौरान कहा कि अदालतों द्वारा दिए गए चौंकाने वाले आदेश लोगों के मन में न्यायपालिका को लेकर विश्वास को हिला सकते हैं। कोर्ट की यह टिप्पणी गुजरात रेवेन्यू ट्रिब्यूनल से जुड़े एक विवादित मामले की सुनवाई के दौरान आई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच गुजरात हाईकोर्ट के सितंबर 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा अगर कोई गलत आदेश पारित होता है तो उसे सुधारा जा सकता है।

कोर्ट ने कहा- संतुलन बनाए रखना जरूरी

सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले में नोटिस जारी किया। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि इस मुद्दे में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ापन अपनी जगह है, लेकिन जब माता-पिता आरक्षण का लाभ लेकर एक निश्चित स्तर तक पहुंच चुके हैं और दोनों आईएएस अधिकारी या सरकारी सेवा में अच्छी स्थिति में हैं, तो सामाजिक गतिशीलता स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ऐसे लोगों को आरक्षण से बाहर रखने के आदेशों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

सामाजिक गतिशीलता मौजूद

कोर्ट ने यह भी कहा कि कई सरकारी आदेशों में पहले से ही ऐसे उन्नत वर्गों को आरक्षण का फायदा लेने से रोकने के प्रावधान हैं, लेकिन अब इन्हें चैलेंज किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि सामाजिक गतिशीलता मौजूद है। अब सरकारी आदेश हैं जो इन सभी लोगों को बाहर रखते हैं, और वे इस बहिष्कार पर सवाल उठा रहे हैं। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा।

विज्ञान भवन में बीएसएफ के पदग्रहण समारोह में बोले

घुसपैठियों को बाहर करने शून्य सहिष्णुता नीति अपनाएगा केंद्र

शाह ने 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना की घोषणा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि सरकार सीमा पार घुसपैठ के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगी। उन्होंने बताया कि देश की सीमाओं को सील करने और सभी अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक व्यापक स्मार्ट बॉर्डर परियोजना इस वर्ष शुरू की जाएगी। शाह ने कहा कि अवैध प्रवासन जनसांख्यिकीय बदलाव लाने की एक सोची-समझी साजिश है, और सरकार हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे निर्वासित करेगी।विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पदग्रहण समारोह 2026 को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही।

2,70,000 कर्मियों के साथ बीएसएफ दुनिया में सबसे बड़ा सुरक्षा बल

शाह ने यह भी घोषणा की कि सीमा पर तैनात जवानों की सहायता के लिए जल्द ही एक उच्च-शक्ति जनसांख्यिकी मिशन शुरू किया जाएगा। शाह ने बीएसएफ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि 1965 में 25 बटालियनों के साथ शुरू हुआ यह बल अब 2,70,000 कर्मियों वाला दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल बन गया है। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री ने कर्तव्य के दौरान उत्कृष्ट योगदान और सर्वोच्च बलिदान के लिए बीएसएफ कर्मियों को सम्मानित भी किया।

स्मार्ट बॉर्डर परियोजना का लक्ष्य

इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पूरी तरह से सील करना है। इसके तहत सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक तकनीक जैसे ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों से लैस किया जाएगा। यह पहल अगले एक वर्ष के भीतर पूरी की जाएगी। इसका उद्देश्य अवैध घुसपैठ को प्रभावी ढंग से रोकना है।

गृह मंत्रालय 6,000 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर अभेद्य सुरक्षा ग्रिड लागू करेगा

गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर एक अभेद्य सुरक्षा ग्रिड लागू करेगा। उन्होंने घोषणा की कि अगले एक वर्ष के भीतर, स्मार्ट बॉर्डर अवधारणा के तहत, बीएसएफ को ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। शाह ने बीएसएफ से आग्रह किया कि वे घुसपैठ और पशु तस्करी के मार्गों की पहचान करने और उन्हें बंद करने के लिए राज्य पुलिस, जिला कलेक्टरों और ग्राम पटवारियों के साथ सीधे समन्वय करके अपने खुफिया नेटवर्क का विस्तार करे।

अजमेर शरीफ के दीवान चिस्ती बोले

गाय को मिले राष्ट्रीय पशु का दर्जा मुसलमान समुदाय स्वागत करेगा

एजेंसी ▶▶ अजमेर

अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान सैयद सरवर चिश्ती ने केंद्र सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने और देशभर में उसकी हत्या, कुर्बानी और बीफ निर्यात पर बैन लगाने की मांग की है।ईद-उल-अजहा से ठीक पहले 28 मई को होने वाले त्योहार के मद्देनजर शुक्रवार को बयान में चिश्ती ने कहा कि गाय हिंदू समुदाय की आस्था का प्रतीक है और उसे संवैधानिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से संसद का विशेष सत्र बुलाकर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने संबंधी कानून

लाने की अपील की। चिश्ती ने कहा, यह देखना बहुत जरूरी है कि इस विधेयक का समर्थन कौन करता है और विरोध कौन? इस मुद्दे को राजनीति से ऊपर उठाकर सांप्रदायिक सद्भाव और सांस्कृतिक सम्मान के नजरिए से देखा जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि मुसलमान समुदाय इस कदम का स्वागत करेगा। मौलवी ने मवेशियों को लावारिस छोड़ने पर भी निशाना साधा।

प्रधानमंत्री को झालमुड़ी खिलाई थी

दुकानदार को मिल रहीं जान से मारने की धमकियां, पुलिस तैनात

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार विक्रम साहू को जान से मारने की धमकी मिली है। दुकानदार की ओर से दावा किया गया कि पिछले कुछ दिनों से उसे पाकिस्तान और बांग्लादेश से रोजाना धमकी भरे कॉल आ रहे हैं।पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले विक्रम साहू रातोंरात सुर्खियों में आ गए थे। व साहू और पीएम मोदी के बीच हुई बातचीत पूरे चुनाव में चर्चा का विषय बन गई थी। यही शोहरत अब

उसके लिए मु सी ब त बन गई है। साहू ने कहा कि वह अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित है मुझे पाकिस्तान से वीडियो और फोन कॉल के जरिए बार-बार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। वे मुझे बम से उड़ाने की धमकी दे रहे हैं। हथियार भी दिखा रहे हैं। उन्होंने गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है।

देशभर के युवाओं को आज मिलेगी बड़ी सौगात

पीएम मोदी रोजगार मेले में 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे

19 वां आयोजन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी 23 मई 2026 को देशभर के युवाओं को बड़ी सौगात देंगे। प्रधानमंत्री शनिवार सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित होने वाले 19वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे और नए चयनित युवाओं से संवाद करेंगे। केंद्र सरकार की ओर से यह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि रोजगार सृजन को प्राथमिकता देना प्रधानमंत्री की प्रमुख प्रतिबद्धताओं में शामिल है और रोजगार मेला उसी सोच को आगे बढ़ाने का माध्यम बन चुका है।

कई मंत्रालयों में मिलेगी नियुक्ति

रोजगार मेले के तहत चयनित उम्मीदवार रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग समेत कई सरकारी विभागों में नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा अन्य केंद्रीय मंत्रालयों और संगठनों में भी युवाओं को नियुक्ति दी जाएगी।

इसके पहले 12 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दे चुके

सरकार द्वारा शुरू किए गए रोजगार मेलों के जरिए अब तक देशभर में 18 चरण आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 12 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं।

एजेंसी अब नहीं लेना चाहती किसी तरह का जोखिम

पेपर लीक रोकने एनटीए ने कसी कमर, 30 दिन चुनौती भरे, सोशल मीडिया पर भी रखेंगे नजर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आगामी 21 जून को दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पूरी तरह सतर्क है। परीक्षा में अब एक महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में एजेंसी जीरो ट्रस्ट नीति के तहत काम कर रही है।

एजेंसी अब किसी भी स्तर पर सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। पेपर लीक के बाद एनटीए अब कड़ी निगरानी, नियमित ऑडिट और सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग कर रहा है।

गड़बड़ बन सकती है बड़ी मुसीबत

30 दिन के भीतर दोबारा परीक्षा आयोजित करना एक बड़ी चुनौती है। अगर समय की कमी से कोई भी छोटी सी गड़बड़ हुई, तो यह एक बड़ी मुसीबत बन सकती है। परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक के आरोपों के बाद छात्रों और अभिभावकों में भारी गुस्सा देखा गया था। इसके बाद ही दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया। एजेंसी की जिम्मेदारी सिर्फ परीक्षा कराना ही नहीं है, बल्कि पूरी प्रक्रिया की ईमानदारी बनाए रखना भी है। एनटीए का मानना है कि वे छात्रों को बार-बार निराश नहीं कर सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने वापस लिया आदेश

एनसीईआरटी बुक का विवादित चैप्टर लिखने वालों की नहीं जाएगी नौकरी

एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब का विवादित चैप्टर लिखने वाले 3 शिक्षाविदों की माफी सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। विवादित अध्याय के लिए जिम्मेदार माने गए माइकल डेनिनो, सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्ना का माफीनामा सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार करते हुए अपना वह आदेश भी वापस ले लिया है, जिसमें शिक्षाविदों को किसी सरकारी संस्था में काम नहीं दिए जाने का निर्देश दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचौली की बेंच ने कोर्ट के आदेश का वह हिस्सा हटा लिया है, जिसमें तीनों को सरकारी अनुदान वाली किसी संस्था में काम नहीं देने को कहा गया था।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर था विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्यों से कहा कि वह इन लोगों को जरूरत के मुताबिक काम देने पर विचार कर सकते हैं। कोर्ट की तरफ से कोई रोक नहीं है। हालांकि, केंद्र ने कहा कि उसने इन लोगों को स्कूली शिक्षा से जुड़ा काम न देने का फैसला किया है।

मौत के सन्नाटे में समाई थी जिंदगी

32 फीट की गहराई से निकला 26 साल पुराना राज, ड्रेस से खुलासा

एजेंसी ▶▶ कीरतपुर साहिब

पंजाब की भाखड़ा नहर में करीब 26 साल पहले गिरी एक मारुति ओमनी वैन को अब बरामद किया गया है। वर्ष 2000 में कीरतपुर साहिब क्षेत्र के गांव कोटला के चार लोगों को लेकर ये वैन नहर में समा गई थी। हादसे के बाद लंबे समय तक तलाश चली लेकिन न शव मिले थे और न वाहन। अब 32 फीट की गहराई से भाखड़ा ने ये राज उगला है। गांव कोटला में सभी ने उम्मीद छोड़ दी थी कि आज से 26 साल पहले 20 अक्टूबर 2000 को नहर में गिरे लोगों का कभी पता भी चलेगा। इस वैन में कोटला में मिठाई

की दुकान करने वाले मुनी लाल (36), तेजराम (37) वैन के ड्राईवर, किसान सुरजीत सिंह और उसका आठ साल का बेटा कालू सवार थे। सभी शादी से लौट रहे थे तभी वैन के साथ सभी नहर में समा गए थे। तब परिजनों और गांव वालों ने उन्हें ढूंढने के लिए बहुत प्रयास किए थे लेकिन तब उनका कोई पता नहीं चल पाया था।

चंद्रयान-3 मिशन का दुनिया में बजा डंका

अमेरिका ने दिया अंतरिक्ष विज्ञान का प्रतिष्ठित सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत के ऐतिहासिक चंद्र मिशन चंद्रयान-3 को एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई है। अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (एआईएए) ने चंद्रयान-3 मिशन को वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवॉर्ड' से सम्मानित किया है। यह सम्मान 21 मई को वॉशिंगटन डीसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिया गया। यह पुरस्कार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने एआईएए एसेंड सम्मेलन में स्वीकार किया। वैज्ञानिकों का मानना है कि भारत के चंद्रयान-3 मिशन से भविष्य में चंद्रमा की सतह पर निर्माण और अन्य गतिविधियों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं।

- *चंद्रयान-3 मिशन चंद्रमा की सतह पर निर्माण और अन्य गतिविधियों के लिए उपयोगी साबित होगा*
- *भारत कमर्शियल स्पेस सेक्टर में बढ़ रहा*
- *पीएम के 'स्पेस विजन 2047' का जिक्र किया*

भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा पुरस्कार ग्रहण करते हुए

भारत और अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग को मजबूत कर रहे

भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने अपने संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी के 'स्पेस विजन 2047' का जिक्र किया। उन्होंने भारत की गहरे अंतरिक्ष में खोज, मानव अंतरिक्ष उड़ान और तेजी से बढ़ते कमर्शियल स्पेस सेक्टर के रोडमैप को रेखांकित किया। साथ ही भारत और अमेरिका की सरकारों, उद्योगों और शोध संस्थानों के बीच अंतरिक्ष सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विनय क्वात्रा संबोधित करते हुए

'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवॉर्ड'

'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवॉर्ड' एआईएए का अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। यह पुरस्कार किसी व्यक्ति या टीम को अंतरिक्ष अनुसंधान में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रदान किया जाता है। टीम पुरस्कार में योगदानकर्ताओं की सूची शामिल होती है, जिनमें से अधिकतम दो प्रतिनिधि औपचारिक रूप से पुरस्कार स्वीकार करते हैं।

रॉबर्ट गोडार्ड को रॉकेट विज्ञान का अग्रणी वैज्ञानिक माना जाता है

इस पुरस्कार की स्थापना श्रीमती गोडार्ड ने अपने पति रॉबर्ट एच. गोडार्ड की स्मृति में की थी। रॉबर्ट गोडार्ड को रॉकेट विज्ञान का अग्रणी वैज्ञानिक माना जाता है। उनके शुरुआती तरल ईंधन रॉकेट प्रक्षेपणों ने आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान की नींव रखी थी। वर्ष 1975 में इस पुरस्कार को वर्तमान स्वरूप दिया गया। उसी दौरान संस्थान ने पुराने 'गोडार्ड अवॉर्ड' का नाम बदलकर चयन प्रक्रिया का दायरा भी बढ़ाया, जो पहले प्रणोदन और ऊर्जा परिवर्तन इंजीनियरिंग विज्ञान में योगदान के लिए दिया जाता था।

रॉबर्ट गोडार्ड की पत्नी संग विनय क्वात्रा

खबर संक्षेप

भारत की जासूसी कर रहा था मुस्तफा, अरेस्ट

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर से मोहम्मद मुस्तफा नामक युवक को एटीएस ने

गिरफ्तार किया है। एटीएस ने जिले के रतनपुर गांव में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि मो. मुस्तफा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के लगातार संपर्क में था और कथित तौर पर भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल था। उसका संबंध कुख्यात हथियार तस्कर शहजाद भट्टी नेटवर्क से है।

नेपाल में नई गाड़ियों की बिक्री पर रोक

काठमांडू। वैश्विक तनाव के कारण नेपाल में ईंधन संकट गहरा गया है। बालेन सरकार ने बढ़ती भीड़, प्रदूषण और ईंधन

लागत का हवाला देते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों सहित नए वाहन पंजीकरण पर रोक लगा दी। गुरुवार को यातायात प्रबंधन विभाग ने परिपत्र जारी कर अगली सूचना तक नए पंजीकरण पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही शुक्रवार से यातायात कार्यालयों ने काले नंबर प्लेट वाली गाड़ियों का पंजीकरण बंद कर दिया है।

भारत-साइप्रस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा

दोनों देशों के बीच निवेश दोगुना करने का लक्ष्य, द्विपक्षीय रिश्तों को देंगे नया आयाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी से साइप्रस के राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस से की मुलाकात | सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और नवाचार जैसे क्षेत्रों में बढ़ाएंगे सहयोग

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत और साइप्रस के बीच बढ़ते भरोसे तथा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से नई संभावनाएं उभरी हैं और दोनों देश अगले पांच वर्षों में साइप्रस से भारत में होने वाले निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत और साइप्रस ने अपने विश्वसनीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को नई गति और नया आयाम मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस की मित्रता मजबूत होने के साथ-साथ भविष्य उन्मुख भी है। लोकतंत्र, कानून के शासन और सभी देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान जैसे साझा मूल्य दोनों देशों की साझेदारी की नींव हैं। उन्होंने कहा कि भारत इन सिद्धांतों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी रहेगा।

भारत-ईयू के बीच एफटीए से नई आर्थिक संभावनाएं बनीं

प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करते भारत और साइप्रस

पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है, जो दोनों देशों के बीच बढ़े विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से नई आर्थिक संभावनाएं बनी हैं और इन्हीं अवसरों का लाभ उठाते हुए दोनों देश अगले पांच वर्षों में निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे।

भारत और यूरोप के संबंध एक नए स्वर्णिम दौर में: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूरोप के संबंध एक नए स्वर्णिम दौर में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे समय में साइप्रस यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता संभालने के साथ-साथ भारत और पूरे यूरोप के बीच एक महत्वपूर्ण निवेश प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है। वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, भारत संघर्षों की शीघ्र समाप्ति और शांति स्थापित करने के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा।

निकोस और पीएम मोदी

दोनों देशों के बीच रिश्ते सदियों पुराने

साइप्रस के राष्ट्रपति ने कहा कि आज के समय में जब दुनिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ रही है, तो मेरा मानना है कि यूरोपीय संघ और भारत के बीच साझेदारी और मजबूत होनी चाहिए। यह रिश्ता अब सिर्फ अर्थव्यवस्था से नहीं चल रहा है। यह तेजी से एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी बन रहा है, जो साझा हितों, साझा जिम्मेदारियों और स्थिरता, मजबूती और समृद्धि के लिए एक समान प्रतिबद्धता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि यूरोप और भारत के पास सुरक्षा, व्यापार, तकनीक, नवाचार और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के कई कारण हैं। साइप्रस और भारत के रिश्ते साझा मूल्यों और ऐतिहासिक अनुभवों पर आधारित हैं।

साइप्रस यूरोप का प्रवेश द्वार, आईएमईसी एक दूरदर्शी पहल

राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिड्स ने कहा कि साइप्रस एक भरोसेमंद, स्थिर और विश्वसनीय सेतु की तरह काम करने की स्थिति में है, जो भारत और यूरोप को जोड़ सके, यूरोपीय संघ, पूर्वी भूमध्यसागर और मध्य पूर्व के बड़े क्षेत्र के बीच एक पुल की तरह। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को उन्होंने एक 'दूरदर्शी पहल' बताया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना इंडो-पैसिफिक, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच भरोसेमंद कनेक्टिविटी के बढ़ते महत्व को दिखाती है। हम पीएम मोदी के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की पहलों पर लगातार चर्चा कर रहे हैं, और साइप्रस, जो तीन महाद्वीपों के चौराहे पर स्थित है और यूरोप का प्रवेश द्वार भी है, इस साझा विजन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो बोले

भारत को उसकी जरूरत के हिसाब से तेल देगा अमेरिका

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 23 मई से 26 मई तक चार दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। भारत के दौरे पर निकलने से पहले उन्होंने गुरुवार को मियामी एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की। जिसमें रुबियो ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने भारत को एक 'महान सहयोगी और बेहतरीन साझेदार' बताया। रुबियो ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के कारण भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर चिंतित है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत जितना भी तेल और ऊर्जा खरीदना चाहेगा, अमेरिका उसे उतनी मात्रा में बेचने के लिए तैयार है। अमेरिका इस समय ऐतिहासिक स्तर पर ऊर्जा का उत्पादन और निर्यात कर रहा है। रुबियो ने यह भी बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत में तेल की कीमतें बढ़ी हैं, ऐसे में अमेरिका भारत के ऊर्जा पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा बनना चाहता है।

क्वाड देशों के विदेश मंत्री फाइल फोटो

26 मई को क्वाड देशों की बैठक में भाग लेंगे

मार्को रुबियो की यह यात्रा इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि वे नई दिल्ली में 26 मई को 'क्वाड' देशों के विदेश मंत्रियों की अहम बैठक में हिस्सा लेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, क्वाड में भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका शामिल हैं। इसका उद्देश्य वैश्विक भलाई के लिए सहयोग करना और एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी, समृद्ध तथा लचीला इंडो-पैसिफिक क्षेत्र सुनिश्चित करना है। भारत 26 मई को नई दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के निमंत्रण पर मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वांग और जापान के विदेश मंत्री तोसीमित्सु मोतेगी बैठक में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।

14 साल बाद कोलकाता का दौरा करेंगे

अपनी इस यात्रा के दौरान रुबियो कोलकाता, आगरा, जयपुर और नई दिल्ली जाएंगे। खास बात यह है कि करीब 14 साल बाद कोई अमेरिकी विदेश मंत्री कोलकाता का दौरा कर रहा है, इससे पहले 2012 में हिलेरी क्लिंटन वहां गई थीं। कोलकाता में अमेरिका का दुनिया का दूसरा सबसे पुराना वाणिज्य दूतावास स्थित है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताते हुए कहा कि भारत के साथ काम करने के कई क्षेत्र हैं। हम उनके साथ बहुत अच्छा सहयोग करते हैं। यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है और इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

ईरान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा पर बनाया दबाव, बोले

हमारा पड़ोसी एक नाकाम देश बुनियादी सुविधाओं की कमी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा पर दबाव बढ़ा दिया है। दोनों नेताओं ने क्यूबा को एक 'नाकाम और असफल' देश करार दिया है। उन्होंने कहा कि क्यूबा अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। फ्लोरिडा और व्हाइट हाउस में अलग-अलग बयानों में दोनों अधिकारियों ने संकेत दिया कि वे क्यूबा के प्रति अब और भी सख्त रवैया अपनाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत के जरिए समाधान निकालने का रास्ता अभी बंद नहीं हुआ है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा के लोगों और वहां से आकर अमेरिका में बसे लोगों की मदद करना चाहता है। क्यूबा में बिजली नहीं है, लोगों के पास पैसे नहीं हैं और खाने-पीने की चीजों की भी भारी कमी है। वे इंसानियत के नाते क्यूबा की मदद करना चाहते हैं।

क्यूबा में रूस और चीन मौजूद

दूसरी तरफ, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि क्यूबा लगातार अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। रुबियो ने याद दिलाया कि क्यूबा अमेरिकी तट से सिर्फ 90 मील दूर है। वहां एक ऐसी सरकार है जिसे अमेरिका के दुश्मनों के दोस्त चला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि क्यूबा में रूस और चीन की खुफिया एजेंसियां मौजूद हैं। वहां इन दोनों देशों के हथियार सिस्टम भी पहुंच चुके हैं। रुबियो ने क्यूबा पर लैटिन अमेरिका में अस्थिरता फैलाने और आतंकवाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने भी इन चिंताओं को दोहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि क्यूबा अमेरिका के दुश्मनों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन सकता है।

उत्तराखंड में हेमकुंड साहिब यात्रा 2026

पंच प्यारों के साथ पहला जत्था रवाना प्रशासन ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी ▶▶ गोपेश्वर

पंच प्यारों की अगुवाई, पावन निशान साहिब की अगाध श्रद्धा और बैण्ड-बाजों की मधुर धुनों के बीच सिक्ख श्रद्धालुओं का पहला जत्था गुरुद्वारा गोविंदघाट से पवित्र हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हुई है। श्रद्धालुओं ने 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के गगनभेदी जयकारों के साथ अपनी कठिन लेकिन आध्यात्मिक यात्रा का शुभारम्भ किया। प्रथम जत्थे की अगुवाई पावन पंच प्यारों द्वारा की गई, जो सिक्ख परंपरा में श्रद्धा, सेवा और साहस के प्रतीक माने जाते हैं। गोविंदघाट गुरुद्वारा में अरदास, शबद कीर्तन के बाद गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मेनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत

सिंह बिंद्रा ने यात्रा को रवाना किया। यात्रा को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन और चमोली पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। सम्पूर्ण यात्रा मार्ग पर पुलिस बल तैनात किया गया है तथा प्रथम जत्थे के साथ विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है, ताकि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में अपनी यात्रा पूर्ण कर सके। प्रथम जत्थे के पवित्र धाम पहुंचने के बाद विधि-विधान एवं अरदास के साथ हेमकुंड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रूप से खोल दिए जाएंगे।

भारत ने काबुल भेजी 20 टन चिकित्सा सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के बाल टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूती देने के लिए 20 टन महत्वपूर्ण चिकित्सा सामग्री की एक खेप काबुल भेजी। यह सामग्री मुख्य रूप से बीसीजी, टेटनस एवं डिप्थीरिया टीकों के निर्माण और रखरखाव के लिए भेजी गई है। भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में अफगानिस्तान के मित्रवत लोगों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें, अफगानिस्तान वर्तमान में स्वास्थ्य सुविधाओं और आवश्यक दवाओं की भारी कमी से जूझ रहा है। भारत की ओर से भेजे गए इस चिकित्सा सामग्री से वहां के बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को बिना किसी रुकावट के चलाने में मदद मिलेगी, जिससे डिप्थीरिया, टेटनस और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकेगा।

पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने 'मैनेजमेंट सुपरविजन एरिया' की सीमा तय की

होर्मुज में जहाजों से फीस वसूलने की तैयारी में ईरान, ओमान देगा साथ

एजेंसी ▶▶ तेहरान/ वॉशिंगटन

ईरान और ओमान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर फीस वसूली के सिस्टम को लेकर बातचीत कर रहे हैं। ईरान की पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने एक नया होर्मुज स्ट्रेट निगरानी क्षेत्र घोषित है। इसके तहत स्ट्रेट के एक बड़े हिस्से को ईरान की निगरानी वाले इलाके के तौर पर दिखाया गया। अथॉरिटी ने होर्मुज स्ट्रेट के 'मैनेजमेंट सुपरविजन एरिया' की सीमा तय कर दी है। अथॉरिटी के मुताबिक, यहां से गुजरने के लिए परमिट जरूरी होगा। ईरान सीधे टोल लगाने के बजाय सर्विस फीस मॉडल पर काम कर रहा है। इसमें जहाजों से ट्रांजिट फीस, पर्यावरण शुल्क और अन्य सेवाओं के नाम पर रकम ली जा सकती है। ओमान अब इस प्रस्ताव में संभावित आर्थिक फायदे देखते हुए हिस्सेदारी पर चर्चा कर रहा है। ओमान खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

ओमान के साथ सर्विस फीस मॉडल पर काम कर रहा

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज

होर्मुज में खड़े 1600 जहाज जल्द निकलेंगे, तेल की कीमतें गिरेंगी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और यहां किसी तरह का टोल नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज में खड़े 1600 तेल जहाज जल्द निकलेंगे, जिससे तेल की कीमतें गिरेंगी। बता दें, दुनिया के करीब 20% समुद्री तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तरह के शुल्क या प्रतिबंध का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और शिपिंग पर पड़ सकता है।

अमेरिका-ईरान में बातचीत आगे बढ़ी

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही बातचीत आगे बढ़ी है। दोनों पक्ष संभावित समझौते के मसौदे और औपचारिक ढांचे पर चर्चा कर रहे हैं। इसके लिए ड्राफ्ट प्रस्तावों और संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। बताया जा रहा है कि दोनों देश समझौते की शर्तों और भाषा को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं।

ईरान में इंटरनेट ब्लैकआउट 84वें दिन में पहुंचा

ईरान में लागू लगभग पूर्ण इंटरनेट बंदी अब 84वें दिन में पहुंच गई है। इंटरनेट निगरानी संस्था नेटब्लॉक्स के मुताबिक, देश में 1992 घंटे से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट नेटवर्क बड़े पैमाने पर बाधित हैं। सरकार ने यह प्रतिबंध 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के कुछ घंटों बाद लागू किया था। संस्था के अनुसार, देश के अधिकांश बाहरी नेटवर्क अब भी कटे हुए हैं।

होर्मुज मिशन में शामिल होगा जर्मनी

जर्मनी ने कहा है कि वह होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा के लिए ब्रिटेन के नेतृत्व वाले मिशन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने स्पष्ट किया कि इस पहल का मकसद समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वह इस अभियान को नाटो मिशन नहीं मानते। इसे यूरोपीय देशों की स्वतंत्र सुरक्षा भूमिका के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

गाइड ने की थी बचाने की कोशिश

एवरेस्ट शिखर से उतरते समय दो भारतीयों की थकान से मौत हुई

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले दो भारतीय पर्वतारोहियों की उतरते समय मौत हो गई। नेपाल अभियान संचालक संघ के महासचिव ऋषि भंडारी ने बताया कि अरुण कुमार तिवारी और संदीप अरे नामक पर्वतारोही शिखर से नीचे आते समय बुरी तरह थक गए थे। उनके गाइडों के प्रयासों के बावजूद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। भंडारी ने बताया कि संदीप अरे बुधवार को शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे। वहीं, अरुण तिवारी ने गुरुवार को शाम लगभग 5.30 बजे शिखर सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि गाइडों ने बहुत मेहनत की लेकिन वह उन्हें

बचाने में सक्षम नहीं हो सके। संदीप अरे का निधन गुरुवार को हुआ। वहीं, अरुण तिवारी का निधन कब हुआ, यह स्पष्ट नहीं है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है। बुधवार को संदीप रे समेत तीन भारतीय पर्वतारोहियों ने 8,848.86 मीटर ऊंची चोटी पर विजय प्राप्त की। एक दिन में सबसे अधिक पर्वतारोहण का यह एक नया रिकॉर्ड है। इसमें अन्य दो पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी और अजय पाल सिंह धालीवाल थे।

जनजातीय क्षेत्रों में जैविक खेती को दें प्रोत्साहन, दंतेवाड़ा भेजें अध्ययन दलः डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जाए। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में भी जनजातीय कृषकों द्वारा जैविक खेती की जा रही है। इसका अध्ययन करने के लिए मध्यप्रदेश से दल भेजा जाए। डॉ. यादव ने गुरूवार को जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा बैठक में यह बात कही।

बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह और मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों, आश्रम और छात्रावासों में शिक्षा और रहन सहन की गुणवत्ता बेहतर करें। जनजातीय क्षेत्रों में परंपरागत सामाजिक मूल्यों के संरक्षण और समग्र विकास के लिए समाज सेवी संगठनों का भी सहयोग लें। जनजातीय क्षेत्र में शासन के विभिन्न विभाग मिलकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने की जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने कहा, छात्रावासों में शैक्षणिक एवं आवासीय प्रबंधन करें बेहतर
- जनजातीय क्षेत्रों में परंपरागत सामाजिक मूल्यों के संरक्षण और समग्र विकास के लिए समाज सेवी संगठनों का भी सहयोग लें

सर्वश्रेष्ठ 10 जिलों में से 7 जनजातीय जिले शामिल

बैठक में बताया गया है कि हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी परीक्षा परिणाम 2026 में सर्वश्रेष्ठ 10 जिलों में से 7 जनजातीय जिले शामिल हैं। दिसम्बर 2023 से अब तक जनजातीय वर्ग के कक्षा 9 एवं 10 के कुल 3 लाख 65 हजार विद्यार्थियों को 137 करोड़ 52 लाख रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है। इसी अवधि में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 4 लाख 28 हजार विद्यार्थियों को 673 करोड़ 64 लाख रुपये की राशि भुगतान की गई है। विभाग द्वारा 2671 छात्रावास और आश्रम शालाओं का संचालन किया जा रहा है।

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को दें बढ़ावा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज में पशुपालन को बढ़ावा दें और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में इनका सहयोग ले। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजातियों बैगा, भारिया और सहारिया के समग्र विकास के लिए सतत कार्य करने के निर्देश दिए। डॉ. यादव ने विभाग द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजातियों की महिला मुखिया के बैंक खाते में प्रतिमाह 15 सौ रुपए की राशि शासन की आहार अनुदान योजना में प्रदान की जा रही है। दिसम्बर 2023 से अभी तक में 2 लाख 37 हजार 550 महिलाओं को कुल 432 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं।

मुख्यसमंत्री डॉ. मोहन ने प्रदेश के सबसे ज्यादा दुर्घटना प्रभावित क्षेत्रों की मैपिंग कराए जाने के दिए निर्देश

मध्यप्रदेश में जल्द शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना... 30 मिनट में मौके पर पहुंचेगी एंबुलेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश में आम नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार जल्द ही मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को योजना शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित, सुगम और सुलभ परिवहन व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है और यह केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास की जीवन रेखा भी है।

बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सीमाओं पर स्थित परिवहन चौकियों और टोल नाकों को आधुनिक और सुविधा संपन्न बनाया जाए। इसके लिए सभी परिवहन चौकियों को इंटीग्रेटेड सिस्टम से जोड़ने के प्रयास तेज किए जाएं ताकि वाहनों की निगरानी और जांच अधिक प्रभावी ढंग से हो सके। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा को लेकर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के सबसे ज्यादा दुर्घटना प्रभावित क्षेत्रों की मैपिंग कराई जाए, ताकि

बैठक में चर्चा करते सीएम।

परिवहन विभाग की हुई समीक्षा बैठक

जरूरतमंदों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित एम्बुलेंस सेवाओं को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की बात कहते हुए कहा कि दुर्घटना की स्थिति में 30 मिनट से कम समय में निकटतम एम्बुलेंस मौके पर पहुंचनी चाहिए। इसके लिए ऑटो मोड सिस्टम विकसित किया जाए, जिससे सबसे नजदीकी एम्बुलेंस तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो सके। मुख्यमंत्री ने "राह-वीर योजना" के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। साथ ही परिवहन विभाग में मानव संसाधन की कमी को अभियान चलाकर पूरा करने को कहा। इधर सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्राथमिक कृषि साख समितियों यानी पैक्स में 30 जून तक सदस्यता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

भोपाल और इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र नई सड़कों से होगा समृद्ध : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में तेजी से निर्मित हो रही सड़कें नागरिकों को विकास का पूरा लाभ दिलवाने में सहयोगी हैं। इनसे 2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों भोपाल और इंदौर-उज्जैन की अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष लाभ मिलना प्रारंभ हो गया है। भविष्य में जबलपुर और ग्वालियर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भी अधोसंरचना विकास के प्रयासों से लाभान्वित होंगे।

इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन, उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाईवे फोर लेन, इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड हाईवे फोर लेन बन जाने से यह सम्पूर्ण क्षेत्र विकास के नए आयामों को स्पर्श करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ : 2028 के कुछ माह पूर्व ही सड़कों के निर्माण कार्य पूरे किए जाएं। बैठक में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अनुराग जैन और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

योजनाओं पर चर्चा करते डॉ. मोहन यादव

दुर्घटना की आशंका वाले मार्गों को चिन्हित कर निकट प्राथमिक उपचार केंद्र संचालित किए जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सड़कों के निर्माण, नवाचारों के उपयोग और विभिन्न विधियों से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों में मिली सफलता सराहनीय है। लोक निर्माण विभाग अन्य विभागों के सहयोग से किसान कल्याण वर्ष में गांव से शहरों तक सब्जियां और फल लेकर आने वाले कृषकों को हेलमेट वितरण के कार्य में भी शामिल हो, जिससे सड़कों पर दो पहिया वाहनों की दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। प्रदेश में मूल्यवान जिंदगियां बचाने के लिए लोक निर्माण और अन्य विभाग मिलकर कार्य करें। दुर्घटना की आशंका वाले मार्गों को चिन्हित कर निकट प्राथमिक उपचार केंद्र संचालित किए जाएं।

जिला आपूर्ति नियंत्रक ने कहा- मुझे जानकारी नहीं

पचास दिन पहले ब्लैक लिस्टेड वेयरहाउस में गुपचुप गेहूं खरीदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैरसिया विधायक विष्णु खत्री के भागवती वेयरहाउस में गेहूं खरीदी के पहले ही साढ़े छह हजार क्विंटल गेहूं खरीदने पर ब्लैक लिस्टेड हुए वेयरहाउस में दोबारा से गेहूं खरीदी शुरू कर दी गई है। अब तक यहां करीब ढाई हजार क्विंटल गेहूं खरीद लिया गया है।

जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि वरिष्ठ अफसरों के निर्देश पर भागवती वेयरहाउस क्रमांक एक में खरीदी की जा रही है, जबकि क्रमांक दो पहले से ब्लैक लिस्टेड है। सरकार ने 9 अप्रैल से जिले के 93 केंद्रों पर गेहूं खरीदी शुरू की थी, जबकि बैरसिया के तरावली स्थित भागवती वेयर हाउस में किसान विपणन समिति बैरसिया ने दस दिन पहले ही 35 किसानों का करीब साढ़े छह हजार मीट्रिक टन गेहूं सरकारी बारदाने में भरकर वेयरहाउस में रख लिया गया था। मामले का खुलासा होने के बाद खाद्य विभाग की टीम ने जांच के बाद वेयरहाउस को खरीदी केंद्र से हटा दिया था, जबकि यहां रखा 35 किसानों को खरीदी के लिए ब्लैक लिस्टेड कर उनका गेहूं वापस कर दिया गया। अब खरीदी के दस दिन पहले विभाग ने अचानक से वेयरहाउस क्रमांक एक में गेहूं खरीदी शुरू करा दी। एडीएम प्रकाश नायक का कहना है कि जिला आपूर्ति नियंत्रक ने मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। बात करने के बाद ही कुछ बता पाउंगा।

वेयरहाउस क्रमांक एक में पांच हजार दो में दो हजार मीट्रिक टन क्षमता

भागवती वेयरहाउस एक ही परिसर में क्रमांक एक और दो हैं, जिसमें क्रमांक एक में पांच हजार मीट्रिक टन की क्षमता है, जबकि दो में मात्र दो हजार मीट्रिक टन की क्षमता बताई जा रही है। अफसरों का कहना है कि पहले क्रमांक दो में छह हजार क्विंटल गेहूं रखा गया था। क्रमांक दो में पीडीएस का गेहूं रखा होने की वजह से उसे खरीदी में शामिल नहीं किया गया था।

काटजू अस्पताल में खुशी की तिहरी सौगात

महिला ने एक साथ 3 बेटों को दिया जन्म

जच्चा-बच्चा स्वस्थ, डॉक्टरों की टीम ने सफलतापूर्वक कराई ट्रिपलेट्स की डिलीवरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टीटी नगर स्थित डॉ कैलाशनाथ काटजू मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान (काटजू अस्पताल) में एक महिला ने एक साथ तीन स्वस्थ बेटों को जन्म दिया। जिससे उसके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। काटजू अस्पताल की नोडल अधिकारी डॉ रचना दुबे ने बताया कि अस्पताल के डाक्टरों की टीम ने सफलतापूर्वक ट्रिपलेट्स (तीन बच्चों) की डिलीवरी कराई। मां और तीनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ हैं। महिला की डिलीवरी आपरेशन (एलएससीएस) के माध्यम से की गई। यह जटिल प्रक्रिया विशेषज्ञ डाक्टरों की निगरानी में पूरी की गई। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि तीनों बच्चों का स्वास्थ्य सामान्य है और मां की स्थिति भी स्थिर बनी हुई है। सफल आपरेशन के बाद अस्पताल स्टाफ और परिजनों में खुशी का माहौल है। चिकित्सकों ने इसे टीमवर्क और समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा का परिणाम बताया। आपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डा. राकेश जैन और डा. ऋतुराज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए शिशु रोग विशेषज्ञ डा. आरती जैन और डा. सौरभ जैन मौजूद रहे। वहीं पूरी प्रसूति प्रक्रिया स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. ज्योति खरे की देखरेख में संपन्न हुई।

गांजा तस्कर रवि साहू और उसके परिवार की 7.66 करोड़ की अवैध संपत्ति सीज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांजा तस्कर और हिस्ट्रीशीटर रवि साहू और उसके परिवार की करीब 7.66 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियों को सीज कर दिया है। इस कार्रवाई में सक्षम प्राधिकारी, मुंबई ने फ्रीजिंग आदेश को कंफर्म कर दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मप्र राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन

हर तीन माह में होगी बोर्ड की बैठक

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। यह भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया गया है। इससे व्यापारी समुदाय के कल्याण के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए बेहतर वातावरण निर्मित करने और प्रदेश के निर्यात को बढावा मिल सकेगा। मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन, भोपाल के प्रबंध संचालक को सदस्य-सचिव नामित किया गया है।

अध्यक्ष की अनमुति से मध्यप्रदेश राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जा सकेगा। जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) के गठन एवं कार्य क्षेत्र का निर्धारण सदस्य सचिव द्वारा प्रस्तावित कर समन्वय में अनुमोदन के बाद किया जाएगा। बोर्ड की बैठक कैलेंडर वर्ष में 4 बार अर्थात 3 माह में एक बार आयोजित की जाएगी।

शैक्षणिक सत्र 2026-2027 के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने दिए निर्देश

शुल्क की जानकारी अपलोड करने की निजी स्कूलों की मियाद खत्म, अब लगेगा पांच गुना अर्थदंड

- फीस सहित अन्य जानकारी पोर्टल पर अपलोड के लिए विभाग ने 20 मई तक का दिया था समय
- प्रदेश के मात्र 10 हजार 553 स्कूलों ने दी जानकारी, अब भी 24 हजार 728 की मनमानी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में निजी स्कूलों की मनमानी जारी है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2026-2027 के लिए शुल्क सहित अन्य जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश निजी स्कूलों को दिए गए हैं। परंतु निजी स्कूलों द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। नतीजन प्रदेश में 35 हजार 281 निजी स्कूल में से अब तक मात्र 10 हजार 553 निजी स्कूलों की ओर से जानकारी पोर्टल पर अपलोड की गई है। इसके लिए विभाग की ओर से स्कूलों को 20 मई तक का समय दिया गया था, जो अब खत्म हो गया है। अब निजी स्कूलों पर पांच गुना अर्थदंड लगाने की तैयारी विभाग द्वारा की जा रही है।

यह हैं आदेश

दरअसल, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 28 अप्रैल को स्कूलों की शुल्क सहित अन्य जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसके साथ ही शैक्षणिक सत्र 2026-27 की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने की तिथि 30 अप्रैल 2026 में बढ़ोत्तरी करते हुए इसे 20 मई 2026 निर्धारित किया था। निर्धारित तिथि के बाद भी जानकारी अपलोड नहीं करने वाले निजी स्कूलों पर फीस प्रक्रिया के साथ-साथ प्रक्रिया फीस का पांच गुना राशि विलंब के लिए अर्थदंड के रूप में वसूले जाने के निर्देश भी दिए गए थे।

पालक महासंघ ने कहा कार्यवाही में देरी का फायदा निजी स्कूलों को हो रहा

पालक महासंघ मप्र के महासचिव प्रबोध पंडया ने बताया कि प्रदेशभर में कुल 35 हजार 281 निजी स्कूल में से अब तक मात्र 10, 553 निजी स्कूलों की ओर से शुल्क सिर्फ शुल्क की जानकारी पोर्टल पर अपलोड की गई है, जबकि स्कूलों को शुल्क सहित संबंधित लेखा-जोखा भी पोर्टल पर अपलोड करना है। अभी भी 24,728 निजी स्कूलों द्वारा जानकारी पोर्टल पर अपलोड नहीं की गई है। जबकि 20 मई को अंतिम तिथि निकल चुकी है, जिससे पहले भी कई बार बढ़ाया गया है। विभाग द्वारा आदेश तो जारी किए जा रहे हैं, लेकिन स्कूलों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही नहीं की जा रही है।

जानलेवा खुली खदानों पर नहीं हुई तार फेंसिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बंद और चल रही खदानों पर पिछले पांच सालों से चल रही तार फेंसिंग की कवायद अब तक पूरी नहीं हुई है। इसी का नतीजा है कि खुली खदानों में डूबने से आए दिन हादसे हो रहे हैं। खनिज विभाग के प्रभारी और एडीएम सुमित पांडे का कहना है कि बंद और चल रही खदानों के आसपास तार फेंसिंग कराई जाएगी। बारिश के दौरान इन खदानों में अधिक पानी भरने से यह लबालब हो जाएंगी। आने वाले समय में यह खुली खदानें खतरनाक साबित होंगी। रातीबड़, नीलबड़, सिकंदराबाद, ईंटखेड़ी छाप, अचारपुरा, मस्तीपुरा, परवलिया, अरवलिया, बीनापुर, अरेहड़ी, ओंकारा सेवनियां, सूखी सेवनियां, बालमपुर, मेंडोरा, मेंडोरी सहित आसपास के क्षेत्रों में 70 से अधिक खदानें हैं।

आसपास बढ़ रही आबादी

यह खदानें खतरनाक साबित हो रही हैं, दरअसल इनके आसपास तेजी से रहवासी क्षेत्र विकसित हो रहे हैं। बावजूद इसके खनिज विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। जिला खनिज अधिकारी एमएस रावत का कहना है कि जिले में सभी खदान संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं, जिससे यहां पर तार फेंसिंग और सूचना के बोर्ड लगाए जा सकें।

बिलासपुर में भूजल स्तर गिरने से नगर निगम सख्त

वाटर हार्वेस्टिंग नहीं कराने वाले भवनों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

गर्मी का पारा चढ़ते ही शहर के कई क्षेत्रों में भूजल स्तर तेजी से नीचे गिरने लगा है। शहर के कई इलाकों में बोरवेल सूखने और पेयजल संकट की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए बिलासपुर नगर निगम ने जल संरक्षण के लिए कमर कस ली है। निगम प्रशासन ने साफ कर दिया है कि शहर में जल संकट से निपटने का एकमात्र स्थाई समाधान रेन वाटर हार्वेस्टिंग है और इसे लेकर अब किसी भी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी।

निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में 1500 वर्ग फीट या उससे अधिक क्षेत्रफल पर बनने वाले सभी नए मकानों और व्यावसायिक परिसरों के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है। इसके लिए सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित कर चुके है कि जो लोग नक्शा पास कराते समय वाटर हार्वेस्टिंग के नाम पर अमानत राशि जमा करते हैं, लेकिन बाद में सिस्टम नहीं बनवाते, उनकी राशि राजसात कर ली जाएगी। इसके अलावा, बार-बार नोटिस देने के बाद भी नियम का पालन न करने वाले बड़े कमर्शियल काम्प्लेक्स और आवासीय कॉलोनियों के पानी के कनेक्शन काटने की तैयारी भी की जा रही है।

इस वजह से इन क्षेत्रों में घट रहा भूजल स्तर

निगम से मिली जानकारी के अनुसार सरकंडा के साथ मंगला क्षेत्र में तेजी से वाटर लेवल गिरता ही जा रहा है। इसकी मुख्य वजह क्षेत्र में लगातार बोरवेल की संख्या बढ़ने के साथ की कंक्रीटीकरण बन रहा है। इसी तरह व्यापार विहार और तिफरा क्षेत्र में औद्योगिक व व्यावसायिक दबाव के साथ ही रूफ-टाप हार्वेस्टिंग की कमी होने से वाटर लेवल गिर रहा है।

भविष्य के लिए लाखों लीटर अनमोल पानी बचाया जा सकता है

जून महीने में मानसून की दस्तक से पहले मई का यह समय वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने या पुराने सिस्टम की सफाई के लिए सबसे उपयुक्त है। एक सामान्य घर में हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का खर्च बेहद कम आता है, लेकिन इससे भविष्य के लिए लाखों लीटर अनमोल पानी बचाया जा सकता है। निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे पानी की बर्बादी रोकें, छतों के पानी को जमीन के भीतर भेजने का इंतजाम करें और बिलासपुर को एक जल-सुरक्षित शहर बनाने में अपना योगदान दें।

बड़े भवनों की जांच की जाएगी

शहर के बड़े भवनों की जांच की जाएगी। इसमे निगम की टीम वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जांच करेंगे।यदि इस दौरान भवनों में सिस्टम नहीं मिला या फिर सिस्टम काम नहीं कर रहा होगा तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की योजना बनाई गई है। आने वाले दिनों में निगम की टीम जांच के लिए निकलेगी।

इसलिए जरुरी है वाटर हार्वेस्टिंग

पिछले कुछ वर्षों में बिलासपुर का कंक्रीट का दायरा तेजी से बढ़ा है। अरपा नदी के तटीय क्षेत्रों में भी पक्के निर्माण होने के कारण बारिश का पानी जमीन के अंदर नहीं जा पाता और नालियों के जरिए बहकर बर्बाद हो जाता है। ऐसे में बारिश के समय में भू-जल रिचार्ज नहीं हो पा रहा है, धीरे-धीरे वाटर लेवल घटते ही जा रहा है।

महिला की मौत, प्रेमी गंभीर

रायपुर में शादीशुदा प्रेमी जोड़े ने तालाब किनारे खाया जहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी से लगे अभनपुर थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां एक प्रेमी जोड़े ने तालाब किनारे जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुरुष की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है।

क्या है मामला

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान शारदा भारती (38) के रूप में हुई है। वहीं गंभीर हालत में मिले पुरुष का नाम शिव कुमार कुर्रे (45) बताया गया है। दोनों शादीशुदा थे और लंबे समय से उनके बीच प्रेम संबंध होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि दोनों के संबंधों की जानकारी परिवार और आसपास के लोगों को लगने के बाद तनाव की स्थिति बनी हुई थी। इसी के चलते दोनों ने आत्मघाती कदम उठाया।

महिला की मौके पर मौत

जानकारी के मुताबिक तालाब किनारे जहर सेवन करने के बाद शारदा भारती की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं शिव कुमार कुर्रे की हालत बिगड़ने लगी तो उसने किसी परिचित और राहगीरों की मदद ली। इसके बाद उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आत्महत्या के कारणों और दोनों की पारिवारिक परिस्थितियों की भी पड़ताल कर रही है।

डॉक्टर गायब, सफाईकर्मी ने नापा गर्भवती का ब्लड प्रेशर

मनमोहन नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की शर्मनाक तस्वीरः डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस

जबलपुर। मनमोहन नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार देर रात अस्पताल में लापरवाही की सारी हदें पार हो गईं, जब ड्यूटी से डॉक्टर नदारद मिले और एक नर्स ने सफाईकर्मी से ही आठ महीने की गर्भवती महिला का ब्लड प्रेशर नापने को कह दिया। इस बदहाली को देखकर अस्पताल पहुंचे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने परिसर में जमकर हंगामा किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने तत्काल एक्शन लेते हुए ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है

खुद संभालनी पड़ी व्हीलचेयर

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात सड़क हादसे में घायल एक बुजुर्ग महिला को इलाज के लिए युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष सोनू कुकरेले और उनके साथी मनमोहन नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। लेकिन अस्पताल के मुख्य गेट पर पहुंचते ही वहां का नजारा देखकर सब हैरान रह गए। हादसे की शिकार तड़पती बुजुर्ग महिला को अंदर ले जाने के लिए अस्पताल का कोई भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी या वार्ड बॉय मौजूद नहीं था। हालत यह थी कि गेट पर व्हीलचेयर तो रखी थी, लेकिन उसे चलाने वाला कोई नहीं था। मजबूरन युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोनू कुकरेले ने खुद बुजुर्ग महिला को व्हीलचेयर पर बैठाया और धक्का लगाते हुए अस्पताल के भीतर पहुंचाया।ड्यूटी डॉक्टर गायब, सफाईकर्मी के भरोसे छोड़ दी मरीजों की जान जब कार्यकर्ता घायल महिला को लेकर अंदर पहुंचे, तो अव्यवस्था का आलम और भी भयावह था। अस्पताल से ड्यूटी डॉक्टर पूरी तरह गायब थे और आपातकालीन सुविधाएं ठप पड़ी थीं। पूरे अस्पताल में महज एक नर्स और एक सफाईकर्मी ही मौजूद थे, जो अपने स्तर पर मरीजों को देख रहे थे।इसी दौरान वहां इलाज के लिए एक 8 महीने की गर्भवती महिला पहुंची। डॉक्टरों की अनुपस्थिति के बीच हैरान करने वाला वाकया तब घटा, जब ड्यूटी पर मौजूद एकमात्र नर्स ने वहां के सफाईकर्मी को ही गर्भवती महिला का ब्लड प्रेशर (BP) जांचने के निर्देश दे दिए। सफाईकर्मी को मेडिकल उपकरण संभालते और मरीज की जांच करते देख अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा भड़क उठा। युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष सोनू कुकरेले और अभ्युत बाजपेयी ने कहा यह स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के नाम पर खिलवाड़ है। जहां डॉक्टरों को होना चाहिए, वहां सफाईकर्मी मरीजों का इलाज कर रहे हैं। आम जनता की जिंदगी को इस तरह राम भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

अस्पताल में प्रदर्शन मौके पर पर पहुंचे सीएमएचओ

लापरवाही के लाइव सबूत सामने आने के बाद युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर के भीतर ही धरने पर बैठकर जमकर नारेबाजी और उग्र विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। आधी रात को सरकारी अस्पताल में भारी हंगामे की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। मामले को बिगड़ता देख प्रभारी सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी खुद दलबल के साथ देर रात मौके पर पहुंचे। उन्होंने नाराज कार्यकर्ताओं और मरीजों के परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और पूरी घटना की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया। इस अवसर पर भानु यादव, राजा रैकवार, समीर गढ़वाल, बसंत ठाकुर, शिशांत सिंह ठाकुर, शिवम् यादव, शिवम् हल्कादर, प्रवीण चौधरी, कार्तिक नामदेव आदि उपस्थित रहे।

डॉक्टर नरेश सोंधिया को कारण बताओ नोटिस

इस पूरे मामले में प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई शुरू हो गई है। सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने घटना को बेहद गंभीर और चिकित्सा प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना है। मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने गुरुवार रात को ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नरेश सोंधिया को 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर दिया है। डॉक्टर सोंधिया से पूछा गया है कि आपातकालीन ड्यूटी के दौरान वे अस्पताल से क्यों नदारद थे और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए?

पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटन व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

जबलपुर। पेंच टाइगर रिजर्व की स्थानीय सलाहकार समिति की बैठक खवासा में संभागायुक्त धनंजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बरघाट और चौरई क्षेत्र के विधायक, सिवनी एवं छिंदवाड़ा के कलेक्टर, वन मंडलाधिकारी तथा क्षेत्र संचालक सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में पेंच टाइगर रिजर्व की भौगोलिक स्थिति, कार्यक्षेत्र और पर्यटन गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। क्षेत्र संचालक ने बताया कि वर्ष 2021 में जारी राजपत्र के अनुसार बफर जोन से लगे गांवों के विद्यार्थियों और ईको विकास समितियों के सदस्यों को अध्ययन भ्रमण की सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है, ताकि उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ सके। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों के वन विभागों से जुड़े प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों और प्रशिक्षुओं को भी अध्ययन यात्राएं कराई जाती हैं। बैठक में पर्यटन प्रबंधन को लेकर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में पेंच टाइगर रिजर्व में 342 पर्यटन वाहन पंजीकृत हैं। पर्यटन सत्र शुरू होने से पहले सभी वाहनों की फिटनेस जांच और निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण कराने का प्रावधान है। समिति ने निर्देश दिए कि सभी पर्यटन वाहनों की जांच नियमानुसार कराई जाए और वन विभाग द्वारा तय दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

हाईकोर्ट ने कछुआ तस्करी के आरोपियों की जमानत अर्जी निरस्त की

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने रेल नेटवर्क के जरिये दुर्लभ प्रतिबंधित प्रजाति के कछुओं की प्रदेश के विभिन्न शहरों में तस्करी में शामिल संगठित गिरोह के आरोपियों परवेज खान व दीपक पारखे को जमानत देने से मना कर दिया । कोर्ट ने उनकी अर्जी निरस्त कर दी। तीन फरवरी 2026 को रेल गाड़ी संख्या 19322 पटना-इंदौर एक्सप्रेस में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्य प्रदेश, भोपाल, रेल्वे सुरक्षा बल एवं वन मंडल भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए संत हिरदाराम स्टेशन से अजय सिंह राजपूत वल्द राजकुमार निवासी इंदौर जो प्रथम श्रेणी वातानकूलित श्यानयान (फस्ट एसी कोच) में अटेंडेंट के रूप में कार्यरत था। उसके पास से 311 नग दुर्लभ व प्रतिबंधित प्रजाति के जीवित कछुओं को जप्त कर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने वन अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

गिरफ्तार आरोपी को फारेस्ट रिमांड में लेकर पूछताछ उपरांत व वैज्ञानिक साक्ष्यों का संग्रहण कर प्रदेश के भीतर कई शहरों नीमच, मंदसौर, रतलाम, इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा, शाजापुर व प्रदेश के बाहर लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में कई दल बनाकर एक साथ छापामार कार्यवाही करते हुए जलीय वन्यजीव कछुओं के अवैध व्यापार में लिप्त एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया। आरोपित रेल के माध्यम से विगत कुछ समय से वन्यजीवों की तस्करी में लिप्त था। गिरोह के कई सदस्यों जो कि पेट दुकान संचालक आदि हैं, उनसे कार्यवाही में कुल 313 नग जीवित दुर्लभ, प्रतिबंधित एवं अनुसूची में दर्ज चार विभिन्न प्रजाति के वन्यजीव कछुओं व नग जीवित वन्यजीव को जप्त किया गया साथ ही अपराध में प्रयुक्त आरोपियों से एक मोटरसाईकिल व आठ मोबाईल फोन को भी जप्त कर मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों से आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण में शामिल आरोपी परवेज खान निवासी रतलाम व दीपक पारखे, निवासी इंदौर द्वारा हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दायर की गई थी। जिसे स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई, भोपाल द्वारा की गई सटिक विवेचना व अभियोजन पक्ष द्वारा दी गई दलीलों, दुर्लभ जलीय वन्यजीव की तस्करी के अंतराज्जीय गिरोह से संबंधित होकर अत्यंत गंभीर व संवेदनशील प्रकृति के आधार पर निरस्त कर दिया गया। प्रकरण में विवेचना जारी है।

महिला सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य हेतु एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला सम्मानित

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता एवं साइबर अपराधों के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने पर एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला का सम्मान किया गया। संगठन ने कहा कि पल्लवी शुक्ला के मार्गदर्शन में विभिन्न थानों में महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम जागरूकता और महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशील कार्यशैली को बढ़ावा मिला है। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने और जागरूकता अभियान चलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सम्मान समारोह डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. अजय वाधवानी, एडवोकेट भावना निगम, एडवोकेट आशीष त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. अशोक मेठवानी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महापौर ने दत्तयाग में दी आहुति देकर विश्व कल्याण की कामना की

जबलपुर। श्री दत्त भजन मंडळ द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित पांच दिवसीय दत्तयाग के दूसरे दिन धार्मिक अनुष्ठानों एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञशाला में मुख्य दैवत दत्तात्रय भगवान की पूजा-अर्चना के बाद मुख्य आहुति का कार्य प्रारंभ किया गया। नगर के प्रथम नागरिक महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सपत्नीक उपस्थित होकर विश्व कल्याणार्थ यज्ञ में आहुति अर्पित की। उनके साथ दिनेश कालवे, मनोज हर्डीकर, शरद आठले, संदीप पिंपळे, प्रशांत कुलकर्णी, सौ. नयना महेश येवलकर, आदित्य कानडे, अशोक जोशी, जस्टिस देवदत्त धर्माधिकारी एवं डॉ. जितेंद्र जामदार सहित अन्य यजमान भी शामिल हुए। दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए विशेष यज्ञाहुति का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर यज्ञशाला की प्रदक्षिणा की तथा प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञ का ऋत्विजत्व वेदमूर्ति कृष्णशास्त्री आर्वीकर (नागपुर), पंडित गणेश नारायण पाळंदे (वाराणसी), पंडित मनोज गुरुजी एवं पंडित निलेश दाभोळकर द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में अजय फाटक, अनिल राजूरकर, मुरलीधर पाळंदे, विश्वनाथ वैद्य, वर्षा दांडेकर, आभा रानडे, स्नेहा आठले, मनीषा भावे, चित्रा ताम्हनकर, रंजना वर्तक, अपर्णा राजूरकर एवं नितीन देसाई का सहयोग सराहनीय रहा। मंडल अध्यक्ष विजय भावे एवं सचिव शरद आठले के नेतृत्व में दत्तयाग धार्मिक विधि-विधान एवं पूर्ण पवित्रता के साथ संपन्न हो रहा है।

निधन

श्रीमति विमला सिंह- मं नं 902 समदड़िया ग्रीन सिटी जबलपुर निवासी श्रीमति विमला सिंह का 63 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे श्री पुष्पेन्द्र सिंह की माता जी एवं पार्षद मोनिका सिंह की सासु मां थीं। उनका अंतिम संस्कार ग्रीन सिटी श्मशान घाट में सम्पन्न हुआ।

श्री सियाराम गुप्ता- राजीव नगर चेरीताल निवासी पंकज, पवन और विनोद गुप्ता के पिता श्री सियाराम गुप्ता (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में किया गया।

फीडर सेन्टर चयन प्रतियोगिता 26 को

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन जिला खेल एवं युवक कल्याण विभाग के तत्वावधान में चल रहे हॉकी फीडर सेन्टर में बालक, बालिकाओं की चयन प्रतियोगिता दिनांक 26/05/26 को सुबह 7:00 बजे से रानीताल खेल परिसर हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान में आयोजित की जा रही है। जो भी बालक/ बालिका ट्रायल देने के लिए इच्छुक हैं, वह अकबर खान और सुनीता सिद्दीकी के मो.नं. पर सम्पर्क कर सकते हैं। सभी बालक, बालिका साथ में मूल पत्रों की फोटो कॉपी लायें। पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जन्मप्रमाण पत्र, अंकसूची व पिछली कक्षा की अंकसूची की फोटो कॉपी लाये आयु सीमा 10 से 18 वर्ष है।

महाकौशल शहीद स्मारक में आज सजेगी मैलोडी नाइट

जबलपुर। महाकौशल शहीद स्मारक ऑडिटोरियम 23 मई 2026, शनिवार को सुरों की अनूठी महफिल का साक्षी बनेगा, जहां "मैलोडी नाइट" के रूप में एक यादगार संगीत संध्या आयोजित की जाएगी। गीता गाता चल और जस्सी संधु के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में भोपाल और जबलपुर के चुनिंदा फनकार अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसके निगम होंगे। गीत गाता चल के संस्थापक लक्ष्मण सिंह और आयोजक एकता आर सिंह ने बताया कि संगीत प्रेमियों के लिए यह शाम सदाबहार गीतों और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से सजी होगी। कार्यक्रम में बॉलीवुड सिंगर असलम हमदुले की विशेष प्रस्तुति होगी। इस संगीत संध्या में पुराने दौर के अमर गीतों से लेकर दिल को छू लेने वाली प्रस्तुतियां सुनने को मिलेंगी। कार्यक्रम शाम 6.30 बजे शुरू होगा।

जीआरपी ने आरोपी से तीन मोबाइल जब्त किए

जबलपुर। जीआरपी थाना जबलपुर ने आरोपी मोईन अंसारी पिता स्व. सलीम अंसारी उम्र 18 साल निवासी नई बस्ती बड़ा कुआँ थाना गोहलपुर जिला जबलपुर से तीन मोबाइल कुल कीमती 49,100 रुपए के जब्त किए। बताया गया 19/05/2026 को प्लेटफार्म नं.1 इटारसी छोर रेलवे स्टेशन जबलपुर पर एक व्यक्ति पुलिस को देखकर सहम गया, पूछताछ में नाम मोईन अंसारी पिता स्व. सलीम अंसारी उम्र 18 साल निवासी नई बस्ती बड़ा कुआँ थाना गोहलपुर जिला जबलपुर का होना बताया। स्टेशन आने के बारे में पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, संदेही की पेन्ट की जेब फूली हुई दिखाई देने पर अपनी जेब में चोरी के मोबाईल बेचने के लिये रखे होना बताया। संदेही से जेब में रखे मोबाईलों को निकालकर दिखाने के लिये कहा गया तब एक ओप्पो कंपनी का मोबाईल नीले कलर का कीमत लगभग 13500 रूपये, एक मोबाईल रीयलमी कंपनी का आसमानी कलर का कीमत 14100 रूपये तथा रियलमी कम्पनी का बिना सिम का आसमानी कलर कीमत 21500 रूपये का, कुल कीमती 49100 रूपये का निकालकर पेश करने पर विधिवत मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त कर वैधानिक कार्यवाही की गई व आरोपी के विरुद्ध थाना जीआरपी जबलपुर में अप. क्र. 290/26 धारा 317(2)**bns** का कायम कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

भेड़ाघाट को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र और कटंगी को आर्थिक हब बनाने की तैयारी

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला शहरी विकास अभिकरण की जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में बरगी विधायक नीरज सिंह, सिहोरा विधायक संतोष वरकड़े, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में अमृत 2.0 योजना के तहत हरित क्षेत्र विकास, जल निकायों के कायाकल्प, पेयजल और सीवरेज कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्र सरकार की अर्बन चैलेंज फंड योजना के तहत प्रस्तावित परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई। कटंगी को लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना प्रस्तुत की गई। वहीं भेड़ाघाट को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न विकास कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15412890X RANK HAV (DVRMT) NAME SATYA NARAYAN SUKAL S/O AJEET KUMAR SUKAL OF UNIT MILITARY HOSPITAL, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 3932 6024 0458 I, have changed name of my **MOTHER**, from **MUNNI SUKAL** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **MUNNEE DEVEE** (name as per my **MOTHER, AADHAR CARD NO. 2177 6369 9705**) vide affidavit dated **21/05/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
MUNNEE DEVEE
INCORRECT NAME
MUNNI SUKAL

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15412890X RANK HAV (DVRMT) NAME SATYA NARAYAN SUKAL S/O AJEET KUMAR SUKAL OF UNIT MILITARY HOSPITAL, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 3932 6024 0458 I, have changed name of my **DAUGHTER**, from **MAHI SHUKLA** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **MAHEE SHUKLA** (name as per my **DAUGHTER, AADHAR CARD NO. 7931 6240 7579**) vide affidavit dated **21/05/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
MAHEE SHUKLA
INCORRECT NAME
MAHI SHUKLA

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15412890X RANK HAV (DVRMT) NAME SATYA NARAYAN SUKAL S/O AJEET KUMAR SUKAL OF UNIT MILITARY HOSPITAL, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 3932 6024 0458 I, have changed name of my **FATHER**, from **AJEET KUMAR SUKAL** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **AJEET KUMAR** (name as per my **FATHER, AADHAR CARD NO. 2764 0968 5913**) vide affidavit dated **21/05/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
AJEET KUMAR
INCORRECT NAME
AJEET KUMAR SUKAL

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (ग्रामीण) एवं पंजीयक लोक न्यास जबलपुर
प्रकरण कमांक 01/ बी-113(4) / 2026-27
आम इश्तहार
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में पंजीकृत लोक न्यास सीताराम सदगुरु निकुंज मंदिर उमरिया चौबे पनागर की और से आवेदक गण के द्वारा निम्नलिखित न्यासीगण का नाम न्यास पंजी मे दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है - जगदीश प्रसाद चौबे पिता स्व. गोविंद प्रसाद, कमलेश पटेल पिता वीरनलाल, राममिलन पटेल पिता भगवानदास, दीनदयाल पटेल पिता कढोरीलाल, यज्ञदत्त चौबे पिता श्री कुंवर लाल, आलोक उपाध्याय पिता नरेन्द्र उपाध्याय, ईश्वरी पटेल, दिनेश दास बैरागी पिता कौशिल्यादास बैरागी सभी निवासी ग्राम उमरिया चौबे पनागर जबलपुर, महेन्द्र तिवारी पिता स्व. कैलाश तिवारी निवासी ग्राम खिरका खेडा शहपुरा भिटोनी जबलपुर उक्त आवेदन की सुनवाई इस न्यायालय में प्रचलित है एवं आगामी पेशी दिनांक 15. 06.2026 नियत है। हितबद्ध पक्षकार नियत दिनांक को इस न्यायालय में समय 3.00 बजे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकता है।
जारी दिनांक 27.04.2026
पंजीयक लोक न्यास एवं
अनुविभागीय अधिकारी, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/33
दिनांकः- 19/05/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जय माँ एसोसिएटस द्वारा पार्टनर श्री शमन कुमार आसवानी पिता स्व. श्री नामोमल आसवानी एवं श्री अशोक कुमार पारवानी पिता श्री किशन चंद पारवानी ने मकान नं. 2657 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 1268 व.फु., भूतल 660 व.फु., प्रथमतल 440 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 1 गढ़ा, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./01/गढ़ा2026/एम/63(2025/2026)
दिनांकः- 15/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री अरविन्द कुमार तिवारी पिता श्री गया प्रसाद तिवारी (2)श्रीमती अर्चना तिवारी पति श्री अरविन्द तिवारी ने भवन/भूखंड/खसरा क्र. प्लाट नं. 61 पिन क्र. 1003812050 वार्ड क्र. 71 वार्ड वीर दुर्गादास के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ट अनुसार) श्री सुधांशु तिवारी पिता श्री आनंद तिवारी के स्थान पर क्षेत्रफल प्लाट 786 भूतल 786RCC प्रथम तल786RCC विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है।जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नही होगी।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.01 गढ़ा
नगर निगम, जबलपुर

खबर संक्षेप

एक वर्ष से फरार शातिर बदमाश को दबोचा

बड़वारा। एक साल से फरार चल रहे शातिर बदमाश को बड़वारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार फरियादी जगदेव सिंह सोलंकी 81 वर्ष निवासी ग्राम बांसा थाना चंदिया जिला उमरिया, हाल निवासी ग्राम परसेल ने 14 मई को थाना बड़वारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि जमीनी विवाद को लेकर आरोपी अमोल सिंह, गुलाब सिंह, सूरज सिंह, टिंकू सिंह, चिंटू सिंह एवं पुष्पेन्द्र ने 13 मई 2025 को तेजभान सिंह एवं जयभान सिंह सोलंकी निवासी ग्राम परसेल के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाई थी। प्रकरण में थाना बड़वारा पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद प्रकरण में धारा 117(2) एवं 109(1) बीएनएस की वृद्धि की गई। मामले का मुख्य आरोपी गुलाब सिंह पिता अमोल सिंह निवासी ग्राम परसेल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। आखिरकार 21 मई 2026 को बड़वारा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि के.के. पटेल, सउनि महेश प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक नितेश डोंगरे एवं प्रधान आरक्षक अरुण तिवारी की भूमिका रही।

युवक पर चाकू से हमला, लोगों में दहशत

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मंडी के पास दिनदहाड़े चाकूबाजी की घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार प्रशांत सोनी पिता विष्णू सोनी 40 वर्ष पर कुछ लोगों ने धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमले में बुच्चड़, उसकी दो बहनें, भांजा तथा दो अन्य साथी शामिल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि किसी पुराने विवाद या आपसी कहासुनी के बाद आरोपी पक्ष ने अचानक हमला कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल प्रशांत सोनी को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

8 घुमंतू मवेशी भेजे गए अमीरगंज गौशाला

कटनी। शहर में घुमंतू एवं सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात बाधा एवं दुर्घटनाओं की संभावनाओं को देखते हुए नगर निगम प्रशासन की हांका टीम द्वारा अभियान चलाकर कार्यवाही का सिलसिला अनवरत जारी है। अभियान के तहत कार्यालय कलेक्ट्रेट, बरगवां सहित अन्य प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कार्रवाई करते हुए 8 घुमंतू मवेशियों को पकड़कर अमीरगंज गौशाला भेजा गया।

ट्रांसफार्मर खराब होने से सप्लाई बंद, शिकायत के बाद भी जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

संकट है विकट: बरौंदा के ग्रामीण एक किमी दूर से साइकिलों में ला रहे पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। उमरियापान के समीप बरौदा गांव में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पिछले 10 दिनों से जल सप्लाई पूरी तरह बंद पड़ी हुई है। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि लोग करीब एक किलोमीटर दूर से साइकिलों और बर्तनों के सहारे पानी लाने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि समस्या की जानकारी विधुत विभाग,ग्राम पंचायत और जिम्मेदार अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर सुधारने या बदलने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बरौदा के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगा ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण पानी सप्लाई व्यवस्था ठप हो गई है। घरों के नलों में पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को उठानी पड़ रही है। सुबह होते ही ग्रामीण पानी की व्यवस्था में जुट जाते हैं। पानी सप्लाई बंद होने के कारण ग्रामीणों को हैंडपंपों और निजी नलकूपों का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं कई ग्रामीण एक किलोमीटर दूर से साइकिलों में बर्तन लादकर पीने का पानी ला रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के दिनों में पानी की आवश्यकता बढ़ जाती है, लेकिन इस भीषण गर्मी में जल संकट ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

अंधेरे में रातभर जागने मजबूरी

बरौदा में विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने से पूरे गांव की बिजली व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। कई दिनों से बिजली सप्लाई बंद रहने के कारण गांव में रात के समय अंधेरा पसरा रहता है। भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद से गांव में न तो पंखे चल पा रहे हैं और न ही घरों में रोशनी हो पा रही है। रात के समय मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। इसके साथ ही अंधेरे के कारण सांप-बिच्छू सहित अन्य जीव-जंतुओं का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं होने से लोग रातभर जागने को मजबूर हैं। पर्याप्त नींद नहीं मिलने से दिनभर थकान और परेशानी बनी रहती है।

इनका कहना है

इस संबंध में कनिष्ठ अभियंता उमरियापान मजहर अली का कहना है कि बरौदा में ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत ग्रामीणों से मिली थी। तीन दिन पहले ही वहाँ ट्रांसफार्मर बदला गया है। अगर फिर से ट्रांसफार्मर खराब हो गया है तो जांच कराकर दूसरे ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की जाएगी।

अलग अलग हादसे में दो युवकों की मौत, 2 घायल

बड़वारा एवं बरही थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, ट्रक को किया जब्त, जांच में जुटी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अलग अलग स्थानों में हुये सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गये। जानकारी के अनुसार बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत मझगवां टोल के पास हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि अंशिक सुहाने 21 वर्ष निवासी पन्ना मोड़ को कार क्रमांक एमपी 21 सीए 9299 के चालक ने तेज रफ्तार एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी बाद में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना की जा रही है तथा वाहन चालक की भूमिका की जांच की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया।

इसी तरह ठरका ग्राम में बीती शाम ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार उसके दो अन्य साथी गंभीर घायल हैं। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बरही थाना क्षेत्र के ग्राम नादमन निवासी तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। जब वे ठरका ग्राम के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर काफी दूर जा गिरे।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची डायल-112 और निवार चौकी पुलिस ने राहगीरों की मदद से तीनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद असीम कुमार गोटिया (30) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में घायल मुराली गोटिया और गुड्डू गोटिया की हालत गंभीर बनी हुई है, जिनका उपचार जारी है। हादसे को अंजाम देने के बाद चालक ट्रक लेकर भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक को घेराबंदी कर जब्त कर लिया है। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनरल परेड एवं शस्त्र संचालन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया प्रोत्साहित, पुरस्कार की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस बल की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़, अनुशासित एवं प्रभावशाली बनाने, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की फिटनेस तथा मनोबल को बढ़ाने एवं आगामी कानून व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को रक्षित केन्द्र कटनी में जनरल परेड एवं शस्त्र संचालन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में किया गया। जनरल परेड की सलामी पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया की उपस्थिति में जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारी, शहरी थाना प्रभारी, सूबेदार सहित विभिन्न थानों, यातायात शाखा एवं रक्षित केन्द्र के लगभग 105 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वेशभूषा, अनुशासन, कदमताल एवं स्कॉट ड्रिल का अवलोकन किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित थाना प्रभारियों द्वारा स्कॉट ड्रिल एवं कदमताल का अभ्यास किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया, वहीं कमियों वाले कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर भविष्य में बेहतर प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया।

23 सेकंड में पिस्टल खोल किया असेंबल

परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 30 सेकंड के भीतर शस्त्र खोलने एवं पुनः असेंबल करने का टॉस्क दिया गया तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने वाले कर्मचारियों हेतु 5000 रूपये नगद पुरस्कार की घोषणा की गई। टॉस्क के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने स्वयं 9 एमएम पिस्टल को मात्र 23 सेकंड में खोलकर विधिवत असेंबल कर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित किया, जिससे सभी में उत्साह एवं उत्सुकता का वातावरण बना रहा।

संगठन की विचारधारा को गांव गांव तक पहुंचाने आव्हान

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीराम पटेल के कटनी आगमन पर भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक बैठक का आयोजन पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के नेतृत्व में किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता, पिछड़ा वर्ग समाज के बीच जनसंपर्क अभियान, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को गांव-गांव एवं घर-घर तक पहुंचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करे। श्री विश्वकर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर जनसंपर्क को संगठन की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत एवं एकजुटता से ही संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। उनके संबोधन के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने संगठन हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

भगवान श्री कृष्ण-रुक्मणि का हुआ विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलौड़ी

सिलौंडी के समीपवर्ती ग्राम झिरमीला में चल रही भागवत कथा में कथावाचक जी ने आज भगवान श्री कृष्ण और रूक्मणी विवाह की कथा सुनाई । कथावाचक पंडित रमाकांत पौराणिक जी ने बताया नारद जी और अन्य लोगों के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, गुण और वीरता की प्रशंसा सुनकर रुक्मिणी ने मन ही मन उन्हें अपना पति मान लिया था। वे कृष्ण के बिना किसी और से विवाह नहीं करना चाहती थीं।

रुक्मिणी के भाई अपनी बहन का विवाह अपने मित्र चेदिराज शिशुपाल से कराना चाहते थे। पिता भीष्मक भी रुक्मी के कहने पर शिशुपाल से विवाह के लिए मान गए। विवाह की तिथि तय हो गई और तैयारियां जोरों पर थीं।विवाह से पहले रुक्मिणी ने एक ब्राह्मण दूत के माध्यम से श्रीकृष्ण को पत्र भेजा। पत्र में लिखाः ₹हे नंद-नंदन! पति रूप में मैंने आपका ही वरण किया है। आपको छोड़कर किसी अन्य के साथ विवाह नहीं कर सकती। मेरा विवाह मेरी इच्छा के विरुद्ध शिशुपाल से किया जा रहा है₹। उन्होंने बताया कि कुल की रीति अनुसार विवाह से पहले वे देवी दर्शन के लिए नगर के बाहर मंदिर जाएंगी। रुक्मिणी ने आग्रह किया कि श्रीकृष्ण वहीं आकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार करें, नहीं तो वे प्राण त्याग देंगी। श्रीकृष्ण द्वारा हरणपत्र पढ़कर श्रीकृष्ण समझ गए कि रुक्मिणी संकट में हैं। वे अपने भाई बलराम के साथ तुरंत विदर्भ पहुंचे। जैसे ही शिशुपाल बारात लेकर द्वार पर पहुंचा, उससे पहले ही श्रीकृष्ण मंदिर में पूजा कर रहीं रुक्मिणी का हरण कर ले गए। रुक्मिणी के हरण की खबर सुनकर पिता, भाई रुक्मी, शिशुपाल और जरासंध अपनी सेना लेकर श्रीकृष्ण के पीछे हो लिए। भयंकर युद्ध हुआ जिसमें श्रीकृष्ण विजयी हुए।श्रीकृष्ण रुक्मिणी को लेकर द्वारिका आ गए और वहां विधिवत भव्य तरीके से दोनों का विवाह संपन्न हुआ। रुक्मणी को जब अहसास हुआ कि श्रीकृष्ण स्वयं नारायण हैं और रुक्मिणी लक्ष्मीजी हैं, तो उन्होंने भी विवाह कराया।रामनारायण विश्वकर्मा अश्वनी कुमार विश्वकर्माआशा बाई विश्वकर्मा सरस्वती बाई विश्वकर्मा माताजी एवं विश्वकर्मा परिवार एवं गोविंद काछी सहित ग्राम वासी रहे ।

अलग अलग स्थानों में युवक एवं महिला के साथ की गई मारपीट

कटनी। एनकेजे थाना अंतर्गत ग्राम केवलारी में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। जानकारी के अनुसार धीरज विश्वकर्मा 24 वर्ष सुबह करीब 8:30 बजे खेत के पास से गुजर रहा था। तभी गांव के ही कुछ युवकों ने उसे घेर लिया। धीरज विश्वकर्मा ने बताया कि शिवम पटेल, सागर पटेल, दीपक पटेल और भुरा पटेल ने एक राय होकर पहले तो गालियां दीं और फिर लाठी-डंडों से हमला किया। इस हमले में युवक को गंभीर चोटें आई हैं। एनकेजे पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

इसी तरह माधवनगर थाना क्षेत्र के अमीरगंज चांदमारी इलाके में एक महिला पर हमले से सनसनी फैल गई। ग्राम भकरवारा (बहोरीबंद) की रहने वाली सुनीता रजक 40 वर्ष जब चांदमारी में प्रार्थिया के मकान के पास थीं, तभी दो अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे। इससे पहले कि महिला कुछ समझ पाती, आरोपियों ने किसी धारदार और नुकीली वस्तु से उन पर हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से भाग निकले। दिनदहाड़े हुए इस हमले से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की पतारसी शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गर्ग चौराहा से कारगिल चौक मार्ग पर राहगीरी डे का आयोजन कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर पालिक निगम द्वारा शहरवासियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और सक्रिय जीवन शैली के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से रविवार 24 मई को 'राहगीरी डे' कैंपेन 2026 के सातवें आयोजन का भव्य आयोजन गर्ग चौराहा से कारगिल चौक मार्ग पर किया जाएगा। यह आयोजन प्रातः 7 बजे से 8:30 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर निर्माण का संदेश रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से दिया जाएगा।

नगर निगम द्वारा आयोजित यह अभिनव अभियान केवल मनोरंजन या खेल गतिविधियों तक सीमित न होकर नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने का माध्यम बनता जा रहा है। कार्यक्रम में फोर बिन प्रेजेंटेशन, प्लास्टिक प्रतिबंध जागरूकता, नुक्कड़ नाटक एवं हस्ताक्षर अभियान जैसी गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता का व्यवहारिक संदेश दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर योग, साइकिल रेस, जुंबा, स्केटिंग, रस्सी खेल, चम्मच-नींबू दौड़, म्यूजिकल चेयर, केरम, शतरंज, घुड़सवारी तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से नागरिकों, विशेषकर युवाओं और बच्चों को फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। रंगोली, म्यूजिक एवं डांस परफॉर्मेंस तथा मैजिक शो जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजन को उत्साहपूर्ण स्वरूप प्रदान करेंगे।

नगर निगम प्रशासन का मानना है कि ऐसे आयोजन सामाजिक सहभागिता को बढ़ाने के साथ-साथ नागरिकों में अपने शहर के प्रति जिम्मेदारी और अपनत्व की भावना भी विकसित करते हैं। 'राहगीरी डे' अब शहर में स्वच्छता, स्वास्थ्य और सकारात्मक सामाजिक संदेश का प्रभावी जन आंदोलन बनता जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को मिली नई दिशा

जल संरचनाओं के पुनर्जीवन से भू-जल संवर्धन की मजबूत पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत नगर पालिक निगम द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के तहत नगर की नदियों, घाटों, सार्वजनिक कुओं एवं अन्य जल संरचनाओं की साफ-सफाई, पुनर्जीवन तथा नए जल संरक्षण ढांचे तैयार करने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। निगम प्रशासन के इन प्रयासों से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ भू-जल स्तर में सुधार की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

प्रयागराज से आई ट्रेश क्लीनर मशीन एवं पोकलेन मशीन की सहायता से कटाएघाट, मसुरहा घाट एवं गाटरघाट क्षेत्र में नदी सफाई का कार्य तीव्र गति से संचालित किया गया, जिसमें अधिकांश हिस्सों की सफाई पूर्ण कर ली गई है। शेष भागों में भी कार्य तेजी से जारी है। नदी एवं घाटों से जलकुंभी, गाद एवं अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारू बनाने के साथ प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है।

कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल को संरक्षित कर भू-जल स्तर में वृद्धि करना तथा भविष्य में जल संकट की स्थिति से प्रभावी रूप से निपटना है। उन्होंने बताया कि नदी, तालाब एवं कुओं की साफ-सफाई, सोकपिट निर्माण तथा पेयजल पाइपलाइनों की मरम्मत जैसे कार्य जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इन प्रयासों से आने वाले समय में ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल समस्या में उल्लेखनीय राहत मिलेगी।

80 प्रतिशत से अधिक सोकपिट निर्माण पूर्ण

नगर निगम द्वारा जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु नगर के विभिन्न वार्डों में हैंडपंपों के समीप लगभग 100 सोकपिट निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके अंतर्गत अब तक 83 से अधिक सोकपिटों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इन सोकपिटों के माध्यम से हैंडपंपों से व्यर्थ बहने वाले पानी का संचय कर उसे पुनः भू-जल संवर्धन के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

48 कुओं का जीर्णोद्धार

अभियान के अंतर्गत नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 48 सार्वजनिक कुओं की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है। इससे वर्षा ऋतु में जल संचयन क्षमता बढ़ेगी।

नगर निगम प्रशासन एवं समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर 25 प्याऊ संचालित किए जा रहे हैं। इन प्याऊ के माध्यम से नागरिकों एवं राहगीरों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ जल संरक्षण एवं जल के सदुपयोग के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।निगम प्रशासन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी निरंतर किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत अब तक 33 पानी की टंकियों, ओवरहेड टैंकों एवं संपवेल की सफाई कराई जा चुकी है। साथ ही 243 ट्यूबवेलों का सुधार तथा लगभग 1,649 पेयजल लीकेजों का निराकरण कर जल अपव्यय रोकने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की गई है।

15 अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुल्डोजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर में सुगम आवागमन व्यवस्था, प्रभावी जल निकासी एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अनधिकृत अतिक्रमणों के विरुद्ध लगातार अभियानात्मक कार्यवाही की जा रही है। निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा मदन मोहन चौबे वार्ड अंतर्गत सागर पुलिया से लक्ष्मी पान भंडार तक मार्ग के दाहिने ओर सार्वजनिक भूमि एवं नाले-नालियों पर किए गए लगभग 15 से अधिक अवैध स्थायी निर्माणों को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया।

अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि निगम प्रशासन की इस कार्यवाही से क्षेत्र में आवागमन व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित हो सकेगी। विशेष रूप से कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन एवं कटनी साउथ स्टेशन की ओर आवागमन करने वाले यात्रियों तथा आम नागरिकों को मार्ग में बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। लंबे समय से सार्वजनिक मार्ग पर किए गए अवैध निर्माणों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था, जिससे नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता था।

इसके साथ ही सार्वजनिक नाले - नालियों से अतिक्रमण हटाने के कारण सफाई व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी तथा जल निकासी सुचारू रूप से हो सकेगी। आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए यह कार्यवाही जलभराव की समस्या के प्रभावी निराकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। निगम प्रशासन का मानना है कि सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होती है, निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों, नालों एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें तथा शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग प्रदान करें।

60 दिन में नौकरी खोजें वरना अमेरिका छोड़ें, एच-1बी वीजा धारकों को अल्टीमेटम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनियों मेटा, अमेजन और ओरेकल में हाल ही में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी ने हजारों भारतीय टेक पेशेवरों को मुश्किल में डाल दिया है। नौकरी जाने के बाद अब एच-1बी वीज़ा धारक भारतीयों के सामने केवल 60 दिनों का समय बचा है। इसी दौरान उन्हें नई नौकरी खोजनी होगी वरना उन्हें अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है।

- अमेरिका में नौकरी जाने के बाद 60 दिनों का 'ग्रेस पीरियड' मिलता है

दरअसल, अमेरिकी इमिग्रेशन नियमों के अनुसार, एच-1बी वीजा पर काम कर रहे किसी विदेशी कर्मचारी की नौकरी जाने के बाद उसे 60 दिनों का "ग्रेस पीरियड" मिलता है। इस दौरान अगर उसे कोई नया नियोक्ता नहीं मिलता जो उसके वीजा को स्पॉन्सर करे, तो उसे अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है।

बड़े पैमाने पर हुई छंटनी ने हजारों भारतीय टेक पेशेवरों को मुश्किल में डाला

विकल्प की तलाश

इमिग्रेशन विशेषज्ञों का कहना है कि अब वीजा मंजूरी मिलना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। ऐसे में अब नए विकल्पों की तलाश हो रही है। कई भारतीय अब कनाडा और यूरोप को एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। इसके अलावा, कुछ लोग एफ-1 (छात्र वीजा) या ओ-1 (असाधारण क्षमता वाले व्यक्तियों के लिए वीजा) जैसे अन्य मार्गों पर भी विचार कर रहे हैं। मेटा जैसी कंपनियां अब अपनी संरचना को 'फ्लैट' करने और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर ध्यान केंद्रित करने के लिए छंटनी का सहारा ले रही हैं, जिससे आने वाले दिनों में टेक सेक्टर में काम करने वाले भारतीयों की चिंताएं और बढ़ सकती हैं।

भारतीय आईटी पेशेवरों पर सबसे ज्यादा असर : हाल के महीनों में बी-1/बी-2 स्टेटस परिवर्तन से जुड़े मामलों में अतिरिक्त दस्तावेजों की मांग और अस्वीकृति नोटिस तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि उनके करियर में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। एच-1बी वीजा कार्यक्रम में भारतीयों की भागीदारी सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में मंजूर की गई 4,06,348 एच-1बी याचिकाओं में से 2,83,772 केवल भारतीयों की थीं। 2026 में अब तक 144 टेक कंपनियों में 1,10,000 से अधिक कर्मचारी अपनी नौकरी खो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या भारतीयों की है।

मुश्किलें और बढ़ती चुनौतियां

कई भारतीय पिछले एक दशक से अमेरिका में रह रहे हैं और ग्रीन कार्ड के लंबे इंतजार में फंसे हैं। उनके बच्चे वहां पैदा हुए हैं और उनके ऊपर होम लोन जैसी बड़ी वित्तीय जिम्मेदारियां हैं। समय बढ़ाने के लिए कई कर्मचारी अस्थायी रूप से बी-2 (विजिटर) वीजा में स्विच करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब प्रशासन इसमें भी अधिक कागजी कार्रवाई और 'सबूतों की मांग' कर रहा है।

भारतीय परिवारों के लिए तनावपूर्ण स्थिति

अब इस संकट की वजह से वर्षों से अमेरिका में बसे कई भारतीय परिवारों के लिए स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई है। उनके सामने अब नौकरी ढूंढने से लेकर अपना घर बचाने, बच्चों की शिक्षा और अमेरिका में रहने के अधिकार पर भी खतरा मंडरा रहा है। कई भारतीयों के लिए, जिन्होंने वहाँ अपनी जिंदगी बनाने में सालों बिताए हैं, यह स्थिति बहुत भारी टेंशन लेकर आया है।

अतिरिक्त कागजात की मांग

इस बीच, कई छंटनीशुदा कर्मचारी अब कथित तौर पर अस्थायी रूप से बी-2 विजिटर वीजा पर जाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उन्हें अमेरिका में छह महीने तक रहने की अनुमति मिल सकती है। लेकिन इमिग्रेशन विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में मौजूदा इमिग्रेशन माहौल को देखते हुए, यह रास्ता भी अब और ज़्यादा मुश्किल होता जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमिग्रेशन अधिकारी अब बी-2 विजिटर वीजा की चाहत रखने वालों से अतिरिक्त कागज़ात की माँग कर रहे हैं और छंटनीशुदा एच-1बी कर्मचारियों के वीजा आवेदन ज़्यादा संख्या में खारिज कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

आरबीआई देगा रिकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपए का लाभांश

मुंबई। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपये का लाभांश देने की घोषणा की है। यह लाभांश वैश्विक चुनौतियों के बीच सरकार को वित्तीय राहत प्रदान करेगा। 2024-25 में यह लाभांश 2.69 लाख करोड़ रुपये था जो 2023-24 के मुकाबले 27.4 प्रतिशत अधिक था।

पेज इंडस्ट्रीज का लाभ 9% बढ़कर 178.73 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जॉकी व स्पीडो की लाइसेंसधारी पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 178.73 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 164 करोड़ रुपये रहा था। परिचालन आय 14 प्रतिशत बढ़कर 1,252.6 करोड़ रुपये हो गई।

रिलायंस पावर को 494 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली। रिलायंस पावर ने जनवरी-मार्च तिमाही में 494 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने पिछले वर्ष की समान तिमाही में 125.57 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय घटकर 1,946.33 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,065.64 करोड़ रुपये थी।

इरकॉन के लाभ में 9.5 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। विनिर्माण क्षेत्र की कंपनी इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 9.5 प्रतिशत घटकर 191.46 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 211.78 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

विदेशी मुद्रा भंडार में आठ अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 मई को समाप्त सप्ताह में 8.09 अरब डॉलर घटकर 688.89 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 6.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

बढ़ी कीमतें और आयात शुल्क में वृद्धि से घट सकती है बिक्री

सोने के आभूषणों की बिक्री 2026-27 में 13-15% तक घटने का अनुमान: क्रिसिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सोने की बढ़ी कीमतों और आयात शुल्क में हाल की वृद्धि से देश के संगठित स्वर्ण आभूषण खुदरा क्षेत्र की बिक्री मात्रा के लिहाज से चालू वित्त वर्ष में 13-15 प्रतिशत तक घट सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया।

- पिछले वित्त वर्ष में भी आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी
- इस क्षेत्र का राजस्व 20-25 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना
- 720 टन सोने के आयात से 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बाहर गई

रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में भी सोने के बने आभूषणों की बिक्री में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में सोने की ऊंची कीमतों की वजह से प्रति इकाई अधिक मूल्य हासिल होने से इस क्षेत्र का राजस्व 20-25 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है।

नकद प्रवाह से कंपनियों की ऋण स्थिति स्थिर रहेगी

रिपोर्ट के मुताबिक, ऊंची कीमतों के कारण अधिक माल रखने की लागत और बैंक ऋण पर खर्च बढ़ेगा, लेकिन बेहतर राजस्व और नकद प्रवाह से कंपनियों की ऋण स्थिति स्थिर बनी रहेगी। 2025-26 में भारत ने 720 टन सोने का आयात किया, जिससे 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बाहर गई।

व्यापार घाटा कम करने बढ़ाई सीमा शुल्क

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच अपना व्यापार घाटा कम करने और रुपये को समर्थन देने के उद्देश्य से हाल ही में सोने पर सीमा शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। पिछले वित्त वर्ष में वैश्विक अनिश्चितताओं और रुपये में कमजोरी के कारण घरेलू सोने की कीमतों में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे सोना खरीद पाने की क्षमता पर असर पड़ा है।

सीमा शुल्क में वृद्धि एक बड़ी बाधा : *क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक हिमांक शर्मा ने कहा, "सीमा शुल्क में वृद्धि सोने की मांग के लिए एक बड़ी बाधा साबित होगी और चालू वित्त वर्ष में आभूषण क्षेत्र की बिक्री मात्रा 13-15 प्रतिशत घटकर 620-640 टन रह सकती है जो एक दशक का निचला स्तर होगा।"*

कम कैरेट के आभूषणों की ओर रुख : *ऐसी स्थिति में उपभोक्ता हल्के वजन और कम कैरेट (16-22 कैरेट) के आभूषणों तथा जड़ाई गहनों की ओर रुख कर रहे हैं। पिछले दो वित्त वर्षों में सोने में निवेश की मांग बढ़ी है। इसमें सोने की छड़ (बार) और सिक्कों की बिक्री 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी जबकि आभूषणों की बिक्री 25 प्रतिशत घट गई।*

आयात शुल्क में और बदलाव की संभावना

रेटिंग एजेंसी के सह निदेशक गौरव अरोड़ा ने कहा कि आभूषणों के संगठित खुदरा विक्रेता फ्रेंचाइजी मॉडल के जरिए सावधानीपूर्वक विस्तार कर रहे हैं, जिससे पूंजी दक्षता बढ़ रही है और छोटे शहरों तक उनकी पहुंच बन रही है। हालांकि, रिपोर्ट कहती है कि सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव, आयात शुल्क में आगे और बदलाव की संभावना और उपभोक्ता मांग में परिवर्तन जैसे जोखिमों पर नजर रखना जरूरी होगा।

सोना 600 रुपए फिसला चांदी स्थिर

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 600 रुपये टूटकर 1.64 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अमेरिका-ईरान बातचीत में शुरुआती प्रगति के कारण कीमती धातुओं की खरीद कम हुई है। स्थानीय बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 600 रुपये गिरकर 1,64,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रही। हालांकि, सराफा बाजार में चांदी की कीमत 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

ग्रीनलाइन मोबिलिटी एलएनजी ट्रकों का भारत में बेड़ा बढ़ाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- कंपनी आगामी तीन वर्षों में 1500 करोड़ रुपए निवेश करेगी
- एलएनजी ट्रकों का बेड़ा बढ़ाकर 10,000 करने का

एस्सार समूह की कंपनी ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले तीन वर्षों में 1,500 करोड़ रुपये का निवेश कर एलएनजी से चलने वाले ट्रकों का बेड़ा बढ़ाकर 10,000 करने और एलएनजी ईंधन स्टेशनों की संख्या 50 तक ले जाने की योजना बना रही है। भारत में डीजल से चलने वाले ट्रकों के बेड़े के सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्से को ही एलएनजी में बदल देने से ईंधन आयात में जो कमी आएगी, उसके जरिए हर साल पांच-छह अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है। ग्रीनलाइन मोबिलिटी के सीईओ मधुर तनेजा ने कहा कि लंबी दूरी के ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों के लिए एलएनजी ट्रक ईंधन लागत में करीब 20 प्रतिशत तक कमी ला सकते हैं, क्योंकि इन ट्रकों की प्रति किलोमीटर ईंधन खपत कम होती है। तनेजा ने कहा कि एलएनजी ट्रक पारंपरिक डीजल ट्रकों की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में करीब 25 प्रतिशत, नाइट्रोजन ऑक्साइड में 85 प्रतिशत और हवा में मौजूद बहुत छोटे कणों (पीएम) में 95 प्रतिशत तक कमी लाते हैं।

ट्रक एक बार में 1200 किलोमीटर तक चलेगा

भारत में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 9.47 करोड़ टन डीजल की खपत हुई, जो कुल पेट्रोलियम मांग का लगभग 39 प्रतिशत है। तनेजा ने कहा कि एलएनजी ट्रक एक बार में 1,200 किलोमीटर तक चल सकते हैं और एक साथ दो टैंक लगे होने पर यह दूरी 2,400 किलोमीटर तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि इन ट्रकों की वहन क्षमता भी अधिक है।

बैंकों में खरीदारी से शेयर बाजार में तेजी लौटी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

- सेंसेक्स 232 और निफ्टी 65 अंक चढ़ा
- अमेरिका-ईरान में शांति वार्ता की दिशा में प्रगति से धारणा बदली

प्रमुख बैंकों के शेयरों में लिवाली और वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 232 अंक की तेजी में रहा जबकि निफ्टी 65 अंक चढ़ गया। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की दिशा में प्रगति की उम्मीदों से निवेश धारणा को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 231.99 अंक बढ़कर 75,415.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में एक समय 627.61 अंक तक की तेजी दर्ज की गई थी। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 64.60 अंक बढ़कर 23,719.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट लिमिटेड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर प्रमुख रूप से बढ़त में रहे।

फुजियामा पावर करेगी 1.2 गीगावाट का सौर सेल संयंत्र स्थापित

नई दिल्ली। फुजियामा पावर सिस्टमस मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट का टॉपकॉन सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी वर्तमान में उत्तर प्रदेश के दादरी संयंत्र में एक गीगावाट की मोनो पीईआरसी सौर सेल विनिर्माण सुविधा संचालित करती है। फुजियामा पावर सिस्टम्स ने शुक्रवार को बयान में कहा कि रतलाम में 1.2 गीगावाट टॉपकॉन क्षमता जुड़ने के साथ कंपनी सौर मूल्य श्रृंखला में अपनी एकीकृत विनिर्माण क्षमताओं को काफी मजबूत करेगी। कंपनी ने कहा कि रतलाम टॉपकॉन संयंत्र का वाणिज्यिक संचालन वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही से शुरू होने की उम्मीद है।

वेदांता की तलवंडी साबो पावर पर 127 करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड को उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड को करीब 127 करोड़ रुपये तथा उस पर लागू विलंब भुगतान अधिभार चुकाने का निर्देश दिया गया है। उच्चतम न्यायालय ने अपीलीय विद्युत अधिकरण (एप्टेल) के फैसले को निरस्त कर दिया और पंजाब राज्य विद्युत नियामक आयोग (पीएसईआरसी) के आदेश को बहाल कर दिया है। इस आदेश के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने जनवरी 2017 के लिए ग्रिड कोड के अनुसार उपलब्धता की गलत घोषणा के मामले में तलवंडी साबो पावर लिमिटेड पर लगाए गए जुर्माने को लागू विलंब भुगतान अधिभार सहित बरकरार रखा है।

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा, यांत्रिक शाखा
निविदा सूचना क्र JBP-M-Tender-12-2026 Date 19-05-2026
निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति पक्ष में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट)/नकज, आर. ओ. एच.डिपो नकज, पश्चिम मध्य रेल, के द्वारा आमंत्रित की जाती है :- निविदा सूचना क्रमांक दिनांक : JBP-M-Tender-12-2026, Dated 19/05/2026, कार्य का नाम लोकेशन सहित : कै, वै. डिपो एनकेजे में सिक लाइन मरम्मत गतिविधियों की आउटसोर्सिंग, कार्य का विज्ञापित मूल्य रुपये : 59320419.33, बयाना राशी रुपये : 1186400.00, समापन की अवधि : 24 माह, निविदा क्लोजिंग तिथि एवं समय : 10.06.2026, 15:00 Hrs. उपरोक्त ई.निविदा की पूर्ण जानकारी वेब साईट https:.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
हस्ता.
कृते मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सरकार की सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में हिस्सेदारी बेचने की तैयारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- पेशकश को संस्थागत निवेशकों से दो गुना बोलियां मिलीं
- सरकार बैंक में आठ फीसदी

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सरकार की चार प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए बिक्री पेशकश को संस्थागत निवेशकों से शुक्रवार को 2,380 करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां मिलीं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सरकार आठ प्रतिशत तक हिस्सेदारी 31 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेच रही है।

यदि सभी हिस्सेदारी बिक जाती है तो सरकार को इससे 2,456 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को कारोबार बंद होने तक 76.86 करोड़ से अधिक शेयर के लिए बोली लगाई, जो कि पेश किए गए 32.58 करोड़ शेयर का करीब 2.36 गुना है। यानी 31.01 रुपये प्रति शेयर के निर्धारित मूल्य पर गैर-खुदरा निवेशकों ने 2,380 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बोलियां लगाईं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की इस बिक्री पेशकश (ओएफएस) में अतिरिक्त चार प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए ग्रीनशू यानी अधिक बोली आने पर उसे रखने का विकल्प शामिल है। खुदरा निवेशक इस शेयर बिक्री में सोमवार को बोली लगा सकेंगे। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार की पहली बिक्री पेशकश है। यह 31 रुपये प्रति शेयर का न्यूनतम मूल्य बृहस्पतिवार को बीएसई पर शेयर के 33.91 रुपये के बंद भाव से 8.58 प्रतिशत कम है।

विनिवेश से 80,000 करोड़ रुपए जुटाना है

सरकार वित्त वर्ष 2025-26 में बिक्री पेशकश के जरिये बैंक ऑफ महाराष्ट्र से 2,624 करोड़ रुपये और इंडियन ओवरसीज बैंक से 1,419 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। चालू वित्त वर्ष में सरकार का लक्ष्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश एवं परिसंपत्ति मुद्रीकरण के माध्यम से 80,000 करोड़ रुपये जुटाना है जो वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमानों में निर्धारित 33,837 करोड़ रुपये से अधिक है।

होंडा कार्स की 2030 तक 10 से अधिक मॉडल लाने की योजना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाहन बनाने वाली जापान की कंपनी होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और सीईओ ताकाशी नाकाजिमा कहा कि कंपनी वर्ष 2030 तक भारत में 10 से अधिक नए मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और कॉम्पैक्ट एसयूवी शामिल होंगे। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को भारत में अपनी लोकप्रिय हाइब्रिड सेडान कार 'सिटी' का नया संस्करण पेश किया। इसकी शुरुआती कीमत 11.99 लाख रुपये है। साथ ही कंपनी ने भारत में अपनी प्रीमियम एसयूवी 'जेडआर-वी' भी पेश किया। नकाजिमा ने संवाददाताओं से कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में अपना पहला पूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) भारत में पेश करेगी। उन्होंने कहा, /"हाल ही में हमने घोषणा की है कि हम दो श्रेणियों (चार मीटर से कम और मध्यम आकार के) में नए मॉडल पेश करेंगे। पिछली बार जापान में हमने 10 मॉडल की बात कही थी, लेकिन अब यह संख्या 10 से अधिक हो गई है।"

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्पादन वनमण्डल, मण्डला
Ph./Fax No. 07642-252449 E-mail- dfowpmand@mp.gov.in
प.क्र./भण्डार/2026/ **निविदा सूचना** मण्डला, दिनांक/.....
अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय द्वारा कार्यालयीन लेखन सामग्री जैसे-पेन, पेपर A4 /FS रीम, फाईल कवर, बोर्ड बंदी, कैलकुलेटर, मार्कर पेन, लिफाफा आदि हेतु ई-टेण्डर प्रक्रिया के तहत निविदा आयोजित है। इच्छुक निविदाकार ऑनलाईन माध्यम से बेवसाईट के द्वारा निविदा प्रस्तुत कर सकते है । निविदा फार्म केवल ऑनलाईन माध्यम से बेवसाईट www.mptenders.gov.in के द्वारा ही दिनांक 25.05.2026 समय सुबह 10.00 बजे से स्वीकार किये जायेगें। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 06.06.2026 समय शाम 06.00 बजे तक होगी तथा दिनांक 09.06.2026 समय दोपहर 12.00 बजे निविदा खोलने की कार्यवाही की जावेगी । उक्त निविदा की जानकारी कार्यालयीन समय पर फोन न. 07642 - 252449 से अथवा कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।
वनमण्डलाधिकारी
उत्पादन वनमण्डल, मण्डला
G-13235/26

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
प्रोफार्मा-10-01
सार्वजनिक अधिसूचना
एतद द्वारा यह सूचित किया जाता है की 25,000 वोल्ट 50 हर्ट्ज एसी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत परिसर में स्थापित सभी रेलवे लाईन उपयोगकर्ताओं को ओवरहेड कर्षण वायर का 28.05.2026 में क्रियाशीलन किया जाएगा। और यह भी सूचित किया जाता है कि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति इस परिसर में कार्य करने या आने-जाने के लिए वर्जित किया जाता है।

अनुच्छेद	विभाग	क्रियाशीलयन की तारीख
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत SDL-KTE सेक्शन में विद्यमान SGTP साइडिंग ट्रामवे प्रकार के OHE हेतु 25,000 वोल्ट AC सिंगल फेज 50 हर्ट्ज विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए Loc 1/ST-15-16, Ch:911.201 पर **नए मुदरिया/एसएसपी** (Sub-Sectioning एवं Paralleling Post) तथा फीडर वायर Loc: SGTP/F-1 (Ch:0/225) से SGTP-F-25 (Ch: 1/519.35, (SGTP साइडिंग) तक (कुल TKM: 1.519 किमी) का ऊर्जीकृत (Energization) किया जाना है।	**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर**	**28.05.2026**

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी/बीएसपी
सीपीआर/10/AM/103 द.पू.म.रे., बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
फोन नं. 07752-273990 E-mail:-cmo_malhar@rediffmail.com
क्र./491/ई-निविदा/न.पं./2026-27 **षष्ठम ई-निविदा सूचना** मल्हार, दिनांक 21/05/2026
नगर पंचायत मल्हार में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा (ई-टेंडर) हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के यूएसओआर दिनांक 01.06.2020, जल संसाधन विभाग के एसओआर 01.08.2022, लोक निर्माण विभाग के एसओआर (भवन व सड़क निर्माण कार्य) दिनांक 01.01.2015, तथा लोक निर्माण विभाग के एसओआर (विद्युत और यांत्रिकी) दिनांक 01.06.2020 फार्म-जी (लमसम दर) अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का विवरण	ई-निविदा प्रारंभ की तिथि	ई-निविदा की अंतिम तिथि	निविदा दस्तावेज प्राप्त एवं परीक्षण तिथि	ई-निविदा खोलने की तिथि
1	191433	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, MALHAR under SBM 2.0 (RS 273.56 Lac) (form-G) (Lumpsum Rate) (6TH call)	21.05.2026 17.30 बजे से	02.06.2026 17.30 बजे	04.06.2026 16.00 बजे	04.06.2026 17.00 बजे

निविदा में भाग लेने वाले ईच्छुक फर्म/ठेकेदार एवं कार्य से संबंन्धित अन्य समस्त जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in/www.cg.uad.gov.in पर उपलब्ध है।
-:: सिंगल यूज प्लास्टिक प्रयोग प्रतिबंध है उपयोग नहीं करें पर्यावरण स्वच्छ बनाये जुर्माने से बचें ::-
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत मल्हार

चिंतन

जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता जरूरी

देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। उत्तर भारत से लेकर पूर्वी राज्यों तक सूरज आग उगल रहा है। हालात इतने भयावह हैं कि दुनिया के सबसे गर्म शहरों की सूची में भारत के 22 शहर शामिल हो गए हैं और कई जगहों पर तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि बदलते पर्यावरण और अव्यवस्थित विकास की गंभीर चेतावनी है। आने वाले तीन दिन तक राहत की उम्मीद नहीं है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। हमारे शहर रेगिस्तानी देशों से भी ज्यादा गर्म हो गए रहे हैं। इस मौसम में तापमान का बढ़ना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है, लेकिन यह जिस गति से बढ़ रहा है और जिस तरह से प्रभावित कर रहा है, वह परेशान करने वाला है। पहले भीषण गर्मी यानी मौसम में लू की आवर्ति दो बार ही होती थी, अब चार बार हो रही है। इस बार मानसून भी कमजोर रहने के संकेत हैं। प्रशांत महासागर के ऊपर बन रहा अलनीनो इसके लिए जिम्मेदार है। इस बार तो यहां तक भी घोषणा की जा रही है कि 1888 जैसा भयंकर सूखा पड़ सकता है। हालांकि उस समय की तुलना में आज हम बेहतर रूप से तैयार हैं। हमारे पास खाद्यान्न के भंडार भरे हुए हैं। इसलिए ऐसी स्थिति तो नहीं है कि लोगों को जान गंवानी पड़े, लेकिन देश का औद्योगिक विकास और उत्पादन ठप हो सकता है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि अब केवल दिन ही नहीं, बल्कि रातें भी तपने लगी हैं। 35 शहरों में रात का तापमान 30 डिग्री से ऊपर रहना इस बात का संकेत है कि धरती की प्राकृतिक संतुलन व्यवस्था तेजी से बिगड़ रही है। जब रात में भी शरीर और वातावरण को ठंडक नहीं मिलती, तब हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बुजुर्गों, बच्चों और मजदूर वर्ग पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। विभिन्न राज्यों की सरकारों ने कुछ राहत भरे कदम उठाए हैं। बिहार में छोटे बच्चों के स्कूल बंद किए गए हैं और पंजाब ने स्कूलों व सरकारी दफ्तरों के समय में बदलाव किया है। दरअसल, भीषण गर्मी का सबसे बड़ा कारण लगातार घटते जंगल, कंक्रीट के बढ़ते शहर, जलस्रोतों का अतिक्रमण और प्रदूषण हैं। विकास की अंधी दौड़ में हमने प्रकृति के साथ संतुलन खो दिया है। शहरों में पेड़ों की जगह सीमेंट ने ले ली और तालाबों की जगह इमारतों ने। नतीजा यह है कि धरती की सतह अधिक गर्मी सोख रही है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। गर्मी के साथ-साथ पानी का संकट भी गहराता जा रहा है। पीने, नहाने और घरेलू उपयोग में पानी की मांग बढ़ती है, जबकि भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। ऐसे में पानी बचाना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता बन चुका है। घरों में वर्षा जल संचयन, पानी का सीमित उपयोग और रिसाव रोकने जैसे छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। जलवायु परिवर्तन कई अन्य कारकों को भी जन्म दे रहा है। गर्मी व कम बारिश के बाद भी भीषण सर्दी और अतिवृष्टि भी इसकी जिम्मेदार है। जैसे-जैसे यह संकट बढ़ेगा, वैसे-वैसे हालात खराब होंगे। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीर होकर काम किया जाए। सरकारों को भी समय रहते चेत जाना चाहिए, क्योंकि यह पूरी तरह से मानव के मस्तिष्क का सवाल है। व्यक्ति को कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए, जो जलवायु परिवर्तन का कारक हो और उन पर जोर देना चाहिए जिससे पर्यावरण संरक्षण किया जा सके। यदि अभी भी चेतने में देर हुई, तो आने वाले वर्षों में यह गर्मी केवल असुविधा नहीं, बल्कि बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकती है।

मुद्दा
प्रमोद भार्गव

कम खर्च में होंगे एक साथ चुनाव

एक साथ चुनाव कराने को लेकर संयुक्त संसदीय समिति के निष्कर्ष में सोने पर सुहागा कहावत चरितार्थ होने का तथ्य निकलकर आया है। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दावा किया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से सात लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इस उपाय से देश की जीडीपी में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस बचे धन का उपयोग बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा,गरीब कल्याण योजनाएं और अन्य सेवाओं में किया जा सकेगा। याद रहे कि 41 सदस्यीय यह समिति एक साथ चुनाव से तमाम पहलुओं के साथ दो प्रस्तावित 129वां संविधान संशोधन और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयकों के प्रारूप पर काम कर रही है। चौधरी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि इन चुनाव सुधारों से देश को लाभ होना चाहिए। एक साथ चुनाव की दिशा तय करने के लिए सरकार पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था।

समिति ने मार्च 2024 में अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंप दी थी। इस रिपोर्ट को कैबिनेट ने स्वीकार करते हुए चुनाव से संबंधित संशोधन विधेयक को मंजूरी भी दे दी दे थी। इसके प्रारूप को तैयार करने की जिम्मेदारी संसदीय समिति कर रही है। 2029 में एक देश, एक चुनाव, यानी देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ निकाय व पंचायत चुनाव भी एक साथ कराने की दिशा में केंद्र सरकार एक-एक कदम आगे बढ़ रही है। गृहमंत्री अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि 2029 के पहले एक साथ चुनाव का प्रबंध कर दिया जाएगा। साफ है, सरकार अपने इस महत्वाकांक्षी वादे को क्रियान्वित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। एक साथ चुनाव कराए जाते हैं तो इस समय तक जिन राज्य सरकारों का कार्यकाल बचा होगा, वह लोकसभा चुनाव तक ही पूरा मान लिया जाएगा। वैसे भी आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ-साथ होते रहे हैं, लेकिन 1968 और 1969 में समय के पहले ही कुछ राज्य सरकारें भंग कर दिए जाने से यह परंपरा टूट गई। अब इस व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान में करीब 18 संशोधन करने होंगे। इनमें से कुछ बदलावों के लिए राज्यों की भी अनुमति जरूरी होगी। यदि स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव भी साथ साथ होते हैं तो फिर मतदाता सूची तैयार निर्वाचन आयोग कराएगा। इस हेतु अनुच्छेद 325 में परिवर्तन करना होगा। साथ ही अनुच्छेद 324-ए में संशोधन करते हुए निगमों और पंचायतों के चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ करा लिए जाएंगे। इस संशोधन विधेयक को आधे राज्यों से भी पास करना जरूरी होगा।

> एक साथ चुनाव कराने को लेकर संयुक्त संसदीय समिति के निष्कर्ष में सोने पर सुहागा कहावत चरितार्थ होने का तथ्य निकलकर आया है। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने दावा किया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से सात लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इस उपाय से देश की जीडीपी में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस बचे धन का उपयोग बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा,गरीब कल्याण योजनाएं और अन्य सेवाओं में किया जा सकेगा। याद रहे कि 41 सदस्यीय यह समिति एक साथ चुनाव से तमाम पहलुओं के साथ दो प्रस्तावित 129वां संविधान संशोधन और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयकों के प्रारूप पर काम कर रही है।

इसी अनुरूप केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी अलग से संविधान संशोधन की आवश्यकता पड़ रही है। हालांकि 2029 तक इस कानून का लागू होना फिलहाल असंभव लग रहा है। चूंकि संविधान के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारें अलग-अलग इकाइयां हैं। इस परिप्रेक्ष्य में संविधान में समानांतर किंतु भिन्न-भिन्न अनुच्छेद हैं। इनमें स्पष्ट उल्लेख है कि इनके चुनाव

प्रत्येक पांच वर्ष के भीतर होने चाहिए। लोकसभा या विधानसभा जिस दिन से गठित होती है, उसी दिन से पांच साल के कार्यकाल की गिनती शुरू हो जाती है। इस लिहाज से संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि एक साथ चुनाव के लिए कम से कम 18 अनुच्छेदों में संशोधन किया जाना जरूरी होगा।

विधि आयोग, निर्वाचन आयोग, नीति आयोग और संविधान समीक्षा आयोग तक इस मुद्दे के पक्ष में अपनी राय दे चुके हैं। ये सभी संवैधानिक संस्थाएं हैं। यदि विपक्षी दल सहमत हो जाते हैं तो दो तिहाई बहुमत से होने वाले ये संशोधन कठिन कार्य नहीं है। यदि संसद के अन्य विपक्षी दल, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देशहित में निर्णय लें तो यह विधेयक आसानी से दोनों सदनों से पारित हो जाएगा। अनेक असमानताओं, विसंगतियों और विरोधाभासों के बावजूद भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सूत्र से बंधा है। निर्वाचन प्रक्रिया राष्ट्र को एक ऐसी संवैधानिक व्यवस्था देती है, जिससे भिन्न स्वभाव वाली राजनीतिक शक्तियों को केंद्रीय व प्रांतीय सत्ताओं में भागीदारी का अवसर मिलता है। नतीजतन लोकतांत्रिक प्रक्रिया गतिशील रहती है, जो देश की अखंडता व संप्रभुता के प्रति जवाबदेह है। देश में मानव संसाधन सबसे बड़ी पूंजी है। गोया, यदि बार-बार चुनाव की स्थितियां बनती हैं तो मनुष्य का ध्यान बंटता है और समय व पूंजी का क्षरण होता है। इस दौरान आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के कारण प्रशासनिक शिथिलता दो-ढाई महीने तक बनी रहती है, फलतः विकास कार्य और जन-कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित होती हैं। एक साथ चुनाव के चलते सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षाबलों को बार-बार चुनाव ड्यूटी के मानसिक तनाव से भी मुक्ति मिलेगी। एक साथ चुनाव के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि देश प्रत्येक छह माह बाद चुनावी मोड में आ जाता है, लिहाजा सरकारों को नीतिगत फैसले लेने में तो अड़चनें आती ही हैं, दूसरे नीतियों को कानूनी रूप देने में अतिरिक्त विलंब भी होता है। यह तर्क अपनी जगह जायज है।

वैसे भी राजनीतिक दलों की महत्ता तभी है, जब वे नीतिगत फैसलों को अधिकतम लोकतांत्रिक बनाने के लिए अपने सुझाव दें व उन्हें विधेयक के प्रारूप का हिस्सा बनाने के लिए नैतिक दबाव बनाएं। केंद्रीय विधि आयोग ने 2018 में केंद्र सरकार को प्रस्ताव दिया था कि पांच साल के भीतर यदि सरकार के भंग होने की स्थिति बने तो 'रचनात्मक अविश्वास' मत हासिल किया जाए। मसलन, किसी सरकार को लोकसभा या विधानसभा के सदस्य अविश्वास मत से गिरा सकते हैं, तो इसके विकल्प में जिस दल या गठबंधन पर विश्वास हो या जिसे विश्वास मत हासिल हो जाए, उसे बतौर नई सरकार की शपथ दिला दी जाए।' बार-बार चुनाव की स्थितियां निर्मित होने के कारण सत्ताधारी राजनीतिक दल को भी यह भय बना रहता है कि उससे कहीं कोई ऐसा नीतिगत फैसला न हो जाए कि दल के समर्थक मतदाता नाराज हो जाएं? लिहाजा सरकारों को लोक-लुभावन फैसले लेने पड़ते हैं। वर्तमान में अमेरिका, जर्मनी, जापान, इंडोनेशिया, स्वीडन, बेल्जियम, दक्षिण अफ्रीका और फीलिपिंस ऐसे देश हैं, जहां एक साथ चुनाव बिना किसी बाधा के संपन्न होते हैं। गोया, भारत में भी यदि एक साथ चुनाव की प्रक्रिया आरम्भ होती है तो केंद्र व राज्य सरकारें बिना किसी दबाव के देश व लोक हित में फैसले ले सकेंगी। सरकारों को पूरे पांच साल विकास व सुशासन को सुचारू रूप से लागू करने का अवसर मिलेगा। अतएव दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सांसदों को देश हित में आत्म-निर्णय लेने की जरूरत है,क्योंकि इस विधि से धन की भी बड़ी बचत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

प्रतीक
डॉ. घनश्याम बादल

उभरना राजनीति में 'कॉकरोचों' का !

सियासत में समय-समय पर ऐसे प्रतीक उभरते रहे हैं, जो शब्द मात्र नहीं, जनभावनाओं के विस्फोट का माध्यम बने हैं। कभी आम आदमी का पार्टी का गठन भी इसी तरीके से हुआ था, जैसे हाल के दिनों में विभिन्न आभासी मीडिया मंचों पर चर्चित "कॉकरोच जनता पार्टी" बनी है। अभिजीत दीपके द्वारा गठित कॉकरोच जनता पार्टी ऐसा ही एक राजनीतिक-सामाजिक प्रतीक बनकर सामने आई है। कॉकरोच जनता पार्टी जैसा नाम भले ही व्यंग्यात्मक लगे, किंतु इसके पीछे छिपी बेचैनी, असंतोष और व्यवस्था-विरोधी मनोवृत्ति को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह केवल एक डिजिटल मज़ाक नहीं, बल्कि उस पीढ़ी का आक्रोश माना जाना चाहिए जो स्वयं को व्यवस्था द्वारा उपेक्षित, अपमानित और अनसुना महसूस कर रही है। इस पूरी कहानी की शुरुआत उस विवादास्पद टिप्पणी से मानी जा रही है, जिसमें बेरोजगार युवाओं की तुलना "कॉकरोच" से करने वाला विवादित बयान भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत से जुड़ा बताया गया है। 15 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट में एक 'फ्री वोलस' यानी तुच्छ समझे जाने वाले प्रकरण की सुनवाई के दौरान सामने आई थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मौखिक टिप्पणी में कहा गया था कि कुछ बेरोजगार युवा "कॉकरोच की तरह" विभिन्न क्षेत्रों में घुस जाते हैं, जिनमें पत्रकारिता और आरटीआई एक्टिविज़्म का भी उल्लेख किया गया। इस कथन के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। बड़ी संख्या में युवाओं ने इसे पूरे बेरोजगार वर्ग का अपमान माना। हालांकि अगले ही दिन जस्टिस सूर्यकांत ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी को "गलत तरीके से पेश" किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आशय समूची युवा पीढ़ी से नहीं था, बल्कि उन लोगों से था जो "फर्जी और नकली डिग्रियों" के सहारे पेशों में प्रवेश करते हैं। इसी कथित टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक प्रतिरोध के रूप में "कॉकरोच जनता पार्टी" का उदय हुआ।

शुरुआत में इसे केवल एक मीम या इंटरनेट ट्रेंड माना गया, किंतु कुछ ही दिनों में यह डिजिटल आंदोलन का रूप लेने लगा। इतना स्पष्ट है कि युवाओं ने इसे अपने आक्रोश की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया है। भारतीय राजनीति के संदर्भ में इस घटना को समझें तो आज का युवा पारंपरिक राजनीति से ऊब चुका है। वह लंबी वैचारिक बहसों से अधिक प्रत्यक्ष अनुभवों पर विश्वास करता है। बेरोजगारी, परीक्षा-पत्र लीक, अवसरों की कमी, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और आर्थिक व सामाजिक तथा व्यक्तिगत असुरक्षा ने उसके भीतर गहरी निराशा व एक बड़ा शून्य पैदा कर दिया है। उसे लगता है कि सत्ता, न्याय व्यवस्था या राजनीतिक दल उसकी पीड़ा को समझने के बजाय उसका उपहास कर रहे हैं, तब व्यंग्य उसका प्रतिरोध का हथियार बन सामने आता है। "कॉकरोच जनता पार्टी" इसी व्यंग्यात्मक अभिव्यक्ति की उपज है। यह उस पीढ़ी की सोच है जो आज कह रही है कि यदि व्यवस्था हमें "कॉकरोच" समझती है, तो हम उसी शब्द को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल देंगे। पहले राजनीतिक दल ज़मीन से उठते थे, फिर मीडिया तक पहुंचते थे। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहले पहचान बनती है और बाद में वास्तविक राजनीतिक संभावना तैयार होती है। यही कारण है कि "कॉकरोच जनता पार्टी" का नाम सुनते ही लोगों में जिज्ञासा उत्पन्न हुई और वह वायरल हो गया। हालांकि इस पूरे आंदोलन को लेकर कई प्रश्न भी हैं। क्या यह वास्तविक राजनीतिक संगठन है अथवा केवल डिजिटल असंतोष का बुलबुला मात्र है? क्या इसके पीछे कोई संगठित राजनीतिक रणनीति है? क्या यह किसी दल विशेष के विरोध या समर्थन का अप्रत्यक्ष माध्यम है? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर अभी उपलब्ध नहीं हैं। याद रहना चाहिए कि लोकतंत्र में व्यंग्य हमेशा जनभावनाओं का संकेतक रहा है। जब जनता सीधे विरोध करने में असहज महसूस करती है, तब हास्य और कटाक्ष उसकी भाषा बन जाते हैं। उल्लेखनीय है कि इस प्रकार के आंदोलनों का उदय लोकतंत्र के स्वास्थ्य का संकेत भी है और चेतावनी भी। यदि मुख्यधारा की राजनीति युवा वर्ग की पीड़ा को गंभीरता से नहीं लेगी, तो असंतोष व्यंग्य, कटाक्ष और अराजक डिजिटल अभियानों में परिवर्तित होता जाएगा इसकी प्रबल संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सहनशीलता और आत्मसुधार की क्षमता रही है। इसलिए सत्ता, विपक्ष, न्यायपालिका और समाज सभी को इस घटना को केवल हास्य के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के दस्तावेज़ की तरह पढ़ना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अहंकार ही अज्ञान है

संकलित
दर्शन

सूर्य वैसे तो सारे संसार को प्रकाश और ताप देता है, पर यदि वह मेघ से आच्छन्न हो जाए तो ऐसा नहीं कर पाता। इसी भांति जब तक हृदय अहंकार के आवरण से आच्छादित रहता है, तब तक उसमें भगवान प्रकाशित नहीं हो पाते। यह अहं मेघ की तरह है। इसी के कारण हम ईश्वर को नहीं देख पाते। यदि श्रीगुरु की कृपा से अहं-बुद्धि दूर हो जाए तो फिर ईश्वर के पूर्ण दर्शन हो जाते हैं। जैसे, सिर्फ ढाई हाथ की दूरी पर ही साक्षात पूर्णब्रह्म श्रीरामचंद्र जी हैं, किंतु बीच में सीता रूपिणी माया का आवरण होने के कारण लक्ष्मण जी रूपी जीव को ईश्वर राम के दर्शन नहीं होते। जीव का अहंकार ही माया है। यही अहंकार सब आवरण का मूल है। मैं के मरने पर ही सारा जंजाल दूर होगा। अगर किसी को ईश्वर की कृपा से मैं कर्ता नहीं हूं- यह ज्ञान हो जाए, तब तो वह जीवनमुक्त ही हो गया। फिर उसे किसी बात का भय नहीं। अगर मैं अपने को इस अंगोछे की ओट में कर लूं तो तुम मुझे नहीं देख सकते, पर मैं तुम्हारे बिल्कुल नजदीक ही हूं। इसी भांति और सभी चीजों की अपेक्षा ईश्वर ही तुम्हारे सबसे ज्यादा निकट है, किंतु अहं रूपी आवरण के कारण तुम उनके दर्शन नहीं कर सकते। जब तक अहंकार रहता है, तब तक न ज्ञान होता है, न मुक्ति मिलती है। हांडी में रखे पानी और चावल, दाल, आलू आदि को तब तक छुआ जा सकता है, जब तक हांडी आग पर नहीं रखी जाती। जीव की देह मानो हांडी है और धन, मान, विद्या, बुद्धि, जाति, कुल आदि मानों दाल, चावल, आलू की तरह हैं।

एक गलत काम जीवन की तपस्या बर्बाद कर सकता है

संकलित
प्रेरणा

प्रसंग के अनुसार एक दिन महावीर स्वामी प्रवचन दे रहे थे और सभी शिष्य सुन रहे थे। प्रवचन के बीच-बीच में कुछ शिष्य प्रश्न भी पूछ रहे थे और महावीर जी उनके उत्तर दे रहे थे। एक शिष्य ने पूछा कि व्यक्ति कब अपने आचरण से गिर जाता है? कौन से काम हैं, जिनकी वजह से पतन होता है? क्या कोई एक काम है या कई ऐसे काम हैं? महावीर स्वामी ने कहा कि मैं उत्तर दूं, उससे पहले यहां बैठे अन्य शिष्य इस प्रश्न का उत्तर दीजिए। स्वामी जी की बात सुनकर एक शिष्य ने कहा कि अहंकार पतन का सबसे बड़ा कारण है। एक ने कहा कि कामवासना से सबकुछ बर्बाद हो जाता है। किसी ने लालच को बड़ी बुराई बताया तो किसी ने गुस्से को पतन का कारण बताया। महावीर जी ने सभी की बात ध्यान से सुनी। फिर पूछा कि बताइए अगर आपके पास एक कमंडल है, उसमें पानी भर दें और उसे नदी में छोड़ दें तो क्या वह डूबा जाएगा? शिष्यों ने कहा कि अगर कमंडल का आकार सही है तो वह डूबेगा नहीं, तैरेगा। महावीर जी ने पूछा कि अगर उसमें छेद कर दिया जाए तो? शिष्यों ने कहा कि फिर तो वह डूब ही जाएगा। महावीर जी बोले कि क्या छेद के आकार से कोई फर्क पड़ेगा? शिष्य बोले कि अगर छेद छोटा होगा तो कमंडल थोड़ी देर से डूबेगा और छेद बड़ा होगा तो जल्दी डूब जाएगा। छेद की वजह से कमंडल जरूर डूब जाएगा। महावीर जी ने कहा कि बस यही बात मैं समझाना चाहता हूं। हमारा शरीर एक कमंडल की तरह ही है और बुराइयां छेद की तरह होती हैं। अगर अवगुण छोटा सा भी हुआ तो हमारा जीवन बर्बाद हो सकता है।

सटाका

आज की पाती

ऊर्जा क्रांति की नई पारदर्शी शुरुआत

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है और इसी दिशा में सिंगापुर की एक यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने ऐसी अल्ट्रा-थिन सोलर सेल विकसित की है, जो आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादन की पूरी तस्वीर बदल सकती है। यह तकनीक इतनी पतली है कि इनसान के बाल के 10,000वें हिस्से जितनी मोटाई में भी बिजली पैदा कर सकती है। खास बात यह है कि यह सोलर सेल पारदर्शी और रंगहीन है, इसलिए इसे खिड़कियों, कारों की विंडशील्ड, मोबाइल स्क्रीन, स्मार्ट ग्लास और ऊंची इमारतों के कांच पर आसानी से लगाया जा सकता है। अब तक सोलर ऊर्जा का मतलब बड़े और भारी पैनल माने जाते थे, जिन्हें छतों पर लगाने के लिए पर्याप्त जगह चाहिए होती है। नई तकनीक 'बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटोवोल्टिक' अवधारणा को नई गति दे सकती है।

- मामचंद गुलिया, बहादुरगढ़

ट्रेंड

छात्रों का भविष्य

जब मोदी जी इटली में मिठाइयां बांटते हुए रील बना रहे थे, तब भारत में पेपर लीक से परेशान युवा सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग कर रहे थे। क्योंकि एनईटी पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ज़हरीली बयानबाज़ी

कांग्रेस की राजनीति अब विचारों से नहीं, बल्कि ज़हरीली बयानबाज़ी से प्रेरित है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री के विरुद्ध घटिया भाषा का प्रयोग करना, यह दर्शाता है कि कांग्रेस ने न केवल सत्ता खोई है, बल्कि अपने मूल्य भी खो दिए हैं।
- स्मृति ईरानी, पूर्व केंद्रीय मंत्री

महिला सीमा रक्षक

मिशनवंदेमातरम के तहत, बीएसएफ की पहली महिला सीमा रक्षकों ने माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहराकर अदम्य साहस और अटूट संकल्प का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने साबित कर दिया है कि बेटियों की आकांक्षाओं से ऊंची कोई चोटी नहीं होती। आप पूरे देश का गौरव हैं।
- नीतीश कुमार, पूर्व सीएम, बिहार

गैरजिम्मेदाराना बयान

एनटीए अध्यक्ष प्रदीप जोशी ने संसदीय समिति के समक्ष कहा है कि उन्हें एनईटी परीक्षा में पेपर लीक होने की बात पर विश्वास नहीं है। एक ओर तो एनटीए ने परीक्षा रद्द कर दी है, वहीं एनटीए अध्यक्ष ऐसे गैरजिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं।
-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

पाक-चीन संबंधों के 75 वर्ष पूर्ण, जारी होगा स्मारक सिक्का

पाकिस्तान ने चीन के साथ राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 75 पाकिस्तानी रुपये का एक विशेष स्मारक सिक्का जारी करने की घोषणा की है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना के दो साल से भी कम समय में 1951 में पाकिस्तान और चीन ने औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। पाकिस्तान पहला मुस्लिम राष्ट्र था जिसने बीजिंग के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि यह स्मारक सिक्का 25 मई से देश भर में स्थित उसके बैंकिंग काउंटरों के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध होगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''पाकिस्तान और चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, पाकिस्तान सरकार ने 75 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी करने का निर्णय लिया है। यह सिक्का 25 मई, 2026 से एसबीपी बैंकिंग के काउंटरों के माध्यम से आम जनता के लिए उपलब्ध होगा।'' पाकिस्तान और चीन को व्यापक रूप से ''सदाबहार सहयोगी'' के रूप में वर्णित किया जाता है, और दोनों देशों के बीच दशकों से रक्षा, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कूटनीतिक मामलों में घनिष्ठ सहयोग है।

ऑफ बीट

सब कुछ कार्बनमुक्त करना असंभव है, लेकिन क्यों

किसी भी सुपरमार्केट में कदम रखते ही आप चारों ओर कार्बन से घिरे होते हैं। यह वह कार्बन नहीं है जिसे जलवायु रिपोर्टों में पीपीएम यानी 'पार्ट्स पर मिलियन' में

मापा जाता है, बल्कि यह कार्बन का सबसे ठोस रूप है। शैम्पू की बोतल की पॉलीमर परत, छत की टाइलों के पीछे की इन्सुलेशन, और आपके बैग में प्रयुक्त सिंथेटिक फाइबर... कार्बन ही तो है। ये वस्तुएं जीवश्म ईंधन युग की अनजानी उपज नहीं हैं। ये इसके दूसरे चरण का हिस्सा हैं, जो जलने जितना स्पष्ट नहीं है लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण है। वैश्विक नेट-जीरो चर्चा लगभग पूरी तरह ऊर्जा तक ही सीमित रही है। यह दृष्टिकोण आवश्यक है, लेकिन इसके पीछे एक मान्यता है, जिसे शायद ही कभी जांचा जाता है: कि जीवाश्म ईंधन से मिलने वाली केवल वही चीज़ महत्वपूर्ण है जो जलने पर ऊर्जा के रूप में निकलती है। वास्तव में, लगभग 15-20 प्रतिशत जीवाश्म ईंधन कभी जलाया ही नहीं जाता। यह आधुनिक जीवन की भौतिक संरचना में बदल जाता है: प्लास्टिक, पॉलीमर, उर्वरक, चिपकने वाले पदार्थ, सॉल्वेंट और सिंथेटिक वस्त्र। जब ये उत्पाद जलाए, अपघटित किए या त्यागे जाते हैं, तो उनका कार्बन वातावरण में लौटता है, जो वैश्विक गर्मी में योगदान देता है। यह योगदान वास्तविक है, बढ़ रहा है, और अधिकांश मुख्यधारा के नेट-जीरो लेखांकन में लगभग पूरी तरह अनुपस्थित है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों में नहीं है फायर सेफ्टी की व्यवस्था

सनराइज एग्रो इंडस्ट्री परिसर में भीषण आग

सुलगते सवालों के बीच टला बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर, मुकेश बागड़े

औद्योगिक क्षेत्र के ग्राम ब्राह्मण पिपला स्थित सनराइज एग्रो इंडस्ट्री में शुक्रवार को लगी भीषण आग ने एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा दावों की पोल खोलकर रख दी है। फैक्ट्री परिसर के बाहर खुले में रखे अत्यधिक ज्वलनशील वेस्ट मटेरियल में अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आसमान में उठते काले धुएं के गुबार और ऊंची लपटों को देखकर पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि, दमकल विभाग की तत्परता से आग को मुख्य उत्पादन क्षेत्र तक पहुंचने से रोक लिया गया, जिससे करोड़ों के नुकसान और जनहानि का एक बड़ा हादसा टल गया। लेकिन इस घटना ने पीछे कई गंभीर सवाल छोड़ दिए हैं।

दमकलों की मुस्तैदी से बची जान, घंटों चली 'अग्निपरीक्षा

घटना की भयावहता को देखते हुए तत्काल सौंसर, लोधीखेड़ा, मोहगांव, और पिपला नारायणवार सहित औद्योगिक क्षेत्र की दमकल गाड़ियों दमकलों की मुस्तैदी से बची जान, घंटों चली 'अग्निपरीक्षा

घटना की भयावहता को देखते हुए तत्काल सौंसर, लोधीखेड़ा, मोहगांव, और पिपला नारायणवारदमकलों की मुस्तैदी से बची जान, घंटों चली 'अग्निपरीक्षाः घटना की भयावहता को देखते हुए तत्काल सौंसर, लोधीखेड़ा, मोहगांव, और पिपला नारायणवार सहित औद्योगिक क्षेत्र की दमकल गाड़ियों को मोर्चे पर उतारा गया। दमकल कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति का जायजा तो लिया है, लेकिन ग्रामीणों में आक्रोश और दहशत का माहौल अब भी बरकरार है। सहित औद्योगिक क्षेत्र की दमकल गाड़ियों को मोर्चे पर उतारा गया।

बड़ी लापरवाही, सुरक्षा उपकरण नदारद, राम भरोसे सुरक्षा!

स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, जब कंपनी परिसर में आग ने शुरुआत में पैर पसारना शुरू किया, तब कंपनी के पास इससे निपटने के लिए न तो पर्याप्त फायर सेफ्टी उपकरण थे और न ही पानी की समुचित व्यवस्था। आपातकालीन सुरक्षा सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त नजर आया।आखिर इतनी बड़ी लापरवाही किसके संरक्षण में चल रही थी? जब कंपनी के पास आग बुझाने के प्राथमिक संसाधन तक नहीं थे, तो प्रशासन ने इसे एनओसी कैसे दे दी? यह पूरी फैक्ट्री गांव से महज 200 मीटर की दूरी पर संचालित हो रही है। इतनी संवेदनशील जगह होने के बावजूद प्रबंधन ने भारी मात्रा में ज्वलनशील वेस्ट मटेरियल को खुले आसमान के नीचे छोड़ रखा था, जो किसी बड़े टाइम बम से कम नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुनाफे के9 चक्कर में प्रबंधन ग्रामीणों की जान-माल को दांव पर लगा रहा है।

जांच के नाम पर खानापूर्ति, या होगी सख्त कार्रवाई?

प्रशासनिक तौर पर आग लगने का कारण शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी माना जा रहा है,और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि लापरवाह प्रबंधन पर हो एफआईआर होनी चाहिए, सिर्फ नोटिस जारी करने के बजाय फैक्ट्री प्रबंधन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। बोरगांव क्षेत्र की अनेक फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं है। श्रम विभाग के अधिकारियों एवं सोसर प्रशासन के द्वारा कंपनियों की जांच करते हुए फायर सेफ्टी की जांच करनी चाहिए, ताकि ब्राह्मण पीपला जैसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो,

प्रॉपर्टी डीलर के घर चोर घुसे लाखों के जेवर और नकदी पार

सतना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बगहा में बीती रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। यहाँ एक नामी प्रॉपर्टी डीलर के सूने कमरे का ताला तोड़कर चोरों ने 50 लाख रुपए से अधिक के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सनसनीखेज वारदात के बाद पीड़ित परिवार ने तुरंत 112डायल और सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन टीआई पुलिस डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंचे और बारीकी से घटनास्थल की जांच शुरू की।

चैनल गेट फांदकर अंदर घुसे, ड्रिल मशीन से काटा दरवाजा

मिली जानकारी के अनुसार,बगहा में बाईपास कलश मंडप पैलेस के पीछे स्थित सैनिक कॉलोनी में प्रॉपर्टी डीलर दिनेश सिंह उर्फ सिद्धू सिंह का निवास है। बीती रात चोर बाउंड्री का चैनल गेट फांदकर घर के अंदर दाखिल हुए। शातिर चोरों ने मुख्य द्वार पर लगे लकड़ी के दरवाजे को निशाना बनाया और उसमें ड्रिल मशीन से छेद करके कटर की मदद से दरवाजा खोल लिया।

दिनेश सिंह के पुत्र अर्पित सिंह ने बताया कि चोर सीधे उनकी मां के कमरे में दाखिल हुए और वहां रखे सोने-चांदी के जेवरात व कैश समेट लिया। गनीमत रही कि उस वक्त कमरे का कूलर खराब था,जिसके कारण उनकी मां रात करीब 12:30 बजे दूसरे गेस्ट रूम में सोने चली गई थीं। अगर वह कमरे में होतीं,तो चोर उन पर जानलेवा हमला भी कर सकते थे।

ढाई बजे खुली नींद, तो उड़ गए होश

पीड़िता जब रात करीब ढाई से पौने तीन बजे के बीच जागीं और अपने कमरे की तरफ गईं,तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कमरे का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी में रखे करीब 25 तोला सोने के गहने,डेढ़ किलो चांदी और 12 लाख रुपए नकद गायब थे। उन्होंने तुरंत शोर मचाकर परिजनों को जगाया। पीड़ित दिनेश सिंह की सूचना पर सिविल लाइन थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।

आग में जलने से बाल बाल बचे माँ और तीन बच्चे

सिंगोड़ीः सिंगोड़ी में भीषण आग से किसान का सब कुछ जलकर खाक हो गया, घर में तीन बच्चे मां की समझ से बाल बाल बचे। बच्चें वही दमकल विभाग की बड़ी लापरवाही आई सामने आई। सिंगोड़ी स्थित पेंच नदी के समीप दरगाह के पास शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे पेंच नदी के किनारे से फैली आग ने एक गरीब किसान का आशियाना और जिंदगी भर की कमाई जलकर खाक हो गई। इस हादसे में लाखों रुपये के नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया की आग की लपटें दरगाह के उस कमरे तक पहुंच गईं, जहां पीड़ित किसान शेख मजहर रह रहा था वह सिंगोड़ी मस्जिद में जुमे की नमाज पढ़ने गए हुए थे। घर के कमरे में उनके तीन मासूम बच्चे सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी पास के ही एक खेत में काम कर रही थीं। दूर से धुंआ और आग की लपटें उठती देख पत्नी ने बिना वक्त गंवाए घर की तरफ दौड़ लगाई। उन्होंने जान जोखिम में डालकर सो रहे तीनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। अगर थोड़ी सी भी देर होती तो एक बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता था।

3 घंटे बाद पहुंची दमकल, सब कुछ जलकर हुआ राख

इस हादसे ने आपातकालीन सेवाओं की पोल खोलकर रख दी है। आग लगते ही दोपहर 1:00 बजे से ही उपस्थित ग्रामीणों ने 112 नंबर सहित दमकल विभाग और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार फोन किए। लेकिन हैरान करने वाली बात यह रही कि सूचना देने के तीन घंटे बाद भी कोई दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंचा।शाम करीब 4:00 बजे जब फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची, तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर आ जाती, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।

लाखों का नुकसान, दाने-दाने को मोहताज हुआ परिवार

इस भीषण अग्निकांड में पीड़ित परिवार पूरी तरह सड़क पर आ गया है। घर में रखा गृहस्थी का पूरा सामान जल गया है। परिजनों ने बताया की घर में रखे डेढ़ लाख नगद सोने का एक हार और 40 क्विंटल गेहूं। वही कपड़े, बर्तन और दैनिक उपयोग का सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित शेख मजहर सिंगोड़ी के मूल निवासी हैं। करीब छह महीने पहले सिंगोड़ी से रिच्छन नदी तक हुए सड़क निर्माण के दौरान उनका आधा मकान अतिक्रमण की चपेट में आ गया था, जिसके कारण वह बेघर हो गए थे। पेंच नदी के पास खेत होने की वजह से वे अस्थाई रूप से दरगाह के पास कमरा बनाकर रह रहे थे, लेकिन इस हादसे ने उनसे यह आसरा भी छीन लिया।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाईः मोटर साइकिल चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, 3 बाइक बरामद

सतना। शहर में बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिटी कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मुस्तैदी दिखाते हुए मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं,जिनकी कुल कीमत सवा दो लाख रुपये आंकी गई है। चेकिंग के दौरान धरे गए आरोपी पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी केअनुसार,मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस की टीम ने घेराबंदी की थी। संदेही युवकों को रोककर जब वाहनों के दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ की गई,तो वे कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सके। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने मोटरसाइकिलें चोरी की होने की बात कबूल कर ली। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दानिश सिद्दीकी पिताः मो.हमीद खान,उम्र 21 वर्ष,निवासी नजीराबाद श्यामू भाई के घर के पीछे,कुआं के पास, सतना है। मो.हसन उर्फ राशिद उर्फ लल्लन पिता मो.आरिफ,उम्र 28 वर्ष,निवासी नजीराबाद पेट्रोल पंप के पीछे,मस्जिद के सामने,सतना है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर 03 अदद मोटरसाइकिलें जब्त की हैं।

शौच करके लौट रही 19 वर्षीय युवती पर चाकू एवं हंसिया से जानलेवा हमला, जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। जिले क़े थाना राजनगर के अंतर्गत इन दिनों अपराधों का ग्राफ बढता जा रहा है। आये दिन थाना राजनगर के ग्रामीण अंचलों में कोई ना कोई अपराधिक बारदात घटित हो रही है। जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। अभी बिक्रमपुर के पूर्व सरपंच पर दनादन गोलियां दागना और ग्राम पिपट के एक युबक को प्रताड़ित करने पर उसके द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने जैसे अपराध घटित हो चुके है। अब ग्राम खजवा का एक और मामला आया है जहां सरेआम युवती पर एक सिर फिरे युवक ने हंसिया और चाकू से हमला कर दिया जिससे युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार खजवा निवासी भोलाराम अहिरवार की पुत्री पूजा अहिरवार उम्र 19 बर्ष बीती शाम 6 बजे खेतों से शौच करके अपने घर बापिस आ रही थी तभी रास्ते में घन्सू अहिरवार जो खजवा का ही रहने बाला है। उसने रोका और चाकू वा हंसिए से ताबड़तोड़ प्रहार कर दिए जिससे युवती के चेहरे गर्दन हाथ सहित शरीर में कई जगह चोटें आई। इस घटना को पूजा अहिरवार के परिवार के बच्चों ने देखा तो उन्होने घर जाकर सूचना दी जिस पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और घायल अवस्था में पड़ी पूजा अहिरवार को लेकर राजनगर थाना पहुंचे लेकिन पुलिस ने पहले उसे अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार किया और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से ही जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुचने पर इमरजेंसी डॉक्टर ने पूजा का उपचार कर उसे ट्रोमा बार्ड में भर्ती किया गया। वहीं पुलिस का कहना है कि युवती के बयान लेकर आरोपी के विरूद्व कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

प्रताड़ित पति ने छतरपुर एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

खौलती सब्जी डालकर पति को जान से मारने का प्रयास

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के बिजावर क्षेत्र अंतर्गत बाजना थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है, जहां एक पत्नी पर अपने ही पति पर खौलती हुई सब्जी डालकर जान से मारने का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगा है। इस खौफनाक कदम से पीड़ित पति की पीठ बुरी तरह झुलस गई है। पीड़ित पति ने अब छतरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय और अपनी जान-माल की सुरक्षा के लिए लिखित आवेदन सौंपते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मूल रूप से बाजना थाना क्षेत्र के ग्राम जसगुवां कला निवासी पीड़ित सुनील अहिरवार पिता मोतीलाल अहिरवार ने बताया कि वह गुरुग्राम (गुडगांव), हरियाणा के कादीपुर सेक्टर 10 में रहकर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। घटना बीते 7 मई 2026 की सुबह करीब 8 बजे की है। सुनील को काम पर जाना था, इसलिए उसने अपनी पत्नी कंचन अहिरवार से खाना मांगा और उसे पैक करने को कहा। इसी बात पर विवाद करते हुए पत्नी कंचन ने कढ़ाई में उबलती हुई गर्म सब्जी

सीधे सुनील की पीठ पर डाल दी। इस जानलेवा हमले में सुनील की पीठ पूरी तरह जल गई, जिसका इलाज उसने एक निजी अस्पताल में कराया। इस घटना के बाद जब वह हरियाणा के स्थानीय पुलिस थाने शिकायत करने पहुंचा, तो वहां उसे अपने गृह जिले छतरपुर जाकर मुकदमा दर्ज कराने की सलाह दी गई।

पीड़ित सुनील का आरोप है कि उसकी पत्नी कंचन अहिरवार का रवैया उसके प्रति शुरू से ही क्रूरतापूर्ण रहा है। वह बात-बात पर झगड़ा करती है और मजदूरी के पैसे भी जबरन छीन लेती है। सुनील ने अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपने जीजा संतोष अहिरवार और बहन गायत्री (निवासी रेवाड़ी, हरियाणा) के बहकावे में है। वे लोग सुनील को जान से मारकर उसकी संपत्ति हड़पना चाहते हैं। पीड़ित ने डर जताते हुए कहा है कि उसकी पत्नी उसे कभी भी खाने में जहर देकर मार सकती है और लगातार जान से मारने की धमकियां दे रही है। पत्नी की इस प्रताडऩा से तंग आकर सुनील अपने बेटे यशवेन्द्र अहिरवार को साथ लेकर वापस अपने गांव जसगुवां कला आ गया है, जबकि उनकी बेटी कंचन के पास ही है। पीड़ित ने एसपी छतरपुर से गुहार लगाई है कि उसकी पत्नी, साढ़ू और साली के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएं ताकि उसे और उसके बेटे को सुरक्षा मिल सके।

चलती ई-स्कूटी अचानक बनी 'आग का गोला'

दो युवकों ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के डेंजर रोड पर शुक्रवार शाम एक चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि बैटरी से धुआं निकलता देख चालक और उसका साथी समय रहते कूद गए जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

भटेरा निवासी केशव साहू अपने साथी के साथ गर्रा स्थित चार्जिंग सेंटर से स्कूटी ठीक कराकर लौट रहे थे। केशव ने बताया कि उन्होंने पिछले साल दीपावली पर यह सेकंड हैंड स्कूटी खरीदी थी। चार्जिंग में आ रही समस्या को सुधरवाकर लौटते समय करीब 6 बजे डेंजर रोड पर बैटरी से धुआं निकलने लगा, जिसके कुछ ही पलों बाद आग धधक उठी।

पीड़ित केशव साहू ने बताया कि आग लगने से पहले ही उन्होंने खतरे को भांप लिया था। जैसे ही बैटरी से धुआं उठा, दोनों ने तुरंत वाहन खड़ा किया और दूर भाग गए। यदि वे वाहन रोकने में देरी करते, तो गंभीर जनहानि हो सकती थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

सड़क के बीचों-बीच स्कूटी में लगी आग इतनी भीषण थी कि उसका धुआं करीब एक किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रहा था। सुरक्षा के लिहाज से सड़क के दोनों ओर वाहनों को रोक दिया गया, जिससे लगभग आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पूरी तरह जलने के बाद केवल स्कूटी का ढांचा ही शेष बचा। लोगों ने बताया कि भीषण गर्मी के बीच जिले में वाहनों में आग लगने की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में परसवाड़ा के खर्रा में भी एक एम्बुलेंस में आग लग गई थी, जिसमें महाराष्ट्र निवासी चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक तापमान और बैटरी ओवर हीटिंग ऐसे हादसों का मुख्य कारण हो सकते हैं।

मूक मवेशियों की तस्करी का पर्दाफाश, 3 आरोपियों पर मामला दर्ज

लोहमारा सरपंच ने जारी किया फर्जी प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम सेलवा में गुरुवार की देर रात ग्रामीणों ने मूक मवेशियों की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना ने ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े को भी उजागर किया गया है। गुरुवार रात लगभग साढ़े 11 बजे ग्राम सेलवा के ग्रामीणों ने कृष्ण मंदिर के पास तीन व्यक्तियों को मवेशियों को पैदल हांकते हुए देखा। ग्रामीणों को शक हुआ कि ये लोग मवेशियों की तस्करी कर रहे हैं। तुरंत ही ग्रामीणों ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अलग-अलग स्थानों से मवेशियों को खरीदकर ला रहे हैं। ग्रामीणों ने तत्काल डॉयल 112 को सूचना दी और आरोपियों को 03 नग मूक मवेशियों सहित पुलिस के हवाले कर दिया। शुक्रवार दोपहर 2 बजे पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी लकेश पिता अनिल खरोले (25 वर्ष), निवासी अर्जुननाला, योगराज पिता हंस लाल उइके (30 वर्ष), निवासी नांदी, हंसलाल पिता भोजू उइके (65 वर्ष), निवासी नांदी के खिलाफ मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 9 और पशुओं के प्रति

क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब ग्रामीणों ने आरोपियों की तलाशी ली तो उनके पास से ग्राम पंचायत लोहमारा के सरपंच द्वारा जारी एक प्रमाण पत्र मिला। इस प्रमाण पत्र में लिखा था कि आरोपी अनिल खरोले ने गुलाब पिता रामू हरदे (निवासी लोहमारा) से तीन मवेशी खरीदे हैं, जिनमें एक गाय और दो गोरी शामिल हैं। लेकिन जब गुलाब से इस संबंध में चर्चा की तो उसने साफ कहा कि उसने किसी को भी मवेशी नहीं बेचे। इससे स्पष्ट होता है कि लोहमारा सरपंच द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र जारी किया गया था। आरोपियों के पास दो मोटरसाइकिल भी थी।

इस पूरे घटनाक्रम में सेलवा के ग्रामीणों की सजगता और साहसिक कदम सबसे महत्वपूर्ण रहा। देर रात मवेशियों को हांकते हुए देखकर उन्होंने तुरंत कार्रवाई की और आरोपियों को पकड़ लिया। यदि ग्रामीण समय रहते सतर्क न होते तो संभव था कि मवेशियों की तस्करी सफल हो जाती। वहीं इस घटना ने ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े को भी उजागर किया है। लोहमारा सरपंच द्वारा जारी किया गया फर्जी प्रमाण पत्र यह दर्शाता है कि पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत किस हद तक फैली हुई है। सवाल यह उठता है कि सरपंच ने बिना वास्तविक लेन-देन के प्रमाण पत्र क्यों जारी किया? क्या सरपंच स्वयं इस तस्करी में शामिल है या किसी दबाव में ऐसा किया गया?

परिवार के इनकार के बाद प्रेमी संग मंदिर में रचाई शादी

छतरपुर। जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पठापुर गांव से 18 मई को लापता हुई 19 वर्षीय युवती किरण अहिरवार के मामले में नया मोड़ सामने आया है। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद युवती स्वयं थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि वह अपनी मर्जी से घर छोड़कर गई थी।

युवती ने बताया कि परिवार द्वारा मारपीट किए जाने से नाराज होकर वह देरी रोड निवासी 21 वर्षीय नरेंद्र अहिरवार के घर चली गई थी। किरण के अनुसार नरेंद्र और उसके परिवार ने उसे समझाने का प्रयास किया तथा उसके परिजनों को सूचना भी दी, लेकिन परिवार ने उसे वापस ले जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजनों ने सिविल लाइन थाने में युवती की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करा दी थी।

मामले में आगे दोनों युवक-युवती ओरछा रोड थाने पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस को बताया कि वे बालिग हैं और अपनी इच्छा से विवाह करना चाहते हैं। थाने में दोनों पक्षों की मौजूदगी में समझौते की कोशिश की गई, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। युवती का आरोप है कि परिवार ने उसे अपनाने से साफ इनकार कर दिया।

समुद्र तट पर रेंगते दिखे अजीबोगरीब जीव, तूफान के बाद मची भारी तबाही

ब्यूनस आयर्स। कुदरत के अनगिनत रहस्य आज भी समंदर की गहराइयों में दफन हैं, लेकिन कई बार कुछ ऐसी प्राकृतिक घटनाएं घट जाती हैं जो इंसान को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर देती हैं। ऐसा ही एक बेहद हैरान करने वाला और डरावना मामला अर्जेंटीना के चुबुत प्रांत से सामने आया है। यहां के तटीय इलाकों में रहने वाले लोग उस वक्त खौफ से कांप उठे, जब उन्होंने सुबह उठकर समुद्र तटों का नजारा देखा। अटलांटिक महासागर में आए एक भयानक तूफान और तेज लहरों के टकराने के बाद कोमोडोरो रिवादाविया और प्यूर्टो मैड्रिन जैसे तटीय शहरों के समुद्र तटों पर दूर-दूर तक लाखों की तादाद में अजीबोगरीब और रहस्यमयी जीव रेंगते हुए दिखाई दिए। इस मंजर को देखकर लोग कांप उठे।

डरावना मंजर देख कांप उठे लोग!

इस जीव के शरीर पर घने बाल और चमकदार कांटेदार परत थी, जिसे वैज्ञानिकों की भाषा में 'सी माउस' या समुद्री चूहा कहा जाता है। एक साथ इतने सारे अजीब जीवों का पानी से बाहर आ जाना बेहद असाधारण घटना है। समुद्री वैज्ञानिकों के अनुसार, रेत पर बिखरे ये अजीब जीव असल में कोई मछली नहीं हैं, बल्कि यह समुद्री स्पून वॉर्म (चम्मच जैसे दिखने वाले कीड़े) की एक विशेष प्रजाति है। इनका वैज्ञानिक नाम 'युरिकिस यूनिसिनक्टस' है।

चीन, कोरिया और जापान के लोग चाव से खाते हैं

इन सुरंगों के मुहाने पर छोटे चिमनी जैसे प्रवेश द्वार होते हैं। ये जीव लंबाई में लगभग 25 सेंटीमीटर (10 इंच) तक बढ़ सकते हैं। इनका शरीर बेहद लचीला और इलास्टिक जैसा होता है, जो इन्हें रेत में गहरी सुरंगें खोदने और वहां अपना भोजन छानने में मदद करता है। यह मुख्य रूप से प्लवक और बैक्टीरिया को खाकर जीवित रहते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जब समुद्र में अचानक तेज लहरें उठती हैं या भयानक तूफान के कारण पानी का करंट बदलता है, तो समुद्र की तलहटी में जमा रेत और मिट्टी पूरी तरह से हिल जाती है। इस उथल-पुथल के कारण इन जीवों के घर नष्ट हो जाते हैं और ये रेत से बाहर बहते हुए समुद्र तट पर आ जाते हैं।

अत्यंत दुर्लभ और अनोखी घटना

चीन और कोरिया में इन जीवों को कच्चे रूप में नमक, तिल के तेल या लाल मिर्च के पेस्ट के साथ हल्के मसालेदार बनाकर खाया जाता है। वहीं, जापान में इसे एक विशेष प्रकार के पारंपरिक व्यंजन 'साशिमी'के रूप में परोसा जाता है। इसके साथ ही मिला दूसरा जीव 'सी माउस'भी बेहद अनोखा है। यह एक प्रकार का कीड़ा ही है, जिसके शरीर पर रेशमी बाल होते हैं, जिसके कारण यह हूबहू किसी छोटे चूहे जैसा दिखता है। यह भी हमेशा समुद्र की तलहटी में छिपा रहता है और इंसानों को इसका दिखना बेहद दुर्लभ माना जाता है। अर्जेंटीना के तटों पर इससे पहले साल 2021 और 2023 में भी इस तरह से जीवों के बहकर आने की घटनाएं दर्ज की गई थीं। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि स्पून वॉर्म और सी माउस का एक साथ एक ही तट पर मिलना अत्यंत दुर्लभ और अनोखी घटना है।

रोचक खबरें

ये है सबसे मोटी चमड़ी वाला जानवर प्रकृति ने पहनाया है स्वेटर

नोवोसिबिर्स्क। साइबेरिया की बर्फीली वादियों में जहां इंसान भी कुछ मिनटों में ठिठुर कर रह जाता है, वहां एक जानवर राज करता है। माइनस 40 डिग्री से भी ज्यादा ठंड में ये बेफिक्र घूमता फिरता है। बर्फीली हवाएं इसके शरीर को छू भी नहीं पाती. ये है साइबेरियन बाघ, जिसे अमूर टाइगर भी कहा जाता है। दुनिया के सबसे बड़े और खतरनाक बिल्लियों में शुमार ये प्रजाति प्रकृति का कमाल है। साइबेरियन बाघ की सबसे बड़ी खासियत है इसकी मोटी चमड़ी और उसके नीचे मौजूद चर्बी की मोटी परत। सामान्य बाघों की तुलना में इनकी फर (फर को लोक भाषा में चमड़ी कहा जाता है) बहुत घनी और लंबी होती है। सर्दियों में ये फर और भी मोटा हो जाता है। गर्दन के चारों ओर बालों की परत इसे ठंड से बचाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इनकी सर्दियों वाली फर गर्मियों वाली फर से दोगुनी मोटी हो सकती है। इसके अलावा शरीर पर चर्बी की मोटी परत इंसुलेशन का काम करती है, जो शरीर की गर्मी को अंदर रखती है। ये बाघ 300 किलो तक वजन का हो सकता है। नर बाघ औसतन 176 से 222 किलो तक होते हैं जबकि कुछ बड़े नमूने 300 किलो से ज्यादा भी पाए गए हैं। इनकी लंबाई पूंछ समेत 3 मीटर से ज्यादा हो सकती है। इतना भारी-भरकम शरीर होने के बावजूद ये बर्फ पर हल्के कदमों से चलता है। इसके बड़े-बड़े पंजों पर घनी बालों की परत होती है जो स्नोशू की तरह काम करती है। इससे ये बर्फ में धंसता नहीं और चुपके से शिकार के पास पहुंच जाता है।

बिना दिमाग के भी जिंदा हैं ये समुद्री जीव

नई दिल्ली। समंदर की अथाह गहराइयों में ऐसी अनगिनत कहानियां दबी हुई हैं, जिन्हें जानकर आज भी वैज्ञानिक हैरान रह जाते हैं। यहां का संसार जितना शांत दिखता है, उतना ही रहस्यमयी भी है। इसी रहस्यभरी दुनिया में कुछ ऐसे जीव भी पाए जाते हैं, जो बिना दिमाग के होते हुए भी हजारों साल से जीवित हैं और अपने अस्तित्व को बनाए हुए हैं। यह बात सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन समुद्र में रहने वाले स्पंज, जेलीफिश और स्टारफिश जैसे कई जीव बिना विकसित मस्तिष्क के भी पूरी तरह सक्रिय जीवन जीते हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि इन जीवों का शरीर इंसानों या अन्य जंतुओं की तरह काम नहीं करता। उदाहरण के तौर पर समुद्री स्पंज को पृथ्वी के सबसे प्राचीन जीवों में गिना जाता है। इनके पास न तो मस्तिष्क होता है और न ही दिल, फिर भी ये लंबे समय तक जीवित रहते हैं। स्पंज अपने शरीर में मौजूद सूक्ष्म छिद्रों के जरिए पानी को छानते हैं और उसी से भोजन व ऑक्सीजन हासिल करते हैं। उनका शरीर कोशिकाओं के जाल की तरह कार्य करता है, जो बिना किसी केंद्रीय नियंत्रण के भी जरूरी प्रक्रियाओं को संचालित करता रहता है।

इस गुफा में दिखती हैं 'भगवान की आंखें

सोफिया। दुनिया में कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जिन्हें देखकर लगता है मानो प्रकृति ने अपनी कल्पना की सारी सीमाएं तोड़ दी हों। कहीं चट्टानें इंसानी आकृतियों जैसी दिखती हैं तो कहीं गुफाओं के भीतर ऐसे रहस्यमयी आकार बन जाते हैं, जो विज्ञान से ज्यादा किसी चमत्कार जैसे लगते हैं। ऐसी ही एक अद्भुत जगह यूरोप के देश बुल्गारिया में मौजूद है, जिसे लोग 'भगवान की आंखें' के नाम से जानते हैं। यह जगह पहली नजर में ही लोगों को हैरान कर देती है। इस अनोखी गुफा का असली नाम प्रोहोदना गुफा है। इसकी सबसे खास बात इसकी छत पर बने दो विशाल गोल छेद हैं, जो बिल्कुल इंसानी आंखों जैसे दिखाई देते हैं। जब सूरज की किरणें इन छेदों से होकर गुफा के भीतर आती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे आसमान खुद अंदर झांक रहा हो। यही दृश्य इसे इतना खास बनाता है कि लोग इसे किसी दैवीय संकेत की तरह देखने लगते हैं।

फिल्मों में भी दिख चुकी है ये जगह

इस गुफा की खूबसूरती फिल्म निर्माताओं को भी आकर्षित कर चुकी है। साल 1988 में बनी फिल्म **Time of Violence** के कुछ दृश्य यहीं शूट किए गए थे। इसके बाद से यह जगह दुनियाभर के पर्यटकों के बीच और भी लोकप्रिय हो गई। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां घूमने के लिए कोई एंट्री फीस नहीं ली जाती। यह जगह हर समय पर्यटकों के लिए खुली रहती है। जो लोग प्रकृति, रहस्य, इतिहास और रोमांच इन सबका अनुभव एक साथ करना चाहते हैं, उनके लिए यह गुफा किसी सपनों की दुनिया से कम नहीं है।

प्रकृति, रहस्य, इतिहास और रोमांच का एक साथ अनुभव

बारिश में बनता है सबसे खूबसूरत दृश्य

इस गुफा का असली जादू बारिश के मौसम में देखने को मिलता है। जब बारिश का पानी इन आंखों जैसे छेदों से नीचे गिरता है, तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे आंखों से आंसू बह रहे हों। इसी वजह से लोग इन्हें 'भगवान के आंसू' भी कहते हैं। जो भी इस दौरान गुफा के अंदर खड़ा होता है, वह इस दृश्य को जीवनभर नहीं भूल पाता।

इतिहास और रहस्य से जुड़ी कहानी

यह गुफा क्वाटरनरी काल में बनी मानी जाती है, जो पृथ्वी के इतिहास का सबसे नया दौर है। इसकी लंबाई लगभग 880 फीट है और इसे बुल्गारिया की लंबी गुफाओं में शामिल किया जाता है। इतिहासकारों को यहां प्राचीन मानवों के रहने के संकेत भी मिले हैं, जिससे यह जगह केवल प्राकृतिक ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बन जाती है।

कहां स्थित है यह अद्भुत जगह?

यह गुफा बुल्गारिया की राजधानी सोफिया से लगभग दो घंटे की दूरी पर, लुकोवित नगर पालिका के कार्लुकोवो गांव के पास स्थित है। यह इलाका बुल्गारिया के सबसे बड़े कार्स्ट क्षेत्रों में गिना जाता है। कार्स्ट क्षेत्र वह होता है, जहां चूना पत्थर समय के साथ पानी में घुलकर गुफाएं, सुरंगें और अनोखी संरचनाएं बना देता है। इसी प्राकृतिक प्रक्रिया ने इस गुफा को भी एक अनोखा रूप दिया है।

कैसे बनीं आंखों जैसी ये आकृतियां?

हजारों वर्षों तक हवा, पानी और प्राकृतिक कटाव के असर से गुफा की छत पर ये दो बड़े छेद बन गए। समय के साथ इनका आकार इतना संतुलित और गोल हो गया कि ये बिल्कुल आंखों जैसे दिखने लगे। दिन के समय जब रोशनी इन छेदों से भीतर आती है, तो पूरी गुफा रोशनी से भर जाती है और यह दृश्य किसी जादू से कम नहीं लगता।

अनोखा देश, शहरों के बीच सफर के लिए नहीं है एक भी रोड

नूक। जब भी हम किसी देश की कल्पना करते हैं, तो हमारे दिमाग में चौड़ी सड़कें, लंबे हाईवे और शहरों को जोड़ने वाले रास्ते जरूर आते हैं। सड़कें किसी भी देश की पहचान मानी जाती हैं, क्योंकि इन्हीं के जरिए लोग एक जगह से दूसरी जगह आसानी से पहुंच पाते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा भी देश मौजूद है, जहां शहरों को आपस में जोड़ने के लिए कोई सड़क ही नहीं है?

दरअसल, इस अनोखे देश का नाम ग्रीनलैंड है। यह देश अपनी बेहद ठंडी जलवायु और विशाल बर्फीली चादरों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहां का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा मोटी बर्फ से ढका हुआ है। चारों तरफ फैले ग्लेशियर, ऊंचे पहाड़ और गहरी खाड़ियां इस जगह को बेहद अलग और कठिन बना देते हैं।

यही कारण है कि यहां शहरों और कस्बों को जोड़ने के लिए बड़े रोड नेटवर्क या नेशनल हाईवे नहीं बनाए जा सके हैं। छोटे कस्बों के अंदर कुछ सड़कें जरूर हैं, लेकिन एक शहर से दूसरे शहर तक जाने के लिए कोई सड़क मौजूद नहीं है।

फिर लोग सफर कैसे करते हैं?

अब आपके मन में एक सवाल जरूर आ रहा होगा कि अगर यहां सड़कें नहीं हैं, तो लोग एक जगह से दूसरी जगह कैसे जाते होंगे? ग्रीनलैंड में यात्रा का सबसे बड़ा साधन हवाई सेवा है। यहां छोटे विमान और हेलीकॉप्टर लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। कई जगहों पर नाव, जहाज और फेरी सर्विस का भी इस्तेमाल किया जाता है। सर्दियों में जब पूरा इलाका बर्फ से ढक जाता है, तब लोग स्नोमोबाइल और डॉग स्लेज का सहारा लेते हैं। डॉग स्लेज यानी कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली बर्फ गाड़ियां आज भी यहां यह इस्तेमाल होता है।

अपनी सुंदरता के लिए मशहूर है ग्रीनलैंड

ग्रीनलैंड सिर्फ अपनी अनोखी व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि शानदार प्राकृतिक नजारों के लिए भी काफी मशहूर है। यहां के विशाल ग्लेशियर, बर्फीले पहाड़ और आसमान में दिखने वाली नॉर्दर्न लाइट्स पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती हैं। यहां रहने वाला इनुइट समुदाय सदियों से इस कठिन मौसम में जीवन जीता आ रहा है। उनकी संस्कृति और जीवनशैली भी दुनियाभर के लोगों के लिए काफी दिलचस्प मानी जाती है।

मंगल ग्रह पर नासा को दिखा अदृश्य साया

वॉशिंगटन। रहस्यों से भरे ब्रह्मांड से एक ऐसी खबर आई है जिसने विज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। हमेशा से शांत और पथरीला दिखने वाला लाल ग्रह यानी मंगल इस समय एक बेहद अजीब दौर से गुजर रहा है। नासा के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक भयंकर सौर तूफान के बाद मंगल ग्रह का वायुमंडल रहस्यमयी तरीके से अंदर से सिकुड़ने लगा है। नासा के मेवेन स्पेसक्राफ्ट ने मंगल ग्रह के वायुमंडल के अंदर एक बहुत ही अजीब और अनोखी हलचल देखी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, किसी अज्ञात ताकत के कारण से मंगल ग्रह का वायुमंडल अंदर से सिकुड़ रहा है। ब्रह्मांड के इतिहास में पहली बार किसी ग्रह के वायुमंडल के भीतर ऐसी घटना देखने को मिली है। वायुमंडल सिकुड़ने से क्या मंगल ग्रह पर बड़ा खतरा आ सकता है? साइंस की दुनिया में इस घटना को ज्वॉन-वुल्फ इफेक्ट कहते हैं। इसमें मैग्नेटिक पावर के प्रभाव से चार्ज्ड पार्टिकल्स यानी आवेशित कण आपस में बुरी तरह से दबने या सिकुड़ने लगते हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि आज से पहले यह इफेक्ट सिर्फ अंतरिक्ष में ग्रहों के आस-पास ही देखा गया था, लेकिन पहली बार इसे किसी ग्रह के वायुमंडल के अंदर ऐसा कुछ हुआ है।

अक्सर मंगल पर होती रहती हैं ऐसी घटनाएं

इस खोज से यह समझने में मदद मिलेगी कि आखिर कैसे मंगल का वायुमंडल धीरे-धीरे अंतरिक्ष में गायब होता जा रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसी घटनाएं मंगल पर अक्सर होती रहती हैं, बस हमारी जानकारी में नहीं आती थीं।

कहां और कैसे हुई यह खोज?

नासा को इसकी जानकारी साल 2023 के दिसंबर में मिले डेटा की बारीकी से जांच करने के बाद मिली है। वैज्ञानिकों ने रिसर्च में पाया कि लाल ग्रह की सतह से लगभग 200 किलोमीटर ऊपर, उसके आयनोस्फीयर में यह हैरान कर देने वाली हलचल हुई है। मंगल ग्रह पर यह हलचल तब शुरू हुई जब वैज्ञानिकों को डेटा में कुछ अजीबोगरीब लहरें दिखाई दीं। पहले तो उन्हें लगा कि यह मशीन की समस्या हो सकती है, लेकिन जब मेवेन स्पेसक्राफ्ट के बाकी उपकरणों की जांच की गई, तो इस ज्वॉन-वुल्फ इफेक्ट की पुष्टि हुई।

सौर तूफान ने मचाई तबाही!

धरती के पास अपनी एक मजबूत चुंबकीय ढाल यानी मैग्नेटिक फील्ड है, जो हमें सूरज की खतरनाक किरणों से बचाती है। लेकिन, मंगल ग्रह के पास ऐसा कुछ नहीं है। यही कारण से जब एक भयंकर सौर तूफान मंगल से टकराया, तो उसके कण सीधे मंगल के वायुमंडल में प्रवेश कर गए और उन्होंने वहां भयंकर तबाही मचानी शुरू कर दी। जो मैग्नेटिक फील्ड धरती की रक्षा करती है, वही शक्ति मंगल के वायुमंडल को अंदर से सिकोड़ और बदल रही है।

अध्ययन

अन्य जानवरों से बेहद समझदार होते हैं गधे

गधा कहीं का! तारीफ से भरे हैं ये शब्द, घोड़े से भी ज्यादा होते हैं समझदार

नई दिल्ली। 'अरे गधे!'- हम अक्सर गुस्से या मजाक में किसी को कम अक्ल वाला बताने के लिए यह शब्द इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, वैज्ञानिक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह उलट दिया है। गधे बेवकूफ नहीं, बल्कि बेहद समझदार, सतर्क और भावनात्मक रूप से संवेदनशील जानवर हैं। उनकी बुद्धिमत्ता घोड़ों से कहीं ज्यादा मानी जाती है और कुछ अध्ययनों में तो इसे इंसानों की संज्ञानात्मक क्षमता से जोड़ा गया है।

जिद्दी क्यों कहे जाते हैं?

ज्यादातर लोग गधों को जिद्दी समझते हैं। असल में यह उनकी बुद्धिमत्ता का सबूत है। घोड़े खतरे में भागते हैं, जबकि गधे रुककर स्थिति का आकलन करते हैं। वे तभी आगे बढ़ते हैं जब उन्हें लगता है कि रास्ता सुरक्षित है। यह सतर्कता उनकी बुद्धि का प्रतीक है, ना कि मूर्खता का। कई अध्ययनों में पाया गया है कि गधे घोड़ों से ज्यादा समझदार हैं। वे स्वतंत्र सोच रखते हैं और बिना सोचे-समझे किसी काम को नहीं करते। समस्या समाधान में म्यूल (गधे-घोड़े के संकर) और गधे घोड़ों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता में भी वे आगे हैं। वे मालिक के साथ गहरे रिश्ते बनाते हैं और नरम व्यवहार पर अच्छा प्रतिसाद देते हैं।

भारत में गधों की स्थिति

भारत में गधे मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों, ईंट भट्ठों और ढुलाई के काम में इस्तेमाल होते हैं। लेकिन, इनकी देखभाल अक्सर खराब होती है। विश्व पशु संरक्षण संगठन जैसे संगठन गधों की बुद्धिमत्ता और संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए बेहतर व्यवहार की अपील करते हैं।

रिसर्च क्या कहती है?

2019 में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण अध्ययन (जर्नल ऑफ वेटरनरी बिहेवियर) में स्पेनिश वैज्ञानिकों ने 300 गधों पर गैर-मौखिक समस्या समाधान परीक्षण किया था। इसके नतीजे चौंकाने वाले थे– गधों की संज्ञानात्मक क्षमता इंसानों जैसी ही विरासत और विविधता के पैटर्न दिखाती है। आईक्यू टेस्ट में गधों का स्कोर मानव पैटर्न से काफी मिलता-जुलता पाया गया। अध्ययन का निष्कर्ष था कि गधों को 'किसी हद तक बुद्धिमान जानवर' माना जा सकता है। गधे जटिल समस्याएं हल करने, जोखिम का आकलन करने और पिछले अनुभवों से सीखने में माहिर हैं। वे लंबे समय तक लोगों, जगहों और घटनाओं को याद रखते हैं– कभी-कभी कई सालों तक।

इस देश में बच्चों से लेकर प्रधानमंत्री तक चलाते हैं साइकिल

नीदरलैंड्स की साइकिल संस्कृति की चर्चा अक्सर होती है। दुनिया में शायद ही कोई देश होगा, जहां पर लोग साइकिल को अहमियत देते हों। लेकिन, नीदरलैंड्स में बड़े नेता भी साइकिल चलाते दिखाई देते हैं। वहां के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रुटे को कई बार संसद तक साइकिल से जाते हुए देखा गया है। देश की राजधानी एम्स्टर्डम की साइकिल पहचान बन चुकी है। यहां पर बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक साइकिल चलाते नजर आते हैं।

एम्स्टर्डम। वर्तमान में नीदरलैंड्स को साइकिलों का स्वर्ग कहा जाता है। कभी इस देश में कारों का दबदबा तेजी से बढ़ गया था। 1950 और 60 के दशक में आर्थिक विकास के साथ ही देश में गाड़ियों की संख्या बढ़ी तेजी से बढ़ी। सड़क से साइकिलें धीरे-धीरे गायब होने लगीं, लेकिन सड़क हादसों में तेजी से बढ़ोतरी हुई। साल 1971 में नीदरलैंड्स में सड़क हादसों में हजारों लोगों की जान चली गई, जिनमें बड़ी संख्या बच्चों की थी।

हादसों के बाद लोगों ने चलाया अभियान

नीदरलैंड्स में हादसों के बाद लोगों की गुस्सा बढ़ गया। उन्होंने कारों के खिलाफ और सुरक्षित सड़कों के समर्थन में बड़े अभियान की शुरुआत कर दी। लोगों ने आंदोलन का नाम स्टॉप डी किंडरमोर्ड रखा, जिसका मतलब बच्चों की मौत रोको। सड़कों पर लोग साइकिल लेकर उतर गए। प्रदशनों को देखते हुए तत्कालीन सरकार ने कारों की स्पीड सीमित कर दी। इसके साथ ही नई डिजाइन वाली सड़कें बनाई गईं और साइकिल चालकों के लिए अलग रास्ते बनाए गए।

ये है रेगिस्तान की 'बुलेट ट्रेन' बिना पटरी के रेत में है

नई दिल्ली। रेगिस्तान की गर्म रेत पर एक ऐसा पक्षी दौड़ता है जो देखने में बुलेट ट्रेन जैसा लगता है। इसका नाम है रोड रनर (ग्रेटर रोडरनर)। लोग इसे रेगिस्तान की 'बुलेट ट्रेन' कहते हैं, क्योंकि यह बिना किसी पटरी के रेत पर आश्चर्यजनक तेजी से भागता है।

चीन और जापान की हाई-स्पीड ट्रेनों ने तो दुनिया को हैरान किया है, लेकिन प्रकृति ने रेगिस्तान में अपना एक अनोखा 'स्पीडस्टर' पैदा किया है। रोड रनर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका और मैक्सिको के रेगिस्तानी इलाकों में पाया जाता है। यह पक्षी उड़ने की बजाय जमीन पर दौड़ना ज्यादा पसंद करता है। अपनी स्पीड की वजह से इसकी तुलना बुलेट ट्रेन से की जाती है, लेकिन ऐसा सच नहीं है।

दौड़ने में है माहिर

इस पक्षी की अधिकतम दौड़ने की स्पीड 20-26 मील प्रति घंटा (लगभग 32-42 किलोमीटर प्रति घंटा) तक पहुंच सकती है। यह उड़ने वाले पक्षियों में सबसे तेज दौड़ने वाले पक्षी के रूप में रिकॉर्ड है। छोटे-छोटे फटकनों में यह और भी तेज हो जाता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह बेहतरीन शिकारी भी है। रोड रनर सांपों, छिपकलियों, कीड़ों, छोटे स्तनधारियों और यहां तक कि जहरीले रैटल स्नेक का भी शिकार कर लेता है। यह सांप को चोंच से मारकर या उसे पीटकर मार डालता है। इसकी तेज स्पीड और चतुराई उसे शिकार पकड़ने में मदद करती है। रोड रनर का शरीर लंबा और पतला होता है, पूंछ लंबी होती है जो संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इसके पैर मजबूत और तेज दौड़ने के लिए बने हैं। यह उड़ भी सकता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर ही उड़ता है। ज्यादातर समय यह जमीन पर चलता-दौड़ता रहता है।

खबर संक्षेप

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का राजस्व 1,895 करोड़ पहुंचा

मुंबई। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2026 के वित्तीय नतीजों की घोषणा करते हुए मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का चौथी तिमाही का राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 1,895 करोड़ रुपए रहा, जबकि ऑपरेटिंग एबिटा 46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 365 करोड़ रुपए पहुंच गया। कंपनी का कर पश्चात लाभ 361.7 करोड़ रुपए रहा।

भारत में माजा के पचास साल पूरे हुए

नई दिल्ली। कोका-कोला इंडिया माजा के 50 वर्षों का जश्न मना रहा है। 1976 में लांच होने के बाद से माजा भारत के आमों के प्रति प्रेम से गहराई से जुड़ा हुआ है, और बेहतरीन स्वाद, बचपन की यादों और विशिष्ट भारतीय पलों की एक मजबूत विरासत को संजोए हुए है। पांच दशकों से माजा परिचित साथी बना हुआ है। कोका-कोला इंडिया और दक्षिण-पश्चिम एशिया की वरिष्ठ विपणन - पोषण निदेशक, सुनैनिका सिंह ने कहा कि माजा ने आधी सदी भारतीयों के जीवन, दुकानों और यादों में अपनी जगह बनाने में बिताई है।

एलजी को मिला सबसे अधिक तिमाही राजस्व

नई दिल्ली। देश की अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (एलजीई इंडिया) ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के शानदार नतीजों की घोषणा की है। कंपनी ने इस तिमाही में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करते हुए संचालन से 80.54 बिलियन का राजस्व हासिल किया, पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 74.48 बिलियन था। कंपनी का एबिटडा मार्जिन वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 11.7 प्रतिशत रहा।

सैमसंग-गूगल के स्मार्ट चश्मों का लुक जारी

सियोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड और गूगल ने गूगल आईओ 2026 में नए इंटेलिजेंट आईवियर (स्मार्ट चश्मों) का अनावरण किया। कंपनी ने जेंटल मॉन्स्टर और वार्बी पार्कर जैसे प्रसिद्ध आईवियर पार्टनर्स के साथ मिलकर बनाए गए दो प्रीमियम स्टाइल के स्मार्ट चश्मों का पहला लुक पेश किया। यह नए स्मार्ट चश्मे मोबाइल फोन के साथी डिवाइस के रूप में काम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बीच सरकार के वित्त को सहारा

भारतीय रिजर्व बैंक ने भरी मोदी सरकार की झोली 2.86 लाख करोड़ रुपए का डिविडेंड किया ट्रांसफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के सेंट्रल बैंक भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र की मोदी सरकार को रिकॉर्ड 2.86 लाख करोड़ रुपये का भारी भरकम डिविडेंड ट्रांसफर किया। यह रिकॉर्ड सरप्लस ट्रांसफर वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत में सरकार के वित्त को सहारा देगा, क्योंकि सरकार वैश्विक ऊर्जा की बढ़ती कीमतों की चुनौती से निपटने की तैयारी कर रही है। यह डिविडेंड ट्रांसफर एक नया रिकॉर्ड है। आरबीआई के इस फैसले से पहले, विश्लेषकों ने अनुमान लगाया था कि डिविडेंड की रकम 2.7 लाख करोड़ रुपये से 3.5 लाख करोड़ रुपएके बीच होगी।

खास बातें

- आरबीआई ने केंद्र सरकार को रिकॉर्ड लाभांश हस्तांतरित किया
- कुल 2 .86 लाख करोड़ रुपए का भारी भरकम डिविडेंड

फाइल फोटो

पिछले साल आरबीआई ने दिया था 2.69 लाख करोड़ का डिविडेंड

पिछले वित्त वर्ष में, जो 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुआ, केंद्रीय बैंक ने सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए थे। इससे पहले, वित्त वर्ष 24 में 2.11 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया गया था। सरप्लस में यह वृद्धि ऐसे वर्ष के बाद हुई है जिसमें आरबीआई को मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव, विदेशी मुद्रा परिचालन से हुए लाभ और निवेश से प्राप्त रिटर्न से फायदा हुआ।

विदेशी मुद्रा संपत्तियों पर मूल्यांकन लाभ में बढ़ोतरी हुई

इस भारी-भरकम भुगतान में सबसे बड़ा योगदान वित्त वर्ष 2026 के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में हुई लगभग 10 फीसदी की गिरावट का था, जिससे आरबीआई की बैलेंस शीट का विस्तार हुआ और विदेशी मुद्रा संपत्तियों पर मूल्यांकन लाभ में बढ़ोतरी हुई। माना जाता है कि केंद्रीय बैंक ने मुद्रा बाजारों में सक्रिय हस्तक्षेप से भी लाभ कमाया है, क्योंकि उसने रुपये की अत्यधिक कमजोरी को रोकने के लिए डॉलर बेचे थे। आरबीआई ने एक बयान में कहाकि सेंट्रल बोर्ड ने अकाउंटिंग वर्ष 2025-26 के लिए सेंट्रल गवर्नमेंट को 2,86,588.46 करोड़ रुपए का सरप्लस ट्रांसफर करने की मंजूरी दे दी है। आरबीआई की कुल आय पिछले साल के मुकाबले 26.42 फीसदी बढ़ गई, जबकि रिस्क प्रोविजन से पहले का खर्च 27.6 फीसदी बढ़ गया। आरबीआई ने कहाकि रिस्क प्रोविजन और वैधानिक फंडों में ट्रांसफर से पहले, वित्त वर्ष 2026 में कुल शुद्ध आय 3,95,972.10 करोड़ रुपए रही, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह 3,13,455.77 करोड़ रुपए थी। आरबीआई की कुल इनकम पिछले साल के मुकाबले 26.42 फीसदीबढ़ी, जबकि रिस्क प्रोविजन से पहले का खर्च 27.6 फीसदी बढ़ा। आरबीआई। ने आगे कहा कि बैंक की बैलेंस शीट 31 मार्च 2026 तक 20.61 फीसदी बढ़कर 9197121.08 करोड़ रुपए हो गई।

वैश्विक मंच पर आयुर्वेद को मिली नई पहचान

आचार्य बालकृष्ण 'चैंपियन हेल्थ अवॉर्ड 2026' से सम्मानित हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हरिद्वार

योग, आयुर्वेद और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख प्रणेता आचार्य बालकृष्ण को वैश्विक मंच पर एक प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया है। मुंबई में आयोजित "बिलियनेयर्स फॉर पीस कॉन्क्लेव 2026" में उन्हें मैं शांतिदूत हूं - चैंपियन हेल्थ अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विश्व शांति, मानवता, स्वास्थ्य सेवा और वैश्विक कल्याण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

सम्मान

आयोजन और वैश्विक सहभागिता

यह सम्मान मैं शांतिदूत हूं अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया, जिसका उद्देश्य विश्वभर में शांति, न्याय, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। इस मंच से कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियाँ, नीति निर्माता, उद्योगपति और आध्यात्मिक नेता जुड़े हुए थे। यह सम्मान न केवल आचार्य बालकृष्ण के योगदान को मान्यता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद, योग और भारतीय चिकित्सा पद्धति की बढ़ती स्वीकार्यता का भी प्रतीक माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपलब्धि भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा और समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती प्रदान करती है।

आयुर्वेद और भारतीय परंपरा को वैश्विक मान्यता

सम्मान प्राप्त करने के बाद आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि एक स्वस्थ मानव ही शांतिपूर्ण समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, निरोग और सकारात्मक बनाने का वैज्ञानिक मार्ग है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना आज पूरी दुनिया को शांति, सह-अस्तित्व और समग्र स्वास्थ्य की दिशा दे रही है।

वैश्विक स्वास्थ्य और शांति पर जोर

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व मानसिक तनाव, असंतुलित जीवनशैली और स्वास्थ्य चुनौतियों से गुजर रहा है, जिसका समाधान प्रकृति, योग और आयुर्वेद में निहित है। उनके अनुसार, भारतीय ज्ञान परंपरा न केवल रोगमुक्त बल्कि तनावमुक्त जीवन की दिशा भी प्रदान करती है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने आयोजित किया खुदरा ऋण आउटरीच कार्यक्रम

जबलपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर द्वारा 22 मई 2026 को भव्य मेगा रिटेल क्रेडिट आउटरिच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरुषोत्तम मीणा, **DGM** केंद्रीय कार्यालय एवं अविनाश कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। समारोह में पधारे विभिन्न ग्राहकों को अध्यक्ष द्वारा रिटेल ऋण के रूप में तत्काल ऋण वितरण करते हुये चेक प्रदान किया गया, कैम्पेन के दौरान 49 करोड़ रुपये के रिटेल ऋण स्वीकृत किए गए, साथ ही लगभग 25 करोड़ रुपये के तत्काल ऋण वितरित किए गए जिसमें ग्राहकों में उत्साह का माहौल देखा गया। साथ ही अध्यक्ष द्वारा स्वतः बिल्डर की साइट विजिट की गई तथा वाहन वितरक से उनके व्यवसाय स्थल पर मुलाक़ात करके ऋण स्वीकृति के बारे में चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को सेंट्रल बैंक द्वारा चलाई जा रही ग्राहक हितोपरी विभिन्न रिटेल ऋण योजनाओं के बारे में जागरूक करना तथा

उन्हें बेहतर वित्तीय समाधानों के साथ अपने सपनों को साकार करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करना रहा है। बैंक महिला ग्राहकों को ध्यान में रखते हुये विशेष ब्याजदर छूट के साथ सेंट गृह लक्ष्मी होम लोन प्रदान करता है तथा अन्य लोन के रूप में सेंट होम लोन, सेंट वाहन लोन भी विशेष ऋण सुविधा के साथ प्रदान करता है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों को आसान और सुलभ क्रेडिट सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आयुक्त दीपशिखा ने दिया कराधान व्यवस्था में पारदर्शिता तकनीक और भरोसे पर जोर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय कराधान प्रणाली तेजी से डिजिटल, पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। यह बात मुंबई पश्चिम की आईआरएस आयुक्त, सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क दीपशिखा अरोरा ने सीआईआई क्षेत्रीय वार्षिक कराधान शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित सुधारों के जरिए कर प्रशासन और व्यावसायिक प्रक्रियाओं में व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। जीएसटी के तहत ई-इनवॉइसिंग, प्रणाली आधारित अनुपालन और रियल टाइम रिपोर्टिंग तंत्र को तेजी से अपनाया जा रहा है, जिससे कर व्यवस्था अधिक प्रभावी और पारदर्शी बन रही है।

सीआईआई कराधान शिखर सम्मेलन में बोलीं

करदाताओं तथा अधिकारियों के बीच विश्वास

दीपशिखा अरोरा ने कहा कि कर प्रशासन का अगला चरण पारदर्शिता बढ़ाने, प्रक्रियागत कमियों को दूर करने और करदाताओं तथा अधिकारियों के बीच विश्वास मजबूत करने पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि कराधान का भविष्य तीन प्रमुख सिद्धांतों -पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और विश्वास पर आधारित होगा। तकनीक अनुपालन को और मजबूत बनाएगी, पारदर्शिता मनमानी को कम करेगी और जवाबदेही बढ़ाएगी, जबकि समय पर और सटीक अनुपालन से भरोसा मजबूत होगा।

एक घर, एक गैस कनेक्शन, अब नहीं चलेंगे रसोई में दो-दो चूल्हे

सरकार का नया नियम आगामी 1 जुलाई से होगा लागू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव की वजह से देश में एलपीजी की थोड़ी किल्लत (शॉर्टेज) चल रही है। सरकार इस समस्या से निपटने के लिए तेजी से पाइप वाली गैस का नेटवर्क बढ़ा रही है। इसी बीच सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसे 'नो ड्यूल कनेक्शन' नियम कहा जा रहा है। आगामी 1 जुलाई से पूरे देश में यह नियम लागू होने जा रहा है। इसके मुताबिक कोई भी परिवार एक साथ दो-दो सरकारी सब्सिडी का फायदा नहीं उठा सकता। अगर घर में पाइप वाली गैस (चल रही है, तो आप सरकारी एलपीजी सिलेंडर नहीं रख सकते। सरकार का मानना है कि जब एक घर में पाइप से गैस आ रही है, तो सिलेंडर किसी ऐसे जरूरतमंद को मिलना चाहिए जिसके पास पाइप वाली गैस की सुविधा नहीं है। सरकार ने इसके लिए 30 जून तक की मोहलत दी है।

एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने जारी किया आदेश

कृषि उपज मंडियों के अब सहायक उप निरीक्षकों का पदनाम 'उप निरीक्षक'

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने सहायक उप निरीक्षक संवर्ग का पदनाम बदलकर 'उप निरीक्षक' कर दिया है। यह निर्णय बोर्ड की 145वीं संचालक मंडल बैठक में प्रस्ताव क्रमांक-04 के अनुसार लिया गया। मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम-1972 में किए गए संशोधनों के तहत प्रतिस्थापित धारा-26 के प्रावधानों के अनुसार नई सेवा 'राज्य मंडी बोर्ड सेवा' का गठन किया गया।

इस सेवा में पूर्व की राज्य विपणन सेवा के सभी वर्ग, बोर्ड

सेवा के सदस्य और मंडी समिति सेवा के सहायक उप निरीक्षक शामिल हैं। बोर्ड के अनुसार यह कदम अधिनियम की धारा-26(2) और धारा-81(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में लिया गया है। पदनाम परिवर्तन का उद्देश्य सेवा संरचना को सुव्यवस्थित करना और अधिकारियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना है। मंडी बोर्ड एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने यह आदेश डिजिटल हस्ताक्षरित रूप में जारी किया गया है।

सरकार सेंट्रल बैंक में 8 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, शेयर में 5 फीसदी से ज्यादा गिरावट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी 8 प्रतिशत हिस्सेदारी ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए बेचने का फैसला किया है। सरकार ने इस ओएफएस के लिए 31 रुपए प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है, जो बैंक के गुरुवार के बंद भाव 33.94 से करीब 8.5 प्रतिशत कम है। सरकार के इस फैसले का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला।

शुक्रवार 22 मई को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई और शेयर करीब 32 रुपए के स्तर पर कारोबार करता दिखाई दिया। पिछले एक महीने में बैंक का शेयर 13 प्रतिशत से ज्यादा टूट चुका है। डिपार्टमेंट ऑफ इंवेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट द्वारा जारी नोटिस के अनुसार यह ओएफएस नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए 22 मई 2026 को खुलेगा। वहीं, रिटेल निवेशक और बैंक कर्मचारी 25 मई 2026 को बोली लगा सकेंगे। दोनों दिन निवेशक सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक बोली लगा पाएंगे। वर्तमान में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सरकार की हिस्सेदारी 89.27 प्रतिशत है। यह बिक्री सरकार की विनिवेश नीति और न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता नियमों के अनुपालन की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। ऑफर डॉक्यूमेंट के मुताबिक, नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित शेयरों में से कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियों को आवंटित किया जाएगा। बशर्ते उनकी बोलियां फ्लोर प्राइस या उससे अधिक पर हों। साथ ही नॉन-रिटेल निवेशकों को अपने अनअलॉटेड बिड्स अगले कारोबारी दिन तक कैरी फॉरवर्ड करने की सुविधा भी दी गई है।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे घूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
बस्तों की कमजोरी बादमीं, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नहीं तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330
सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 6234

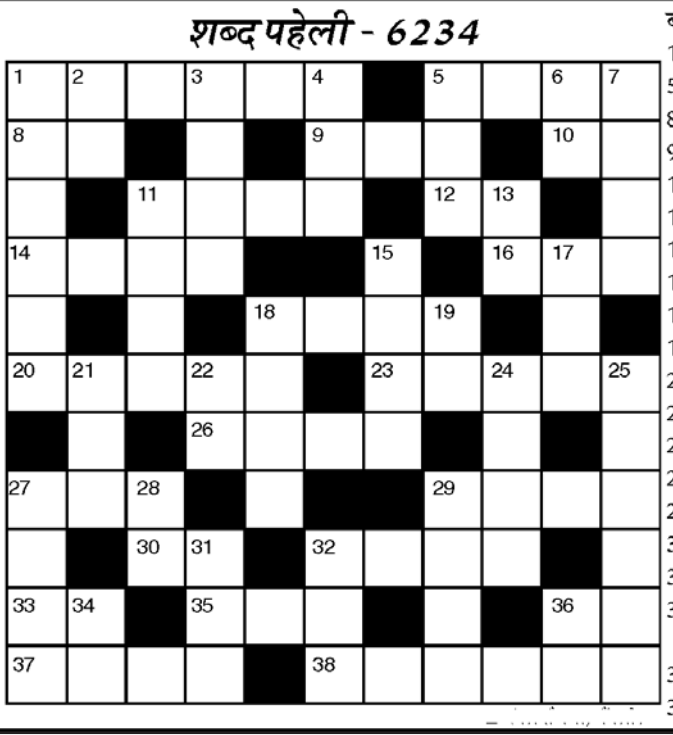

बाएँ से दाएँ
1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.ग्रह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे
1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली- 6233 का हल

ह	ल	च	ल		टा		द	वा	खा	ना
	क्ष्य		व		ल	क	वा		र	ज
ज			कु	सु	म		त			बी
ब	द	मा	श		टो	ना		शौ	त	न
र		हि		फा	ल		प्रा		न	
न	ग	र	वा	सी		ग	ण	ना	य	क
	र		द		मा	ली		पा		ल
अ	ल	ग		म	न		वौ	की	दा	र
प			चि		सि	स	की			व
रा	ज		क	न	क		दा		मे	
घ	ड़	क	न		ता		शी	मा	ला	गू

सूडोकु नवताल - 6244

कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SEMACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6243 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

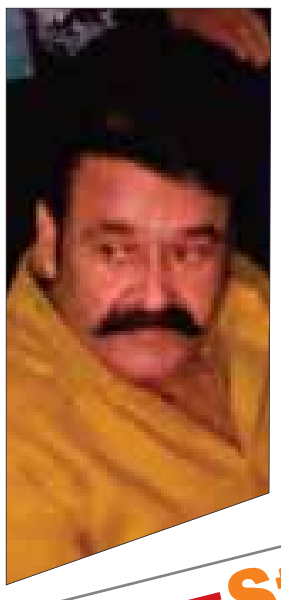

दृश्यम 3 के स्क्रीनिंग के दौरान इमोशनल हुए मोहनलाल

मुंबई। मोहनलाल की मच अवेटेड फिल्म 'दृश्यम 3' 21 मई को रिलीज हुई। खास बात यह है कि इसी दिन अभिनेता ने अपना 66वां जन्मदिन भी मनाया। फिल्म को लेकर लगातार शानदार रिव्यू सामने आ रहे हैं। इसी बीच मोहनलाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह दर्शकों का रिएक्शन देखकर इमोशनल हो जाते हैं। अपनी फिल्म 'दृश्यम 3' के फर्स्ट डे, फर्स्ट शो स्क्रीनिंग के दौरान मोहनलाल काफी इमोशनल नजर आए। वायरल वीडियो में मोहनलाल अपनी की टीम के साथ थिएटर में बैठे नजर आ रहे हैं। फैंस के साथ फिल्म का फर्स्ट डे, फर्स्ट शो देखते हुए अभिनेता काफी भावुक हो गए और अपनी आंखों से आंसू पोंछते दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने तालियां बजा रहे एक दर्शक का हाथ जोड़कर धन्यवाद भी किया।

लाइफ Style

रिद्धि

फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद न रखें

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने हाल ही में एक पोस्ट साझा की है, जिसमें वह युवा लड़कियों को एक खास मैसेज दे रही हैं। यह संदेश कहीं ना कहीं जाकर मॉडल त्विशा शर्मा मौत मामले से जुड़ता है। बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल त्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। रिपोर्ट में पुष्टि हुई थी कि त्विशा की मौत फांसी लगाने से हुई, यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं। रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।' रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए। शादी प्यार और सम्मान के लिए कीजिए।'रिद्धि ने शादी में किसे दूसरे के दखल को लेकर भी कुछ काफी कुछ लिखा।

हॉलीवुड मसाला

रिकी के लाइव शो में मचा बवाल...

लॉस एंजिल्स। सिंगर रिकी मार्टिन के कॉन्सर्ट के फैंस दीवाने हैं। उनके लाइव टूर के दौरान एक फैन ने ऐसी हरकत कर दी, जिससे कॉन्सर्ट के रंग में भंग पड़ गया। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति पर जल्द काबू पा लिया। जिसके बाद कॉन्सर्ट दोबारा शुरू कर दिया गया। गायक रिकी मार्टिन का इन दिनों एक लाइव टूर पर हैं। जिस वजह से मॉन्टेनेग्रो में उनके एक शो का आयोजन हुआ था। फैंस स्टेज के नीचे उनके गानों पर झूम रहे थे। सिंगर स्टेज पर गा रहे थे। उसी दौरान एक फैन ने स्टेज की तरफ आंसू गैस का छिड़काव कर दिया। जिससे शो के दौरान अफरा- तफरी मच गई। जिसके बाद मार्टिन को स्टेज से सुरक्षित ग्रीन रूम में ले जाया गया। दूसरी तरफ सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों नें स्थिति सामान्य कर ली। रिकी मार्टिन ने अपने करियर की शुरुआत 12 साल की उम्र में।

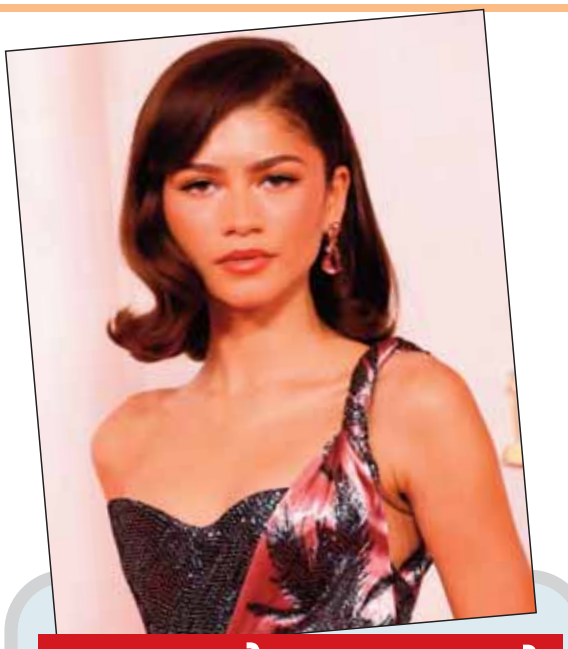

स्पाइडर मैन: ब्रांड न्यू डे में काम करना सपनों जैसा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार जेंडाया और टॉम हॉलैंड फिल्मी दुनिया के मशहूर कपल हैं। दोनों पार्टनर होने के साथ-साथ को स्टार्स भी हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने टॉम हॉलैंड के साथ अपनी आगामी फिल्म 'स्पाइडर मैन: ब्रांड न्यू डे' की शूटिंग के दौरान के अनुभव साझा किए। एक्ट्रेस जेंडाया ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'फिल्म 'स्पाइडर मैन: ब्रांड न्यू डे' में काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा है। यहां मुझे हर दिन अपने सबसे अच्छे दोस्त और सबसे करीबी व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिलता है। हम अपने पेट डॉग को भी काम पर लाते हैं। यह एक पारिवारिक माहौल जैसा है। हम इन फिल्मों को देखते हुए बड़े हुए हैं। इस फिल्म के सेट पर घर लौटने जैसा महसूस होता है।' जेंडाया ने अपनी और टॉम की दूसरी फिल्म 'द ओडिसी' के बारे में भी काफी कुछ कहा। उन्होंने बताया कि इसमें टॉम के साथ उनका कोई एक्शन सीन नहीं है जिससे उन्हें टॉम को सेट पर काम करते देखने का मौका मिलता है। उन्हें इस फिल्म पर काम करते देख उन्हें गर्व महसूस होता है। बता दें, 'द ओडिसी' 17 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इसमें जेंडाया ने एथेना का किरदार निभाया है जो ज्ञान की देवी है और ओडीसियस की रक्षक भी।

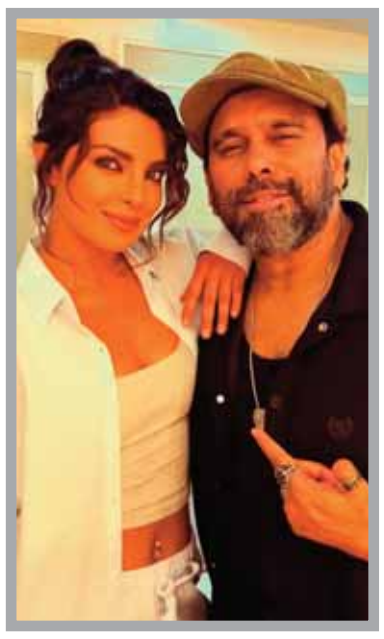

बॉस्को और प्रियंका की दोस्ती के हुए 25 साल

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने सोशल मीडिया पर ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा के साथ अपनी कई खूबसूरत तस्वीर शेयर की हैं। दोनों के कामकाजी रिश्ते को 25 साल पूरे हो चुके हैं, जिसका जश्न मनाते हुए बॉस्को ने एक खास पोस्ट और नोट सोशल मीडिया पर शेयर किया है। बॉस्को की इस पोस्ट पर प्रियंका ने दिलचस्प जवाब दिया है। बॉस्को मार्टिस ने इंस्टाग्राम पर अपने साथ प्रियंका चोपड़ा की कई तस्वीरें और सेल्फी शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ बॉस्को ने कैप्शन में लिखा, '25 साल पूरे और यह सफर आगे भी जारी रहेगा। प्रियंका, आपकी एनर्जी कमाल की है। आपके साथ काम करना हमेशा बहुत मजेदार होता है।' इस तस्वीर में प्रियंका चोपड़ा सफेद रंग की स्टाइलिश ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि बॉस्को ब्लैक कपड़ों और कैप में कूल नजर आ रहे हैं।

सुहाना के जन्मदिन पर अनन्या शनाया ने लुटाया प्यार

मुंबई। शुक्रवार को शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने अपना 26वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर सुहाना खान की दोस्त और बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे और शनाया कपूर ने सोशल मीडिया पर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।शनाया कपूर ने अपनी सबसे अच्छी दोस्त सुहाना खान को जन्मदिन की बधाई देते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों रंग-बिरंगी यूरोपीय इमारतों और नावों के सामने एक साथ पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ शनाया ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे माई सु। लव यू फॉर लाइफ। जिंदगी भर के लिए ढेर सारा प्यार। सुहाना ने शन्या की इस पोस्ट को लाइक किया और इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दोबारा शेयर किया। अनन्या पांडे ने भी अपनी दोस्त सुहाना को जन्मदिन की खास बधाई देते हुए इंस्टाग्रम स्टोरी पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की है।

टीवी मसाला

महिलाओं की सबसे बड़ी मुश्किल हल करती है 'हूज योर' सीरीज

नई दिल्ली। महिलाओं के यौन स्वास्थ्य से जुड़े कई मिथ्य, रूढ़ियां, और संकोच होते हैं, जो आज के प्रोग्रेसिव समय में भी देखने को मिलते हैं। हूज योर गायनेक सीजन एक स्त्री रोग विशेषज्ञ के जरिए इन्हीं समस्याओं पर गहरी बात करती है। साल 2023 में आई सबा आजाद की वेब सीरीज हूज योर गायनेक का आधार महिलाओं के यौन समस्याओं के प्रति जागरुकता थी। अब एमएक्स प्लेयर पर आया दूसरा सीजन उन समस्याओं को लेकर आया है, जिसे ज्यादातर महिलाएं इग्नोर करती हैं। कहानी पहले सीजन से आगे बढ़ती है। इस बार डॉक्टर विदुषी (सबा आजाद) के सामने नई चुनौतियां हैं। इस बार लव लाइफ तो ट्रैक पर है, लेकिन करियर पर खतरा मंडरा रहा है। उसे अपना क्लीनिक बचाना है, जिसका रेंट भरने तक के उसके पास पैसे नहीं है और क्लीनिक बंद होने की कगार पर आ खड़ा है। साथ ही साथ वह अपनी उस बेस्ट फ्रेंड को मदरहुड गिल्ट व पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बाहर निकालने की कोशिश करती है, जिसकी डिलीवरी उसने की है। पांच एपिसोड्स के जरिए डॉक्टर विदुषी निजी जिंदगी में चुनौतियों के साथ-साथ महिलाओं के यौन संबंधी समस्याओं पर गहरी बात करती है। सीरीज में अलग-अलग केस के जरिए मदर गिल्ट, पोस्टपार्टम डिप्रेशन, हार्मोनल डिसबैलेंस के चलते बेबी कंसीव न करना, पीरियड इंटीमेसी मिथ्य, सेल्फ केयर, आइडेंटिटी, बढ़ती उम्र में पीरियड के खत्म होने के दौरान महिलाओं को होने वालीं दिक्कतें, सी-सेक्शन कराने का डर समेत कई समस्याओं को दिखाया गया है।

खतरों के खिलाड़ी 15 में भिड़ेंगे ये प्रतिभागी

नई दिल्ली। इस बार टीवी और फिल्मों के चर्चित सेलेब्स 'खतरों के खिलाड़ी 15' का हिस्सा बन रहे हैं। शो के होस्ट रोहित शेट्टी के साथ सभी प्रतियोगी साउथ अफ्रीका के लिए रवाना हो चुके है। 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। इसमें भाग लेने वाले 13 प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार हैं। गौरव खन्ना टीवी के चर्चित एक्टर हैं, कई हिट सीरियल्स का वो हिस्सा रहे हैं। सीरियल अनुपम से उन्हें खूब पॉपुलैरिटी मिली। सीरियल 'बालिका वधू' के जरिए अविका गौर घर-घर मशहूर हुईं। सीरियल 'ये हैं मोहब्बतें' में रूही का किरदार रुहानिका धवन ने निभाया था, इस सीरियल में उन्होंने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया। अब वह बड़ी हो चुकी हैं। मॉडल, एक्ट्रेस फराहान भट्ट रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' का हिस्सा बनकर लाइमलाइट में आई थीं। एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन भी टीवी सीरियल की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। वह टीवी एक्टर अली गोनी को डेट कर रही हैं। जैस्मिन अपने चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। ओरी सोशल मीडिया पर एक इंफ्लुएंसर के तौर पर फेमस हैं।

आराध्या संग कान फेस्टिवल के लिए रवाना हुईं ऐश्वर्या

मुंबई। ऐश्वर्या राय हाल ही बेटी आराध्या के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं और कहा जा रहा है कि वह कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने गई हैं। पिछले दिनों जब ऐश्वर्या उस इंटरनेशनल कॉस्मेटिक ब्रांड के वीडियो में नहीं दिखीं, जिसकी वह कई साल से एंबेसेडर हैं और Cannes में प्रमोट करती रही हैं, तो फैंस भड़क गए थे। ऐश्वर्या भी पब्लिक की नजरों से गायब थीं, जबकि कान के रेड कार्पेट पर आलिया भट्ट से लेकर बाकी सेलेब्स नजर आ रहे थे। यहां तक कि आलिया का पोस्टर भी ब्रांड के वीडियो में था। अब जब ऐश्वर्या कान जाने के लिए निकलीं और एयरपोर्ट पर नजर आईं, तो फैंस खुशी से झूम उठे। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा हुआ, जिससे खुद ऐश्वर्या तो चौंक गईं पर उनके जेस्चर ने फैंस का दिल जीत लिया। दरअसल, जब ऐश्वर्या एयरपोर्ट पर पहुंचीं, तो अफरा-तफरी में किसी की चप्पल वहां निकल गई। उसे देख ऐश्वर्या रुकीं और इशारा करके पूछा कि किसकी है और फिर पपाराजी से 'केयरफुल' रहने को कहा। इसके बाद एक फैन ने

ऐश्वर्या से तस्वीर खिंचवाने की गुजारिश की, तो वह हंसी-खुशी मान गईं। उसके साथ पोज दिए और पपाराजी को बाय बोलकर आगे बढ़ गईं। ऐश्वर्या जल्दी में थीं, फिर भी उन्होंने फैंस और पपाराजी को वक्त दिया। उनकी इसी अदा ने यूजर्स का दिल जीत लिया है।

पूजा ने आमिर के साथ साझा की पुरानी तस्वीरें

मुंबई। 90 के दशक की फिल्में, गाने और सेलेब्स की जोड़ियां आज भी सिनेमाप्रेमियों की पहली पसंद हैं। इस बीच अभिनेत्री व फिल्ममेकर पूजा भट्ट ने आमिर खान के साथ 90 के दशक की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरें किसी फोटोशूट की मालूम पड़ती हैं। हालांकि, पूजा ने इन तस्वीरों के पीछे की कहानी को लेकर जो कुछ कहा है, उसको लेकर फैंस और भी उत्साहित हैं और इनके पीछे की कहानी जानना चाहते हैं। पूजा भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर आमिर खान के साथ 90 के दशक के एक फोटोशूट की दो तस्वीरें साझा की हैं। ये पुरानी तस्वीरें मशहूर फोटोग्राफर गौतम राज्याध्यक्ष ने खींची थीं। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए पूजा ने कैप्शन में लिखा, 'एक दिन मैं गौतम राज्याध्यक्ष के ह्यूजेस रोड स्थित आलीशान घर की बालकनी में खींची गई इन तस्वीरों के पीछे की कहानी जरूर साझा करूंगी। लेकिन, अभी नहीं। इससे पहले आमिर को याद दिला दूं और जितेश पिल्लई को (जैसा कि मैंने बहुत समय पहले वादा किया था) सारी जानकारी देकर उन्हें खुश कर दूं। तस्वीरों में आमिर और पूजा यंग नजर आ रहे हैं। दोनों ने मैचिंग करते हुए सफेद रंग के कपड़े पहने हुए हैं। दोनों साथ में प्यारा पोज दे रहे हैं। पूजा भट्ट और आमिर खान ने 1991 की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दिल है के मानता नहीं' में एक साथ काम किया था। इसका निर्देशन पूजा भट्ट के पिता और दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट ने किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसके गाने आज भी कई लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल हैं। फिल्म में आमिर ने पत्रकार रघु जेटली का किरदार निभाया था, जबकि पूजा ने अमीर घर की वारिस पूजा धर्मचंद की भूमिका निभाई थी। पूजा भट्ट हाल ही में 'बॉम्बे बेगम्स' और 'बिग बॉस ओटीटी 2' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आईं। जबकि आमिर खान पिछले साल आई फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में अपने बेटे जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' को प्रोड्यूस किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी।

खास अंदाज में दिखे सितारे

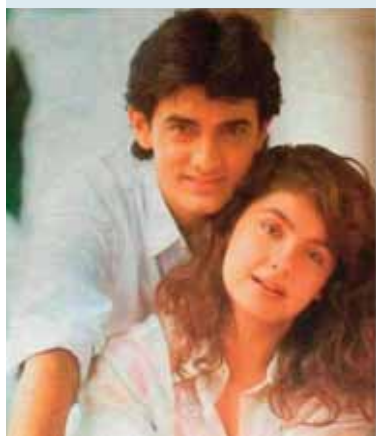

बहुत पसंद किया गया यह गाना, लिरिक्स में छिपा है पिता का दर्द

बेटे से बिछड़ने के गम में लिखा गाना, लव सॉन्ग समझकर गाते हैं लोग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आ लौट के आजा मेरे मीत... गाना सुनकर ज्यादातर लोगों को लगता है कि यह प्रेमी-प्रेमिका के विरह का गाना है। पर इस गाने के बनने की कहानी बेहद इमोशनल करने वाली है। हकीकत जानने के बाद जब आप इसके बोल ध्यान से पढ़ेंगे तो अहसास होगा कि इसमें एक पिता का दर्द छिपा है। यह गाना रानी रूपमति का है। इसे पंडित भरत व्यास ने लिखा था। यही नहीं, उनका एक और गाना अपने बेटे से बिछड़ने के बाद का जिनमें एक पिता की पीड़ा महसूस की जा सकती है। यह कहानी कम लोग जानते हैं।

बेटे की याद में आ लौट के आ जा मेरे मीत

इसके बाद रानी रूपमति के गाने 'आ लौट के आ जा मेरे मीत' में भी भरत व्यास ने बेटे की याद में लिखा था। अब आप जब इस गाने को सुनेंगे या लिरिक्स पढ़ेंगे तो उनका कलेजा चीरने वाला दर्द साफ पता चलेगा। यह गाना बहुत पसंद किया गया। अच्छी बात यह थी इसके बाद उनका बेटा वापस आ गया।

ऐसे लिखा जरा सामने तो आ छलिए

बच्चे की तलाश जारी थी। हर जतन किया जा रहा था। दूसरी ओर भरत व्यास का काम से मन हट गया। वह गुमसुम रहने लगे और चिड़चिड़े हो गए। बताया जाता है कि एक दिन एक प्रोड्यूसर ने उनसे गाना लिखने की दरख्वास्त की। भरत परेशान थे, उन्होंने गुस्से में ना कह दिया। उनकी पत्नी ने निर्माता से कहा कि वह उन्हें समझाएंगी। भरत की पत्नी ने उन्हें समझाया तो वह राजी हो गए। भरत व्यास ने 'जरा सामने तो आ ओ छलिए' गाना अपने बेटे की याद में लिखा। गाने को लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी ने गाया।

पिता की वेदना से निकला था गाना

आ लौट के आजा मेरे मीत, जरा सामने तो आओ छलिये ये दो गाने भरत व्यास ने अपने बेटे से बिछड़ने के बाद लिखे थे। 1957 की म्यूजिकल हिट 'जनम जनम के फेरे' का एक गाना आज तक सुना जाता है। फिल्म रिलीज के वक्त यह रेडियो पर प्रसारित होता था और लोगों ने इसे बहुत पसंद किया। गाना दिल की गहराई तक उतरता है। कम लोग जानते हैं कि गाने को बोलों में छिपी वेदना एक पिता की संवेदना से आई थी। गाना भरत व्यास ने उस वक्त लिखा था जब वह अपने बेटे के रूठकर कहीं चले जाने के दर्द से गुजर रहे थे।

नाराज होकर चला गया था बेटा

भरत व्यास का बेटा श्याम सुंदर दास बहुत लाडला था। छोटी-छोटी बातों का उस पर गहरा असर हो जाता था। एक दिन वह अपने पिता की किसी बात से नाराज हो गया। गुस्से में घर से चला गया। बेटे को बहुत खोजा गया। विज्ञापन दिए, पोस्टर लगाए। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे हर जगह प्रार्थना की। बेटा नहीं मिला। भरत व्यास इस दर्द में थे। बेटे के जाने का गम उन्हें खाए जा रहा था। वह डिप्रेशन में जाने लगे और अपराधबोध में आ गए।

नेट बॉलर से बने आईपीएल के स्टार गेंदबाज, फ्रेंचाइजी ने जताया भरोसा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग की पहचान बन चुके लंबे छक्के, साहसिक स्कूप शॉट और आखिरी ओवरों में होने वाली ताबड़तोड़ बल्लेबाजी में नेट गेंदबाजों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन टेलीविजन की चकाचौंध से दूर होने के कारण उन्हें वह श्रेय नहीं मिलता, जिसके वह हकदार हैं। जहां एक तरफ फ्रेंचाइजी के सुपरस्टार करोड़ों रुपए कमाते हैं और सुर्खियों में छाए रहते हैं, वहीं दूसरी ओर गुमनाम युवा तेज गेंदबाजों और स्पिनरों की एक फौज हफ्तों तक अभ्यास नेट में गेंदें फेंकती रहती है और क्रिकेट की सबसे आकर्षक लीग में से एक में महत्वपूर्ण अभ्यास साझेदार के रूप में काम करती है।

मिलते हैं 7 हजार रुपए

आईपीएल मानकों के हिसाब से उनकी कमाई मामूली होती है। उन्हें प्रतिदिन लगभग 5,000 से 7,000 रुपए मिलते हैं लेकिन इससे मिलने वाला अनुभव अमूल्य होता है।

खिलाड़ियों के लिए अनोखा प्रशिक्षण

कई खिलाड़ियों के लिए यह क्रिकेट का सबसे अनोखा प्रशिक्षण होता है। उन्हें इस खेल के सबसे बड़े खिलाड़ियों को लगातार गेंदबाजी करनी होती है। इस दौरान उन्हें अक्सर जसप्रीत बुमराह के यॉर्कर, सुनील नारायण की रहस्यमयी स्पिन या मिचेल स्टार्क की बाएं हाथ की तूफानी गेंदों की नकल करने के लिए कहा जाता है। आईपीएल फ्रेंचाइजी आमतौर पर अपने साथ तीन से पांच विशेषज्ञ नेट गेंदबाज रखती हैं। इसके अलावा मेजबान राज्य संघों और क्लब भी विभिन्न स्थानों पर स्थानीय गेंदबाजों की व्यवस्था करते हैं।

नेट बॉलर से आईपीएल कॉन्ट्रेक्ट हासिल करने वाले क्रिकेटर

चेतन साकरिया

गुजरात से आने वाला यह पेसर आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों का हिस्सा बनने से पहले नेट बॉलर था। साकरिया ने नेट्स में राजस्थान और मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों को प्रैक्टिस कराई। इसके बाद उन्हें ट्रायल्स के लिए बुलाया गया। राजस्थान ने इस गेंदबाज को बाद में 2021 आईपीएल ऑक्शन में 1.20 करोड़ रुपए में लिया था।

उमरान मलिक

जम्मू कश्मीर से आने वाले इस तेज गेंदबाज का भी आईपीएल से कनेक्शन नेट बॉलर के तौर पर ही जुड़ा। टी नटराजन चोटिल हुए तो उन्हें रिप्लेसमेंट के तौर पर ले लिया गया। अगले सीजन से पहले हैदराबाद ने उमरान को चार करोड़ रुपए में रिटेन किया।

गुरनूर बराड़

हाल ही में भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ के लिए आईपीएल का रास्ता नेट्स के जरिए ही खुला। वे पंजाब किंग्स के साथ नेट बॉलर थे। इस टीम के तत्कालीन कप्तान शिखर धवन ने नेट्स में उनकी पेस और उछाल को देखते हुए शामिल करने की सिफारिश की। पंजाब ने इस बॉलर को ले लिया। वे एक ही मैच खेल सके। अभी गुजरात टाइटंस के साथ हैं। साथ ही काफी समय से लगातार भारतीय टेस्ट स्क्वॉड के नेट बॉलर हैं।

नमन तिवारी

यूपी से आने वाले पेसर नमन तिवारी को आईपीएल 2026 के ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने लिया। उन पर एक करोड़ रुपए की बोली लगी। इससे पहले दो सीजन तक यह गेंदबाज इसी टीम के साथ बतौर नेट बॉलर काम कर रहा था।

आकाश मधवाल

उत्तराखंड से आने वाला यह पेसर आईपीएल में मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेला है। इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया। आकाश मधवाल भी नेट बॉलर के तौर पर आईपीएल टीमों की नजरों में आए।

कुमार कार्तिकेय

मध्य प्रदेश से आने वाले बाएं हाथ के इस स्पिनर को मुंबई की तरफ से 2022 में आईपीएल खेलने का मौका मिला था। उन्हें पेसर अरशद खान के रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया गया। कुमार कार्तिकेय पहले मुंबई के साथ बतौर नेट बॉलर काम कर रहे थे।

ये खिलाड़ी भी नेट बॉलर रहने के बाद बने आईपीएल का हिस्सा

इनके अलावा कृष भगत (मुंबई इंडियंस), फजलहक फारुकी (चेन्नई सुपर किंग्स), क्रेंस फुलेत्रा (सनराइजर्स हैदराबाद), यश राज पंजा (राजस्थान रॉयल्स), रघु शर्मा (मुंबई इंडियंस), हर्ष दुबे (सनराइजर्स हैदराबाद), अशोक शर्मा (गुजरात टाइटंस), इशान मलिंगा (सनराइजर्स हैदराबाद), आकाश दीप (कोलकाता नाइट राइडर्स), गुरजपनीत सिंह (चेन्नई सुपर किंग्स) जैसे गेंदबाज भी आईपीएल नेट्स में कमाल करते हुए टूर्नामेंट का हिस्सा बने।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	13	9	4	18
गुजरात	14	9	5	18
हैदराबाद	13	8	5	16
राजस्थान	13	7	6	14
पंजाब	13	6	6	13
कोलकाता	13	6	6	13
चेन्नई	14	6	8	12
दिल्ली	13	6	7	12
मुंबई	13	4	9	8
लखनऊ	13	4	9	8

ऑरेंज कैप

साईं सुदर्शन
638 रन
गुजरात

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

आज शाम 7.30 बजे से पंत और अय्यर की टीमों में मुकाबला

हार से आहत पंजाब, एलएसजी के खिलाफ बड़ी जीत की जरूरत

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लगातार छह मैच में हार से आहत पंजाब किंग्स की टीम को इस निराशा को भुलाकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने की अपनी धुंधली उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए शनिवार को होने वाले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। पंजाब ने अपने पहले 6 मैच जीते थे लेकिन 25 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रिकॉर्ड 265 रन का लक्ष्य हासिल करने के बाद से उसका अभियान नाटकीय रूप से चरमरा गया। पिछली बार की उपविजेता टीम पंजाब किंग्स पहले 7 मैचों में 6 जीत के साथ खिताब की असली दावेदार लग रही थी लेकिन लगातार 6 हार झेलने के कारण उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अधर में लटक गई हैं।

नहीं चल पा रहा पंजाब किंग्स का मध्य क्रम

पंजाब का मध्य क्रम भी नहीं चल पा रहा है जबकि उसकी फील्डिंग भी काफी खराब रही है। जहां तक एलएसजी का सवाल है तो इस सत्र में उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। वह पिछले 10 मैचों में सिर्फ दो जीत हासिल करने के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गया है।

एलएसजी की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी का शानदार प्रदर्शन

एलएसजी ने अपने घरेलू स्टेडियम में हाल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स को हराया था और उसकी टीम इसी प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी। पिछले कुछ मैचों में एलएसजी के लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू शीर्ष क्रम में मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी का शानदार प्रदर्शन रहा है। पिछले मैच में इस जोड़ी ने मात्र 8.2 ओवरों में 109 रन जोड़े थे। अगर एलएसजी को घरेलू दर्शकों के सामने अपने अभियान का सकारात्मक अंत करना है तो इन दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

एमआई और केकेआर के परिणामों पर निर्भर पंजाब

अब पांचवें स्थान पर काबिज पंजाब को न केवल शनिवार को अपने अंतिम लीग मैच में एलएसजी को हराना होगा, बल्कि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए रविवार के दो मैचों (मुंबई इंडियंस बनाम राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) बनाम दिल्ली कैपिटल्स) के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम चाहेगी कि राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों ही अपने-अपने मैच हार जाएं। अगर राजस्थान रॉयल्स मुंबई को हरा देती है तो पंजाब की उम्मीदें आधिकारिक तौर पर खत्म हो जाएंगी, वहीं अगर केकेआर दिल्ली कैपिटल्स को हरा देती है तो मामला नेट रन रेट पर अटक सकता है। पंजाब का नेट रन रेट केकेआर से थोड़ा बेहतर है।

विजय शंकर ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल को कहा अलविदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय हरफनमौला विजय शंकर ने घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से शुक्रवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि वह 'क्रिकेट खेलना' जारी रखने के लिए 'नए अवसरों की तलाश' करेंगे। तमिलनाडु के 35 वर्षीय शंकर ने 2025-26 सत्र में त्रिपुरा टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2018 से 2019 के बीच भारत के लिए 12 वनडे और 9 टी20 मैच खेले। शंकर ने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की घोषणा करते हुए लिखा, क्रिकेट मेरी जिंदगी है। मैंने 10 साल की उम्र में खेलना शुरू किया और 25 साल बाद हर स्तर पर और उच्चतम स्तर तक खेलने के लिए आभारी और धन्य महसूस करता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे सबसे गौरवपूर्ण और खुशी के पलों में से एक रहेगा। उन्होंने कहा, मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है ताकि नए अवसरों की तलाश कर सकूं और क्रिकेट खेलना जारी रख सकूं। बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट टीम का मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

खबर संक्षेप

अंडर-18 महिला हॉकी टीम की कप्तान बनीं स्वीटी

नई दिल्ली। स्वीटी कुजुर को जापान के काकामिगाहारा में 29 मई से 6 जून तक होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला अंडर-18 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। इस टीम में कुजुर के अलावा नौशीन नाज, प्रियंका मिंज, संदीप कुमारी और नैन्सी सरोहा अग्रिम पंक्ति में शामिल हैं। मध्य पंक्ति में श्रुति कुमारी, दीया, स्नेहा दावड़े, रश्मीन कौर, नम्मी गीताश्री और पुष्पा मांझी तथा रक्षापंक्ति में सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रुबीना बक्सला, किरण एक्का, सुलोचनी और गोलकीपर महक परिहार और खिली कुमारी शामिल हैं।

मोरक्को में पहले दौर के बाद दूसरे स्थान पर प्रणवी

रबात। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स यहां लाला मेरियम कप के पहले दिन तीन अंडर 70 का कार्ड खेलकर 9 अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। इस प्रतियोगिता में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ियों की शुरुआत साधारण रही। अवनि प्रशांत और दीक्षा दो ओवर 75 का कार्ड बनाकर संयुक्त 61वें स्थान पर जबकि हिताशी पांच ओवर 78 का कार्ड खेलकर संयुक्त 99वें स्थान पर रही। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी केल्सी बेनेट अपने पहले दौर में पांच अंडर 68 का कार्ड खेलकर दो स्ट्रोक की बढ़त के साथ सबसे आगे चल रही है।

माया रेवती खेलेंगी जूनियर फ्रेंच ओपन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की प्रतिभाशाली युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती सीनियर सर्किट में धीरे-धीरे प्रवेश करने की अपनी योजना के तहत इस सत्र में जूनियर और पेशेवर टूर्नामेंटों के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन कायम करना चाहती हैं। सोलह वर्षीय माया इस साल जूनियर फ्रेंच ओपन में चुनौती पेश करेंगी। इस वर्ष उन्होंने मुख्य रूप से जूनियर सर्किट में ही भाग लिया है। उनकी कोचिंग टीम का कहना है कि यह कदम आत्मविश्वास बढ़ाने, मैच का अनुभव हासिल करने और पेशेवर प्रतियोगिताओं में बड़ा कदम उठाने से पहले मजबूत जूनियर रैंकिंग बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

यूरोप में मिलता है बहुत अनुभव

स्पेन की 'राफा नडाल अकादमी' में पूर्णकालिक प्रशिक्षण ले रही माया ने कहा कि यूरोप के अधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में खेलने से उनके विकास में तेजी आई है। माया ने कहा, एक निश्चित स्तर पर, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे प्रतिस्पर्धा करते हैं। यूरोप में आप हर दिन समान स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं और इससे आपको बहुत अनुभव मिलता है। वह अप्रैल में फ्रांस में 'क्ले कोर्ट' पर आयोजित जे300 प्रतियोगिता जीतने के अलावा स्पेन और मिस्र में कुछ टूर्नामेंटों में सेमीफाइनल तक पहुंचीं।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज में भिड़ने पाकिस्तान टीम का ऐलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह से शुरू होने वाली तीन मैचों की एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए शुक्रवार को अपनी 16 सदस्यीय टीम में तीन नए खिलाड़ियों को शामिल किया। विकेटकीपर-बल्लेबाज रोहैल नाज़िर, तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और ऑलराउंडर अराफ़ात मिन्हास ने कुछ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन उन्हें पहली बार वनडे टीम में चुना गया है। नाज़िर और ग़ाज़ी गोरी टीम में दो विकेटकीपर हैं।

30 मई को पहला मैच

तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 30 मई को रावलपिंडी में खेला जाएगा। इसके बाद दो और चार जून को लाहौर में मैच खेले जाएंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों बाबर आजम, नसीम शाह और शादाब खान ने टीम में वापसी की है। फखर जमां और साइम अयूब चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे।

पाकिस्तान टीमः शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), सलमान अली आगा, अब्दुल समद, अबरार अहमद, अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास, बाबर आजम, हारिस रऊफ, माज सदाकत, गाजी गोरी, नसीम शाह, रोहेल नाजिर, साहिबजादा फरहान, शादाब खान, शमील हुसैन, सुफयान मोकिम।

मलेशिया मास्टर्स

अश्मिता का शानदार सफर क्वार्टर फाइनल में थमा

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

भारत की अश्मिता चालिहा का मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल में शानदार सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। चालिहा ने हालांकि डेनमार्क की विश्व में 23वें नंबर खिलाड़ी लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ड के सामने कड़ी चुनौती पेश की। चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाली विश्व में 71वें रैंकिंग की भारतीय खिलाड़ी ने कड़े संघर्ष के बाद शुरुआती गेम जीता लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाई और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय तक चले मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से 23-21 18-21 11-21 से हार गईं।

चालिहा ने संयमित खेल से किया प्रभावित

चालिहा ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले गेम में इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली। लाइन इसके बाद वापसी करके 19-18 से आगे हो गई, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने संयम बनाए रखा और गेम अपने नाम कर लिया।

जीता सऊदी प्रो लीग का खिताब, दमाक को 4-1 से हराया

रोनाल्डो ने अल नासर को बनाया चैंपियन, दागे शानदार दो गोल

एजेंसी ▶▶ रियाद

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिर में सऊदी अरब में कोई बड़ी ट्रॉफी जीतने में सफल रहे। पुर्तगाल के इस 41 वर्षीय स्टार खिलाड़ी के दो गोल की मदद से अल नासर ने दमाक के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल की और इस तरह से सऊदी प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। रोनाल्डो के अल नासर क्लब में शामिल होने के तीन साल से अधिक समय बाद यह टीम की पहली बड़ी ट्रॉफी है।

क्रिस्टियानो रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप में लेंगे भाग

पुर्तगाल की विश्व कप टीम में शामिल किए जाने के ठीक दो दिन बाद रोनाल्डो ने ट्रॉफी उठाई। रोनाल्डो रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप में भाग लेंगे। इस जीत ने अल नासर को लीग में शीर्ष स्थान दिला दिया। वह अल-हिलाल से दो अंक आगे रहा। अल-हिलाल ने 34 मैचों के सत्र में अजेय रहने के बावजूद दूसरा स्थान हासिल किया। सादियो माने और किंग्सले कोमन के गोल से अल नासर ने दूसरे हाफ में बढ़त बना ली, जिसके बाद रोनाल्डो ने सत्र के लीग में अपने 27वें और 28वें गोल दागे।

फ्री किक लगाकर दागा पहला गोल

वहीं, हाफ टाइम के बाद किंग्सले कोमन ने अल नासर की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद रोनाल्डो ने अपना बेहतरीन खेल दिखाया और दो गोल करते हुए टीम की जीत पर मुहर लगा दी। रोनाल्डो ने मैच का अपना पहला गोल 60वें मिनट में फ्री किक की मदद से किया। वहीं, मैच के 81वें मिनट में उन्होंने गोलकीपर को चकमा देते हुए शानदार गोल दागा। अल नासर का डिफेंस भी इस मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया।

जीत के बाद रोने लगे रोनाल्डो

रोनाल्डो इस मुकाबले में जीत के बाद मैदान पर काफी भावुक दिखाई दिए, जिसमें वह अपनी भावनाओं को काबू में नहीं रख सके और रोने लगे। दरअसल क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस क्लब के साथ साल 2023 में जुड़े थे, जिसमें टीम लगातार खिताब जीतने से चूक रही थी लेकिन अब तीन साल के लंबे इंतजार के बाद रोनाल्डो अपनी टीम को विजेता बनाने में कामयाब रहे हैं।

VEHICLE AVAILABLE
for SALE
Mahindra Bolero Maxx Pik-UP HD
Model - 2023
MP20-ZW-0979
"as is where is condition"
Contact within 7 days at
M/s Sundaram Finance Ltd.
II Floor, Digamber Tower 936,
Wright Town, Jabalpur- 482002
0761-2451218, 9425600590

Divisa
आँखों को दीजिए कुदरती आई मंत्रा
100% Ayurvedic
असर पहले दिन से
Helps in :
• Eye Strain • Eye Dryness
• Eye Tiredness • Eye Freshness • Eye Cleanliness
Dr. Juneja's EYE Mantra EYE Drop 100% Ayurvedic Eye Relief Drops
Dr. Juneja's EYE Mantra®
12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।
प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।
Clinically Tested*
24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com • Available at all leading medical stores

प्रावधान नही होने के कारण नहीं हो पाया सरेंडर, अब भोपाल पुलिस ट्रायल कोर्ट में करेगी पेश

जिला अदालत परिसर में दो घंटे चला समर्थ सिंह के सरेंडर का हाई वोल्टेज ड्रामा

जबलपुर। जिला अदालत, जबलपुर के परिसर में शुक्रवार को ट्विशा सिंह की संदिग्ध मौत के मामले में मुख्य आरोपी पति समर्थ सिंह के सरेंडर का हाई वोल्टेज ड्राम दो घंटे तक चला। दरअसल, समर्थ सिंह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए एक नया पैंतरा आजमाया। उसने जिला अदालत, जबलपुर आकर सरेंडर करने का प्रयास किया। हालांकि, कानूनी क्षेत्राधिकार और नियमों के आड़े आने के कारण उसका यह प्रयास पूरी तरह विफल रहा। विधिक नियमानुसार, इस मामले में आत्मसमर्पण की प्रक्रिया केवल भोपाल की ट्रायल कोर्ट में ही संपन्न हो सकती है, जहां मामला दर्ज है। यही वजह रही कि क्षेत्राधिकार से बाहर होने के कारण जबलपुर कोर्ट ने समर्थ सिंह के सरेंडर करने के निवेदन पर जिला अदालत, जबलपुर में सीजेएम अभिषेक सोनी या प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा की अदालत ने कोई भी आदेश पारित नहीं किया।

बहरहाल, जिला अदालत, जबलपुर से कोई राहत न मिलने के बाद भोपाल पुलिस के लिए रास्ता साफ हो गया। भोपाल पुलिस देर शाम वकीलों के सहयोग से जिला बार एसोसिएशन के रूम से लगी सीढ़ियों के जरिए समर्थ सिंह को सुरक्षित ओमती थाना, जबलपुर ले गई। जहां से हिरासत में लेकर भोपाल ले गई। अब भोपाल की सक्षम अदालत के समक्ष नियमानुसार प्रस्तुत किया जाएगा।

जिला अदालत में हाईवोल्टेज ड्रामा

जिला अदालत, जबलपुर के परिसर में दो घंटे तक भारी नाटकीय घटनाक्रम और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सरेंडर की मनमानी कोशिश के दौरान आरोपित और उसके वकील लगातार अपनी विधिक रणनीति बदलते दिखे। यह हाई-वोल्टेज ड्रामा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कोर्ट से शुरू होकर प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश कोर्ट तक पहुंचा। फिर वहां से जिला बार एसोसिएशन के कक्ष तक करीब दो घंटे तक चक्कर काटता रहा। इस पूरे ड्रामे के बाद आरोपी को जिला अदालत, जबलपुर से खाली हाथ लौटना पड़ा। अब भोपाल पुलिस आरोपित को अपने शिकंज में लेकर कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

ट्विशा के वकील ने लगाया धक्का-मुक्की का आरोप

हाई वोल्टेज ड्रामा के दौरान समर्थ के भोपाल से जबलपुर आए और जबलपुर के स्थानीय मित्र अधिवक्ताओं ने उसे सुरक्षा का घेरा दिया था। इस वजह से वह मास्क लगाए, टोपी-चश्मा पहने और गमछा ओढ़े मीडिया की नजरों से बचने का विफल प्रयास करता इधर-उधर भागता दिखा। ट्विशा के परिवार की ओर से पक्ष रखने जबलपुर आए भोपाल निवासी अधिवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि समर्थ के साथियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। कुछ इलेक्ट्रानिक मीडिया वाले भी ऐसी ही शिकायत करते नजर आए।

घरेलू गैस सिरेंडर की रिफलिंग व कालाबाजारी

अदालत ने निरस्त की अपील

आरोपियों को एक-एक वर्ष के कारावास की सजा बरकरार

जबलपुर। अपर सत्र न्यायालय ने घरेलू गैस सिरेंडर की रिफलिंग व कालाबाजारी के आरोपी जबलपुर निवासी किराना दुकान संचालक अजय साहू व प्रीति साहू की अपील निरस्त कर दी। इसी के साथ एक-एक वर्ष के कारावास की सजा बरकरार रखी।

राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक राजकुमार गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपियों द्वारा किराना दुकान की आड़ में गैर कानूनी तरीके से मिट्टी तेल, गैस सिलेंडर की रिफलिंग व ब्लैक मार्केटिंग खुलेआम की जा रही थी। जिसकी लिखित शिकायत जिला खाद्य नियंत्रक अधिकारी, जिला खाद्य शाखा, जबलपुर को प्राप्त होने पर शिकायत के आधार पर

डिप्टी कलेक्टर द्वारा अजय किराना स्टोर की आकस्मिक जांच की गई। मौके पर 10 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर, तीन इंडेन के भरे हुए, दो भारत गैस कंपनी के, पांच एचपी कंपनी के जो कुछ भरे और कुछ खाली थीं, जप्त किए गए। कागजातों की मांग किए जाने पर कोई भी कागजात नहीं दिखाए जाने पर मौके पर उपस्थित लोगों से पूछताछ किए जाने पर बताया गया कि उक्त किराना दुकान में गैस सिलेंडर की कीमत के अतिरिक्त पांच सौ रूपये प्रति सिलेंडर को ब्लैक पर बेचा जाता है और एक सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में गैस पलटने का काम किया जाता है। जिस पर आरोपितों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर विचारण न्यायालय ने विचारण हेतु प्रस्तुत किए जाने पर आरोपी प्रीति साहू व अजय कुमार साहू को आवश्यक वस्तु अधिनियम अंतर्गत एक वर्ष के कारावास व एक-एक हजार रूपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। भारतीय विस्फोटक अधिनियम के अपराध में एक वर्ष के कारावास व 500 रूपये जुर्माने से दंडित किया गया था। इसी सजा को अपील के जरिए चुनौती दी गई थी।

दबंगों द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा मामले में हाईकोर्ट के नोटिस

जबलपुर। कटनी जिले की तहसील बहोरीबंद की ग्राम पंचायत चानदन खेड़ा में दबंगों द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा कर दुरूपयोग के मामले को एक याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति द्वारकाधीश बंसल एवं बीपी शर्मा की युगलपीठ ने कलेक्टर कटनी सहित अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। यह याचिका क्षेत्रीय निवासी कालू राम व किशन सिंह की ओर से दायर की गई है। याचिका की सुनवाई के दौरान दलीलें देते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शंभू दयाल गुप्ता, कपिल गुप्ता ने न्यायालय को बताया कि ग्राम पंचायत चांदन खेड़ा का किशन यादव जो ग्राम का दबंग व्यक्ति है ने ग्राम सांडा चांदन खेड़ा में शासकीय भूमि है जो मरघट के लिए सुरक्षित हैं। उक्त भूमि पर लगे पेड़ों को नष्ट कर दिया, उस भूमि को समतल कर भूसा रखने के लिए गोदाम बनवा कर तालाबों से पानी आना बंद कर दिया है साथ ही पत्थर बेचकर शासन को हानि पहुंचा रहा है। खदान में डूबने से 12 वर्षीय बालिका एवं 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई। जिसकी शिकायत की गई पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसे उन्होंने अनुचित बताते हुए न्यायालय से उचित राहत देने की प्रार्थना की।

एनसीसी प्रशिक्षण कैंप में बीमार होने वालों की संख्या 37 पर पहुंची, जांच कमेटी गठित

लू का कहर, 6 और बच्चों की तबियत बिगड़ी

जबलपुर। डुमना रोड पर स्थित ट्रिपल आईटीडीएम परिसर में चल रहे नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) कैंप में गुरुवार की देर शाम 31 कैडेट की अचानक सिर दर्द और उल्टी होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। इसके बाद दूसरे दिन शुक्रवार को ऐसी ही शिकायत हुई और उन्हें अस्पताल लाया गया। इस तरह कुल पीड़ित बच्चों की संख्या 37 हो गई। उन्हें अब इलाज के लिए चिकित्सों की निगरानी में रखा गया है। आरोपित है कि खुले मैदान में चल रहे कड़े प्रशिक्षण के दौरान हीटवेव के हमले से बच्चों में ड्रीहाईड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) के लक्षण मिले। प्रशिक्षण को लेकर अभिभावकों की आपत्ति और खान प पान की शिकायतों पर भी जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। घटना की जानकारी मिलने पर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने सीएमएचओ डॉक्टर नवीन कोठारी से चर्चा की और सभी के समुचित उपचार के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ.नवीन कोठारी ने बताया कि पीड़ित बच्चों में 21 छात्र और बाकी छात्राएं हैं। सभी की हालत अब बेहतर हैं। उन्होंने बताया कि उल्टी, दस्त लगने का कारण लू लगना हो सकता है। बहरहाल चिकित्सकों की निगरानी में बच्चों की ईसीजी जांच भी कराई गई है। फिलहाल चिकित्सकों का कहना है कि भीषण गर्मी

के चलते एनसीसी कैडेट हीट स्टोक का शिकार हो गए हैं। इस वजह से उन्हें सिर में दर्द और उल्टियां होने लगी थीं।

यहां उल्लेखनीय है कि ट्रिपल आईटीडीएम परिसर में चल रहे एनसीसी कैंप में गुरूवार की रात कैडेट्स की खाना खाने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई। सभी बच्चे सिर दर्द से पीड़ति थे और उल्टियां कर रहे थे। जिसके बाद आनन-फानन 37 बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल विक्टोरिया पहुंचाया गया। बताया जाता है कि एमपी आर्ड स्क्वाड्न एनसीसी द्वारा 14 मई से ट्रिपल आईटीडीएम परिसर में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, कटनी, छिंदवाड़ा, तेंदूखेड़ा, कटंगी और नुनसर सहित कई इलाकों से करीब 450 कैडेट्स शामिल हुए हैं। यहां बड़ा सवाल यह है कि इस भीषण गर्मी में जब पारा 43 से 45 डिग्री के बीच झूल रहा है तब एनसीसी कैडेट का प्रशिक्षण जारी क्यों रखा गया। स्कूलों में छुट्टियां दे दी गई। इस बीच एनसीसी प्रशिक्षण सवालों के घेरे में है। इधर सीएमएचओ का कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जा रहा हैं। मेडिकल कॉलेज अस्पताल से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम विक्टोरिया अपस्ताल पहुंची है। एनसीसी कैंप से आए सभी बच्चे उनकी निगरानी में हैं। कुछ बच्चों की स्थिति अब सामान्य है, लेकिन मेडिकल से आए चिकित्सकों की राय पर उन्हें अगले 24 घंटे के लिए निगरानी में रखा गया है। फूड पॉइजनिंग की आशंका पर सीएमएचओ ने बताया कि सेंपल लिए गए हैं, जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। प्रारंभिक तौर पर तो बच्चों के बीमार होने के पीछे हीट स्टोक ही मुख्य वजह समझ आ रही है।

लगातार धूप में ट्रेनिंग चल रही

तेंदूखेड़ा से आए एक कैडेट ने बताया कि जबलपुर की तेज गर्मी कई बच्चे सहन नहीं कर पाए, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई. बच्चों ने बताया कि शिविर सात दिन पहले शुरू हुआ था और लगातार धूप में प्रशिक्षण चल रहा था. कुछ कैडेट्स ने खाने के बाद तबीयत खराब होने की भी बात कही है।

आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक 26 को

जबलपुर। अतिवर्षा, बाढ़, अग्नि दुर्घटना सहित अन्य संभावित आपदाओं से निपटने की तैयारियों को लेकर 26 मई मंगलवार को कलेक्टरेट सभाकक्ष क्रमांक-57 में बैठक आयोजित की जाएगी। शाम 5 बजे होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर राघवेंद्र सिंह करेंगे। संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्ययोजना के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

कथित बाबा ने सास-बहू के जेवर और 20 हजार ठगे

भूत-प्रेत का साया भगाने के नाम पर ठगी

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत करौंदा नाला के समीप खैरी गांव में एक कथित झाड़फूंक करने वाले बाबा ने भूत भगाने का दांव चलकर सास बहू के जेवर और 20 हजार रुपए ठग लिए और फरार हो गया। अब पुलिस ठग बाबा की तलाश कर रही है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरी गांव निवासी किरण गोटिया के घर गत 30 अप्रेल को दोपहर लगभग 3 बजे पंचम चौहान एक कथित बाबा को लेकर घर आया, चूंकि पंचम किरण के लड़के का परिचित है इसलिए किरण उसकी बातों में आ गई। पंचम ने यह झांसा दिया कि तुम्हारे घर में भूत प्रेत का साया है। और ऐसा कहकर उसने दरवाजे खुलवाए खाली पेटी और चादर मंगवाये। घर पर बहू सरिता भी थी। चादर में पंचम ने उसे जमीन पर बिठाया और उसके शरीर पर नीबू और नारियल से उतारा किया। उसकी आखों में एक दम से अंधेरा छा गया। पंचम बोला कि घबराओं नही, सब ठीक हो जायेगा। वह बोला कि देखो पेटी मे कितना पैसा है। उसने कहा कि पेटी में 500-500 रूपये के नोट दिख रहे हैं। फिर लोटे में पानी में डाला और बोला कि गले में जो सोना पहनी हो इसमें डाल दो। उसने गले में पहनी पांचाली लोटे में डाल दी। वह कहने लगा कि बहू के गले जो सोना पहनी है, ले आओ। उसने बहू से कहा कि अपने गले में पहना हुआ सोने का पेंडल उतारकर दे दो। पंचम मांग रहा है, अभी वापस कर देगा। बहू ने अपना सोने का पेंडल उतारकर उसे दिया। सोने का पेंडल उसने पंचम के लोटे में डाल दिया। पंचम कहने लगा कि पूजा पाठ के 20 हजार रूपये लगेंगे, रूपये ले आओ। उसने अपने पास रखे 3 हजार रूपये और लड़का रोशन किसी से मांगकर लाया और पंचम को दिया। इसके बाद पंचम बोला कि अभी नारियल ठंडा करके आ रहे हैं। तुम गीले कपड़े पहनकर खड़े रहना आकर उतारा करेगें। गीले कपडे ठंडे कर देगें। यह बोलकर अपना लोटा लेकर चला गया। पंचम के जाने के बाद उसे अहसास हुआ कि पंचम चौहान ने उसके साथ छल कपट करते हुये उससे सोने की पांचाली व बहू की सोने का पेंडल तथा 20 हजार रूपये भूत-प्रेत का भय बताकर अपने साथ ले जाकर उसके साथ धोखाधड़ी की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 318(4), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

स्लॉट बुकिंग व उपार्जन से परेशान किसान कलेक्टर कार्यालय में भर देंगे गेहूं

किसानों के गुस्से का पारा चढ़ा शासन-प्रशासन को दी चेतावनी

जबलपुर। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में सैकड़ों गांवों के किसान गेहूं उपार्जन में व्याप्त अव्यवस्थाओं और बदहाली के खिलाफ किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय के समीप स्थित घंटाघर पहुंचकर अपना रोष व्यक्त करते हुए दो घंटे तक जबरदस्त प्रदर्शन किया। 45 डिग्री के तापमान में किसानों के गुस्से का पारा चढ़ा दिखा और उन्होंने सरकार व प्रशासन को स्लॉट बुकिंग न होने, खरीदी केंद्रों पर वारदाने की कमी, पानी व छाया का इंतजाम न होने जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर जमकर कोसा। प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल व अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल ने प्रशासन व सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि उपार्जन अव्यवस्था के चलते यदि जिले के चौदह हजार किसान स्लॉट बुकिंग व उपार्जन से वंचित होते हैं तो सभी किसान कलेक्टर कार्यालय लाकर अपना गेहूं भर देंगे और अपने परिवार सहित अपना डेरा भी वहीं रख देंगे। मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर रघुवीर सिंह को सौंपे ज्ञापन में किसान संघ ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की गेहूं उपार्जन संबंधी बाधाओं को जल्द दूर नहीं किया गया, तो किसान उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

ये हैं किसानों की प्रमुख मांगे, महाकौशल प्रांत के 24 जिलों के लगभग 1,18,400 किसान सर्वर की खराबी के कारण अपने स्लॉट बुक नहीं कर पाए हैं।

इसलिए स्लॉट बुकिंग तत्काल प्रारंभ हो। केंद्रों से गेहूं का शीघ्र परिवहन कर तत्काल भुगतान प्रक्रिया में गति लाई जाए। उपार्जन केंद्रों पर पेयजल, किसानों के बैठने के लिए छाया की व बारदानों की भारी पर्याप्त व्यवस्था की जाए। सर्वर की खामियां दूर कर पंजीकृत सभी किसानों की स्लॉट बुकिंग सुनिश्चित की जाए। उपार्जन केंद्रों पर व्यापारियों की घुसपैठ बंद हो, दोषी अधिकारियों को दंडित किया जाए और संबंधित व्यापारियों पर एफआईआर दर्ज हो। आगामी खरीफ फसलों के लिए डीएपी खाद और अन्य उर्वरकों की उपलब्धता अभी से सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर की सलाह से भड़के किसान

उपार्जन समिति के अध्यक्ष कलेक्टर द्वारा किसानों को मंडी में फसल बेचने की सलाह देने से किसान खासे नाराज दिखे। जिलाध्यक्ष रामदास पटेल व जिला मंत्री धनंजय पटेल ने बताया कि प्रशासन व्यवस्थाएं बनाने में नाकाम साबित हुआ है। जिसके कारण मंडियों में जाने की सलाह दे रहा है। जहाँ समर्थन मूल्य और बाजार भाव में 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल का बड़ा अंतर है, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ये रहे उपस्थित

भारतीय किसान संघ के धरना प्रदर्शन में सैकड़ों गांवों के किसानों के साथ भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल, प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, प्रांत उपाध्यक्ष मोहन तिवारी, संभाग उपाध्यक्ष व विद्युत नियामक आयोग के सदस्य दामोदर पटेल, प्रांत मंत्री आलोक पटेल, जिलाध्यक्ष रामदास पटेल, जिला मंत्री धनंजय सिंह पटेल, जिला प्रचार प्रमुख भरत पटेल, पाटन तहसील अध्यक्ष मुकुल पचौरी, मंझोली तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल, शहपुरा तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र साहू, पनागर तहसील अध्यक्ष जितेंद्र पटेल, अटल पटेल, प्रेमचंद कुर्मी, धरम पटेल, रीतेश पचौरी सहित जिले भर के किसान उपस्थिति रहे।

जबलपुर-पुणे-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित नम्बर से परिचालन

जबलपुर। गाड़ी संख्या 20162 जबलपुर-पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 24 मई से प्रत्येक रविवार को जबलपुर से दोपहर 13:50 बजे प्रस्थान कर मदनमहल 14:00 बजे, नरसिंहपुर 14:58 बजे, पिपरिया 16:03 बजे, इटारसी 17:20 बजे, हरदा 18:16 बजे, बुरहानपुर 20:45 बजे, भुसावल 21:45 बजे, पहुँचकर अगले दिन मनमाड़ पर मध्यरात्रि 00:10 बजे, कोपरगाँव 01:12 बजे, बेलापुर 01:57 बजे, अहिल्यानगर 02:57 बजे तथा दौड़ कॉर्ड लाइन पर 04:33 बजे ठहराव लेते हुए सोमवार को पुणे सुबह 06:25 बजे पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 20161 पुणे-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 25 मई से प्रत्येक सोमवार को पुणे से 11:20 बजे प्रस्थान कर दौड़ कॉर्ड लाइन पर 12:20 बजे, अहिल्यानगर पर 13:32 बजे, बेलापुर पर 14:37 बजे, कोपरगाँव 15:27 बजे, मनमाड़ 17:10 बजे, भुसावल 20:00 बजे, बुरहानपुर 20:31 बजे, पहुँचकर अगले दिन हरदा पर मध्य रात्रि 00:13 बजे, इटारसी पर 02:00 बजे, पिपरिया पर 03:18 बजे, नरसिंहपुर 04:28 बजे तथा मदनमहल पर 05:38 बजे ठहराव लेते हुए मंगलवार को जबलपुर सुबह 06:00 बजे पहुँचेगी। दिनाँक 24 मई 2026 से 28 जून 2026 तक कोच संरचना- इस गाड़ी में 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 05 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 08 शयनयान श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 17 कोच रहेंगे।

ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी, यात्रियों को मिलेगी राहत

जबलपुर मंडल के 8 रेलवे स्टेशनों समेत पमरे के 14 स्टेशनों को जंक्शन का दर्जा

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल्वे (डब्ल्यूसीआर) जबलपुर ने अपने जोन के अधीन प्रदेश के 14 स्टेशनों को अपग्रेड करके उन्हें जंक्शन का दर्जा दिया है। इन स्टेशनों में जहां कछपुरा सहित जबलपुर मंडल के कुल 8 स्टेशन शामिल हैं वहीं भोपाल और कोटा रेल मंडल के 3-3 स्टेशनों को भी शामिल किया गया है। डब्ल्यूसीआर ने रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए रेलवे बोर्ड ने 11 नए मार्गों का सर्वे मंजूर किया है। इसके साथ ही बुंदेलखंड के बीना से भोपाल होते हुए इटारसी तक 237 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन को 4,329 करोड़ की मंजूरी दी है। रेलवे का मानना है कि इससे उत्तर और दक्षिण भारत के बीच ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी और यात्रियों को राहत मिलेगी। संत हिरदाराम नगर को नया जंक्शन बनाया गया है। पश्चिम मध्य रेल्वे (वेस्ट सेंट्रल रेलवे) जबलपुर द्वारा 14 स्टेशनों को अपग्रेड करके जंक्शन का दर्जा दिया है। इनमें जबलपुर के कछपुरा जंक्शन, कटनी साउथ जंक्शन, कटनी मुड़वारा जंक्शन, कैमोर जंक्शन, सगमा जंक्शन, बांसापहाड़ जंक्शन, बीना मालखेड़ी जंक्शन, कटनी खुर्द जंक्शन, भोपाल रेल मंडल के तलवड़िया जंक्शन, रूठियाई जंक्शन, संत हिरदाराम नगर जंक्शन और कोटा रेल मंडल से गंगापुर सिटी जंक्शन, रामगंज मंडी जंक्शन और गुड़ला जंक्शन शामिल किए गए हैं। संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ को भोपाल का दूसरा प्रमुख रेलवे जंक्शन घोषित किया है। नए रेल मार्गों का सर्वेराज्य में कनेक्टिविटी को रफ्तार देने के लिए 11 नए रेल मार्गों की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। सीहोर-श्यामपुर-ब्यावरा होते हुए कोटा के पास रामगंज मंडी तक नई रेल लाइन का काम भी चल रहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240